नई दिल्ली

रविवार, 16 जून, 2024

ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष,
दशमी वर्ष : 28, अंक : 66
पृष्ठ 12 मूल्य 2 .00

मौसम
अधि. 45
न्यून. 34

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हैप्पी फादर्स-डे

haribhoomi.com

लंबी कानूनी लड़ाई के बाद लिया था बच्चे को गोद

फादर्स डे विशेष

डाउन सिंड्रोम बच्चे को घरवालों ने छोड़ा, आदित्य ने पिता की तरह पाला, आज उसी 9 साल के बच्चे ने जीता राष्ट्रीय पुरस्कार

दीपेश कौरव ▶▶ भोपाल

सिंगल पेरेंटिंग एक अनूठा सफर है, जिसमें चुनौतियां और जिम्मेदारियां दोनों का ही सामना एक अकेले पेरेंट को करना पड़ता है, लेकिन इन सबके साथ अपने बच्चे को एक अलग पहचान दिलाकर इंदौर के सॉफ्टवेयर इंजीनियर आदित्य तिवारी ने एक मिसाल पेश की है। इन्हें भारत का सबसे युवा सिंगल एडॉप्टिव पेरेंट माना जाता है। जन्म से डाउन सिंड्रोम से प्रभावित जिस बालक को माता-पिता ने बेसहारा छोड़ दिया था, उसे आदित्य ने गोद लिया ▶▶ शेष पेज 7 पर

पिता के जन्मदिवस पर गए थे अनाथ आश्रम, वहीं हुई बिन्नी से मुलाकात

अब पिता और पुत्र बच्चों के अधिकार सुरक्षित कराने की लड़ाई लड़ रहे

आदित्य 'हरिभूमि' को बताते हैं कि वह पिता के जन्मदिवस पर सितंबर 2014 में अनाथ आश्रम गए हुए थे, तभी उनकी नजर बिन्नी पर पड़ी और उन्होंने बच्चे को गोद लेने की इच्छा जाहिर की। सिंगल फादर के लिए बच्चे को गोद लेने की उम्र 30 वर्ष जरूरी है, जबकि उस समय आदित्य की उम्र 26 वर्ष थी। ऐसे में आदित्य ने न्यायालय की शरण ली और राष्ट्रपति सहित ▶▶ शेष पेज 7 पर

आगामी 31 अगस्त से 2 सितंबर तक केरल के पलक्कड़ में होगी राष्ट्रीय समन्वय बैठक

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महासचिव बीएल संतोष भी लेंगे हिस्सा

भाजपा और संघ समन्वय बैठक में करेंगे मंथन, चुनाव नतीजों का होगा विश्लेषण

इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर भी होगी चर्चा

आनंद राणा ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच यूं तो कुछ मुद्दों पर मतभिन्नता बनी रहती है, पर लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद सामने आयी बयानबाजी अचंभित करने वाली थी। इसे दोनों खेमों के बीच समन्वय के अभाव के तौर पर देखा गया। अब आपसी तालमेल बढ़ाने की जरूरत शीर्ष स्तर पर महसूस की जा रही है। इसी के परिणामस्वरूप आगामी 31 अगस्त से 2 सितंबर तक केरल के पलक्कड़ में होने जा रही राष्ट्रीय समन्वय बैठक में तमाम मसलों पर भाजपा और संघ के शीर्ष पदाधिकारियों के बीच बातचीत होगी।

बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी के संगठन महासचिव बीएल संतोष भी पहुंचेंगे। संघ परिवार से जुड़े सभी संगठनों के महत्वपूर्ण पदाधिकारी भी आपसी तालमेल पर चर्चा करेंगे। माना जा रहा है कि समन्वय बैठक में हालिया लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन पर मंथन होगा। सूत्रों का कहना है कि चुनाव के दौरान भाजपा और संघ

के बीच देखने को मिली समन्वय की कमी पर भी गहराई से चर्चा होगी। भाजपा हालांकि एनडीए में शामिल सहयोगी दलों के समर्थन से सरकार बनाने में सफल रही है, बावजूद इसके पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिल पाने के कारणों को चिन्हित कर उनके निदान पर आगे बढ़ा जाएगा। समन्वय बैठक के दौरान उत्तरप्रदेश पर अहम फोकस रहेगा। सबसे ज्यादा लोकसभा वाले सूबे में पार्टी का प्रदर्शन घोर निराशाजनक रहा है। इसे लेकर भाजपा के भीतर भी समीक्षा की बात उठ रही है। यूपी की 80 लोकसभा सीटों में से भाजपा मात्र 33 सीट ही जीत पायी जबकि कमजोर बतायी जा रही समाजवादी पार्टी 2019 की अपनी 5 सीट को बढ़ाकर 37 करने में सफल रही। कांग्रेस 6 सीट जीतने में कामयाब रही जबकि भाजपा नेता चुनाव के दौरान दावा कर रहे थे सपा-कांग्रेस गठबंधन यूपी में चार-पांच सीट पर सिमट जाएगा।

सूत्रों का कहना है कि राजस्थान और हरियाणा में भाजपा की सीटें घटने पर तो चर्चा होगी ही साथ ही पश्चिम बंगाल की सियासी पड़ताल पर भी मंथन होगा। भाजपा को उम्मीद थी कि पिछले 2019 के चुनाव में मिली 18 सीटों की संख्या बढ़कर 25 के आसपास हो जाएंगी पर पार्टी कड़ी मशक्क़त के बाद मात्र 12 सीट ही जीत सकी।

सितंबर में जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। इसके बाद हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव है। लोकसभा चुनाव के प्रदर्शन से निराश भाजपा नेतृत्व के लिए इन राज्यों के राजनैतिक समीकरण भी परेशानी का सबब बने हुए है। भाजपा नेता केरल की बैठक में संघ के साथ मतभिन्नता के हर उस बिंदु का हल तलाश करने पर जोर देंगे जो दूरी बढ़ा रहा है। पार्टी हर हाल में चाहेगी कि विधानसभा चुनाव में संघ का वैसा ही सहयोग मिले जो अतीत में मिलता रहा है।

भाजपा सहित 36 सहयोगी संगठनों से जमीनी फीडबैक लेंगे

संघ से जुड़े सूत्रों का कहना है कि दूसरी पार्टियों से आए नेताओं को भाजपा में ज्यादा महत्व मिलना भी एक बड़ा मसला है जिस पर बातचीत होगी। पिछले कुछ सालों में जिस प्रकार भाजपा ने दूसरे दलों के नेताओं को पार्टी में शामिल कर आगे बढ़ाया है उससे स्थानीय स्तर पर भाजपा के कैडर में निराशा है। इसके साथ ही महाराष्ट्र में अजित पवार से गठबंधन और लंबे समय तक साथ रही शिवसेना की टूट और उद्धव ठाकरे से बिगड़े रिश्तों पर भी संघ अपनी राय बैठक में प्रकट करेगा। भाजपा सहित 36 सहयोगी संगठनों के शीर्ष पदाधिकारियों की इस बैठक में हर संगठन से जमीनी फीडबैक लिया जाएगा। इसके उपरांत फीडबैक के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार होगी। रिपोर्ट पर चर्चा के बाद महत्वपूर्ण मुद्दों पर समन्वय कायम रखते हुए कैसे आगे बढ़ना है, इसे लेकर निर्णय लिया जाएगा।

चुनाव परिणाम बैठक में बड़ा मुद्दा रहेगा

गौरतलब है कि चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के एक बयान को लेकर संघ के भीतर बेचैनी बढ़ी। नड्डा ने एक इंटरव्यू में जब कहा कि 'आज भाजपा खुद सक्षम है और उसे संघ की जरूरत नहीं है।' तो यह संघ को नागवार गुजरा। माना जाता है कि नड्डा के यह कहने के बाद संघ के कार्यकर्ताओं ने चुनाव में अपनी भागीदारी से मुंह मोड़ लिया और चुनाव नतीजों में इसका असर देखने को मिला। सूत्र बताते हैं कि इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले हो रही समन्वय बैठक में यह मुद्दा चर्चा के बड़े बिंदुओं में रहेगा। संघ प्रमुख मोहन भागवत का नागपुर में हाल ही में दिया संबोधन और उसके बाद रतन शारदा द्वारा ऑर्गनाइजर में लिखे गए लेख से कई मुद्दों पर संघ की राय स्पष्ट हुई। हालांकि बाद में कुछ बातों पर संघ की सफाई भी सामने आई। अब नजरें केरल में होने वाली बैठक पर रहेंगी।

नीतीश की तबीयत बिगड़ी, मेदांता में भर्ती

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अचानक तबीयत बिगड़ने की सूचना है। शनिवार की सुबह सीएम अपने हाथ में दर्द महसूस कर रहे थे। इलाज को लेकर मेदांता अस्पताल पहुंचे। ऑर्थोपेडिक विभाग में जांच की गई। बताया जा रहा है कि सुबह जब वह सो कर उठे तो उनके

हाथ में दर्द हुआ। बता दें कि लोकसभा चुनाव को लेकर सीएम नीतीश के रूटीन इन दिनों काफी व्यस्त हो गई थी। लगातार चुनावी दौरा कर रहे थे। चुनाव परिणाम के बाद दिल्ली में एनडीए की सरकार बनाने को लेकर लगातार पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर रहे थे। इन सब के बीच सीएम नीतीश को ज्यादा आराम नहीं मिला। इस बीच उनकी तबीयत खराब होने की सूचना मिली है।

महंगा होगा एटीएम से पैसा निकालना

नई दिल्ली। एक जुलाई से एटीएम से पैसा निकालना का शुल्क बढ़ सकता है। एटीएम ऑपरेटर ने इंटरचेंज फीस को बढ़ाने की मांग की है।

इंटरचेंज फी वह शुल्क होता है जिसका भुगतान ग्राहक एटीएम से कैश निकालने के वक्त करते हैं। अगर इसके चार्ज को बढ़ा तो एटीएम से कैश निकालने पर ज्यादा शुल्क भुगतान करना पड़ेगा। यह चार्ज धारक पर उस समय लगाया जाएगा जब कोई एटीएम कार्ड धारक महीने में मिलने वाली फ्री लिमिट को क्रॉस कर देगा।

अब मोबाइल पर हर कॉलर का नाम दिखेगा

नई दिल्ली। अब फोन पर अनजान नंबर से कॉल आने पर कॉलर का नाम भी दिखाई देगा।

टेलिकॉम कंपनियों ने मुंबई और हरियाणा सर्किल में ट्रायल शुरू कर दिया है। आने वाले समय में अन्य शहरों में भी ये सर्विस शुरू करने की योजना है। इसका नाम कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन है। इससे स्पैम और फ्रॉड कॉल को रोकने में मदद मिल सकती है। हाल के दिनों में इस तरह के कॉल में बढ़ोतरी देखी गई है। सरकार और ट्राई के दबाव के बाद कंपनियों ने यह टेस्टिंग शुरू की है।

दिन में ही नहीं अब रात में झुलसा रही है दिल्ली की लू

नई दिल्ली। दिल्ली वालों को अब दिन में ही रात के समय भी झुलसा देने वाली गर्म लू की मार सहनी पड़ रही है। रात का न्यूनतम पारा भी बहुत ज्यादा दर्ज हो रहा है। भारतीय मौसम विभाग केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार शनिवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से 6 डिग्री नीचे हुआ। दिल्ली में पड़ रही प्रचंड गर्मी और भीषण लू की चपेट ने लोगों की आफत इस कदर बढ़ा दी है कि घर से निकलना भारी पड़ रहा है। वर्तमान अधिकतम और न्यूनतम पारे गत छह साला का रिकॉर्ड तोड़ रहा है। आईएमडी के अनुसार अभी कई दिन ऐसे ही भीषण गर्मी और लू की मार सहनी पड़ सकती है। आईएमडी के अनुसार दिल्ली में सामान्य तौर पर अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 6 डिग्री ज्यादा है। जबकि दिल्ली में सबसे ज्यादा तापमान आया नगर में 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जबकि रिज एरिया में अधिकतम तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस रहा। आईएमडी का कहना है कि अभी 18 जून तक दिल्ली वालों को भीषण गर्मी व झुलसती लू की मार सहनी पड़ेगी। आईएमडी ने इसके लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। जबकि 19 जून को तापमान में गिरावट शुरू होगी जो अगले कई दिन जारी रह सकती है। संभावना जताई जा रही है कि 20 जून को दिल्ली में हलकी बारिश और तेज हवाएं राहत देने वाली हो सकती है।

दमकल की 10 गाड़ियों ने पाया काबू

वसंत विहार सी ब्लॉक मार्केट में आग से पांच दुकानें खाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

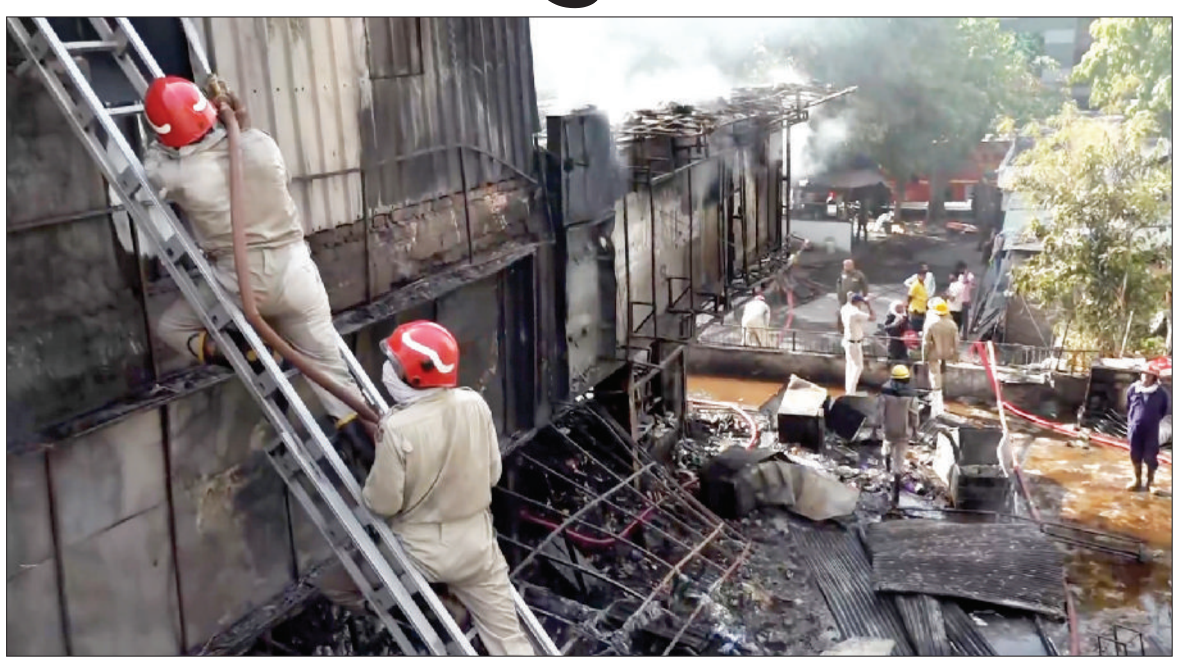

भीषण गर्मी के बीच आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही है। शनिवार तड़के वसंत विहार सी ब्लॉक मार्केट में आग लग गई। चंद मिनटों में आग से पांच दुकानें खाक हो गई। सूचना पर दमकल विभाग की 10 गाड़ियों ने मौके पर पहुंच आग पर काबू पाया। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। आशंका है कि शॉट सर्किट की वजह से आग लगी थी।

दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि सुबह 5 बजकर 9 मिनट पर वसंत विहार सी ब्लॉक मार्किट में आग की सूचना मिली। तुरंत दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची। कई दुकानों में आग लगी थी। कुछ ही देर में दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। आग एक बिल्डिंग में ग्राउंड फ्लोर से लेकर पहली मंजिल पर बनी दुकानों में लगी थी। आग से पांच दुकानें पूरी तरह से खाक हो गई। गनीमत ये रही घटना की चपेट में कोई शख्स नहीं आया। शुरुआती जांच में पता चला कि आग ग्राउंड फ्लोर पर बनी एक दुकान से शुरु हुई थी, जिसने अन्य दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया था।

चांदनी चौक में अब भी रुक रुक कर उठ रहा धुआं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- दमकलकर्मियों का ऑपरेशन कूलिंग शनिवार को भी रहा जारी
- एसी के आउटर में निकली चिंगारी से आग की आशंका

चांदनी चौक के कटरा मारवाड़ी में शनिवार को भी कूलिंग का ऑपरेशन जारी रहा। अभी भी कई जगह रूक रूककर धुआं उठ रहा है। दमकल विभाग की आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर अभी भी मौजूद है। ताकि आग दोबारा भड़के तो उस पर काबू पाया जा सकें। दूसरी तरफ घटना को लेकर कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। पुलिस की शुरुआती छानबीन में पता चला है दूसरी मंजिल पर दुकान में लगे एसी के आउटर डोर में निकली चिंगारी के बाद आग लगी थी। शनिवार को क्राइम और एफएसएल की टीम ने भी घटनासथल पर पहुंच हालात का जायजा लिया।

दमकल विभाग के मुताबिक गुरुवार शाम से शनिवार तक 100 से ज्यादा गाड़ियों का इस्तेमाल आग बुझाने में किया जा चुका है। 10 लाख लीटर पानी आग बुझाने में खर्च हुआ है। पूरी मार्किट में साड़ी, सूट, लहंगे व ड्रेस मैटेरियल का ही काम होता था। ऊपरी सतह पर लगी आग तो बुझ चुकी है, लेकिन तेज गर्मी के कारण पानी सूखते ही आग फिर से धधक उठती है। कूलिंग का काम पूरा होने में अभी भी एक दो दिन लग सकते हैं। नई सड़क ट्रेडर्स वेलफेयर एसासिएशन के अध्यक्ष दीपक महेन्द्रू का कहना है कटरा मारवाडी की अनिल और भगवती मार्किट में आग से करीब 175 दुकानें जली हैं। इनमें अनिल मार्किट की सवा सौ और भगवती मार्किट की 50 दुकानें शामिल हैं। दूसरी तरफ पुलिस ने इस घटना में 120 दुकानों के चपेट में आने की बात कही है। आग बुझाने के दौरान एक दमकल कर्मी भी झुलसा है।

पुरानी दुश्मनी का बदला लेने के लिए की अंधाधुंध फायरिंग, तीन अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- दो बाइक सवार समेत चार को लगी थी गोली

वेलकम इलाके में 13 जून की रात अंधाधुंध फायरिंग में चार लोगों को घायल करने वाले तीन आरोपियों को उत्तर पूर्वी जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया हैं। इनके नाम वेलकम निवासी फैजान, जाफराबाद निवासी मोहसिन और लोनी यूपी निवासी जुनैद हैं। पूछताछ में पता चला कि यह वारदात पुरानी दुश्मनी का बदला लेने के इरादे से की गई थी। एक आरोपी के ऊपर 34 मुकदमें दर्ज मिले हैं।

डीसीपी जॉय टिर्की के अनुसार कुछ लड़कों ने वसीम और आसिफ के ऊपर शैतान चौक पर उस वक्त फायरिंग की थी जब वे बाइक से जा रहे थे। फायरिंग की इस घटना में फुटपाथ पर सो रहे शरीफ और सुल्तान भी गोली लगने से जख्मी हो गए थे। बाद में सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली। वसीम के आपराधिक प्रवृति का होने की वजह से रंजिश के एंगल से जांच की गई और फिर आरोपियों का पता चलने पर उन्हें दबोच लिया गया। हमलावरों ने पूछताछ में खुलासा किया कि उनका एक सहयोगी वसीम को मारना चाहता था। जुनैद को उसे वेलकम इलाके में लाने का काम दिया गया था। जैसे ही वह मौके पर पहुंचा तभी पहले से घात लगाए अन्य आरोपियों ने वसीम और उसके दोस्त पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी थी।

नाबालिगों के जरिए लेता था चोरी के वाहनों की डिलीवरी, पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- हर डिलीवरी के बदले नाबालिग को दिये जाते थे 500 रुपए

क्राइम ब्रांच ने चोरी के वाहन खरीदने वाले एक शख्स को गिरफ्तार किया है। आरोपी जितेन्द्र उर्फ जीतू (28) मोहन गार्डन का रहने वाला है। इसके पास से चोरी के 10 वाहन बरामद किए हैं। आरोपी नाबालिगों के जरिये चोरी के वाहनों की डिलीवरी लेता था। हर डिलीवरी के बदले नाबालिग को 500 रुपये दिये जाते थे।

पुलिस के अनुसार इंस्पेक्टर विजय पाल दहिया की टीम को जीतू के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद उत्तम नगर टर्मिनल के पास ट्रैप लगाया गया। वहां खड़ी एक बाइक को लेने जैसे ही आरोपी पहुंचा उसे पकड़ लिया गया। यह बाइक बिंदापुर इलाके से चोरी की मिली। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह चोरी की बाक का रिसीवर है। उसने यह बाइक प्रिंस नाम के एक व्यक्ति से खरीदी थी। वह नोएडा में रहता है। उसने बताया कि इस धंधे में नाबालिगों की मदद ली जाती थी। उनके जरिए चोरी के वाहनों की डिलीवरी लेता था, इसके बदले वह प्रति डिलीवरी उन्हें 500 रुपए देता था। अभी तक वह चोरी की 20 मोटर साइकिलें खरीद चुका था। आरोपी जितेन्द्र हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट के दो केस में भी शामिल रहा है।

दो करोड़ की रंगदारी और फायरिंग के प्रयास मामले में तीन शूटर दबोचे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

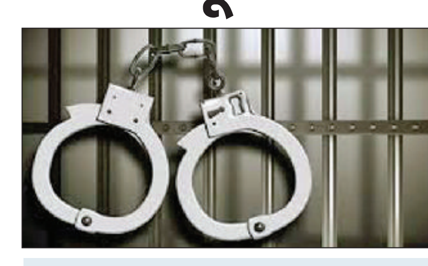

- स्पेशल सेल की कार्रवाई, संपत नेहरा गैंग से है शूटरों का संबंध
- नरेला में सामने आया था केस

स्पेशल सेल ने संपत नेहरा गिरोह के तीन शूटरों को पकड़ा हैं। इनमें एक नाबालिग भी शामिल है। बदमाशों के पास से से .32 बोर की दो पिस्टल और नौ कारतूस बरामद हुए। गत दिनों नरेला के बिजनेसमैन से दो करोड़ की रंगदारी व फायरिंग के प्रयास मामले में ये बदमाश वांछित थे। गिरफ्त में आये दो बदमाशों के नाम झज्जर, हरियाणा निवासी सुमित और रोहित है।

डीसीपी प्रतीक्षा गोदरा के अनुसार चार जून को नरेला थाने में एक मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता का कहना था कि वह अपने पीएसओ के साथ ऑफिस में मौजूद थे। शाम करीब साढ़े छह बजे एक लड़का ऑफिस के सामने पिस्टल से निशाना साधते और गोली चलाने का प्रयास करते दिखा। उनके शोर मचाने पर वह अपने साथी के साथ स्कूटी से बवाना की ओर फरार हो गया। इससे पहले दो जून को उनके पास एक अंतराष्ट्रीय नंबर से वाट्सएप कॉल आया था, जिसमें दो करोड़ की रंगदारी मांगी गई थी। डिमांड पूरी नहीं होने पर अंजाम भुगतने की धमकी भी दी गई थी। हाल ही में सेल की टीम को इनपूट मिला कि आरोपी शाहबाद डेयरी इलाके में छिपे हैं। एक टीम ने शाहबाद डेयरी में जाल बिछाया और रात करीब नौ बजे दो युवकों को घेर सरेंडर करने की हिदायत दी गई। एक युवक ने पिस्टल निकाल लोड करने का प्रयास किया तभी उसे सहयोगी के साथ दबोच लिया गया। बाद में एक आरोपी का नाम सुमित पता चला। दूसरा किशोर था। इनकी निशानदेही पर तीसरे आरोपी रोहित को भी अरेस्ट कर लिया गया। सुमित गुलिया एमडी यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा है। वह अपने ही गांव के रोहित उर्फ जोशी के माध्यम से कपिल मान और संपत नेहरा के संपर्क में आया था। कपिल मान के निर्देश पर उसने किशोर के साथ मिलकर नरेला के व्यापारी के कार्यालय पर रंगदारी के लिए गोलीबारी करने का प्रयास किया था। रोहित ने 9वीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी और गलत संगत में पड़ बदमाशी करने लगा था।

निर्माण कार्य के चलते डीएमआरसी ने येलो लाइन पर किया अस्थाई मेट्रो परिचालन में मामूली बदलाव

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने चरण-4 के तहत जनकपुरी पश्चिम से आर.के. आश्रम कॉरिडोर के 490 मीटर खंड पर चल रहे कार्यों के चलते येलो लाइन पर मेट्रो परिचालन समय में अस्थाई मामूली बदलाव किए है। डीएमआरसी के अनुसार समयपुर बादली - मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम के तहत 16-17 जून 2024 को अंतिम और पहली ट्रेन के समय में मामूली बदलाव होगा। रविवार 16 जून 2024 को अंतिम ट्रेन समयपुर बादली से मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम के लिए रात 11 बजे के बजाय रात 10:45 बजे रवाना होगी। इसी प्रकार मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम से समयपुर बादली के लिए अंतिम ट्रेन रात 11 बजे के बजाय रात 9:30 बजे रवाना होगी। जबकि सोमवार 17 जून, 2024 को समयपुर बादली से मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम के लिए पहली ट्रेन सेवा सुबह 6 बजे के बजाय सुबह 7 बजे शुरू होगी।

ऑपरेशन थियेटर से मरीज को लौटाया वापिस

- मरीज ने मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री से लगाई इलाज की गुहार

नई दिल्ली। दिल्ली में विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के दावे करने वाली दिल्ली सरकार के अस्पतालों में चोटिल मरीजों का इलाज करने के लिए सामान नहीं मिल पा रहे हैं जिसके चलते उन्हें ऑपरेशन थियेटर से ही वापस लौटा दिया जाता है। ताजा मामला रोहिणी स्थित डॉ बाबा साहेब अम्बेडकर अस्पताल से सामने आया है। यहां से लौटाए गए मरीज हरीश ने बताया कि वह आर्थिक रूप से बहुत कमजोर है और प्राइवेट अस्पताल में इलाज करवाने में असमर्थ है। उन्होंने बताया कि पैर के इलाज के लिए अम्बेडकर अस्पताल में काफी चक्कर काटने के बाद ऑपरेशन के लिए 8 जून शनिवार को दाखिल हुआ था लेकिन मंगलवार को अस्पताल से डॉक्टरों ने यह कहकर वापिस लौटा दिया कि पैर के ऑपरेशन में लगने वाला इंप्लांट अस्पताल में मौजूद नहीं है और ऑपरेशन किसी अन्य जगह से करवाने की सलाह देकर डिस्चार्ज कर दिया गया। इससे दुखी होकर पीड़ित मरीज ने दिल्ली के मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री सहित अस्पताल एमएस को लिखित में शिकायत देकर इलाज की गुहार लगाई है ताकि पैर खराब होने से बच जाए।

बिजली, पानी, स्वास्थ्य, सड़कें, सफाई सबकुछ हो चुका है चौपट : बिधूड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली में बिजली, पानी, स्वास्थ्य, सड़कें, सफाई सबकुछ चौपट हो चुका है। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद और दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शनिवार को दिल्ली सरकार को घेरते हुए यह आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि दिल्ली में सभी सीटों पर हारने और विधानसभा चुनाव सिर पर होने के कारण अब आम आदमी पार्टी सरकार को विकास की चिंता सताने लगी है। प्रतिदिन सफेद झूठ बोलने का रिकॉर्ड स्थापित करने वाली दिल्ली की मंत्री आतिशी अब यह दावा कर रही हैं कि अब दोगुनी रफ्तार से विकास का काम होगा। बिधूड़ी ने कहा कि आचार संहिता तो सिर्फ दो महीने के लिए ही लगी थी लेकिन दिल्ली आप सरकार ने तो पिछले 10 सालों में घोटालों के अलावा और कुछ कार्य नहीं किया। दिल्ली की जनता बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रही है क्योंकि न तो पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कोई कार्य किया गया और न ही वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाने के लिए। दिल्ली सरकार पड़ोसी राज्यों से अतिरिक्त पानी मांग रही है लेकिन पानी को संशोधित करने के लिए प्लांट ही मौजूद नहीं हैं।

दिल्ली नगर निगम के विद्यालयों में पढ़ने वाले 89 प्रतिशत छात्रों के बैंक खाते खुले

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम अपने विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों को हर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में कार्य करते हुए दिल्ली नगर निगम के शिक्षा विभाग ने अपने विद्यालयों में पढ़ने वाले 89 प्रतिशत छात्रों के बैंक खाते खुलवाने में सफलता प्राप्त कर ली है। दिल्ली नगर निगम प्रशासन ने शनिवार को यह दावा करते हुए बताया कि निगम के विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों के बैंक खाते खुलने के चलते विभिन्न मदों में छात्रों को प्रदान करने वाली डीबीटी राशि सीधे छात्रों के खातों में भेजना सुगम हो जायेगा एवं अधिक से अधिक छात्र इन सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। दिल्ली नगर निगम छात्रों के बैंक खाते खुलवाने के लिए सतत प्रयास कर रहा है और अपेक्षा करता है कि गर्मियों की छुट्टियों खत्म होने के बाद विद्यालय खुलने के साथ ही निगम विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों के शत प्रतिशत बैंक खाते खुलवा लिए जायेंगे।

सुनीता केजरीवाल अदालती कार्यवाही का वीडियो सोशल मीडिया मंच से हटाएः हाईकोर्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को आबकारी नीति मामले से संबंधित अदालती कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग विभिन्न सोशल मीडिया मंचों से हटाने का शनिवार को निर्देश जारी किया। वीडियो में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल एक अधीनस्थ अदालत में अपनी बात रखते नजर आ रहे हैं। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा और न्यायमूर्ति अमित शर्मा की खंडपीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाने वाली याचिका पर सुनीता केजरीवाल समेत छह लोगों और सोशल मीडिया मंच 'एक्स', 'मेटा' और 'यूट्यूब' को नोटिस जारी किए हैं। हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया मंचों को यह भी निर्देश दिया कि यदि उनके संज्ञान में आता है कि ऐसी ही सामग्री दोबारा पोस्ट की गई है तो वे उसे भी हटा दें। अदालत ने मामले में एकपक्षीय अंतरिम आदेश जारी करते हुए अगली सुनवाई के लिए नौ जुलाई की तारीख निर्धारित की। पीठ ने कहा कि आदेश की सूचना उन्हें 48 घंटे के भीतर दी जानी चाहिए। सूचना सामान्य और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भी दी जानी चाहिए। हाईकोर्ट अधिवक्ता वैभव सिंह की याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

सिंह ने अपनी याचिका में दावा किया कि दिल्ली आबकारी नीति मामले में गिरफ्तारी के बाद जब अरविंद केजरीवाल को 28 मार्च को एक अधीनस्थ अदालत में पेश किया गया तो उन्होंने अदालत के समक्ष व्यक्तिगत रूप से अपनी बात रखने का विकल्प चुना और कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट की गई, जो अदालतों से संबंधित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए दिल्ली हाईकोर्टनियम, 2021 के तहत प्रतिबंधित है। नियमों के अनुसार, किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा कार्यवाही की अनधिकृत रिकॉर्डिंग नहीं की जाएगी। कथित तौर पर यह वीडियो सुनीता केजरीवाल और अन्य लोगों द्वारा दोबारा पोस्ट किया गया था।

सुनवाई के दौरान सोशल मीडिया मंच 'मेटा' की ओर से पेश अधिवक्ता ने दलील दी कि अगर पोस्ट करने वाला व्यक्ति इसे हटा लेता है तो उनके मुवक्किल के लिए कुछ नहीं बचता। उन्होंने कहा कि हालांकि, अगर वे इसे नहीं हटाते हैं तो हम अदालत के आदेश के अनुसार इसे हटा देंगे।

इस पर अदालत ने कहा कि जब भी सोशल मीडिया मंच के संज्ञान में यह बात लाई जाती है कि इस तरह की सामग्री को दोबारा पोस्ट किया गया है, तो उन्हें हटा दिया जाएगा। जनहित याचिका में याचिकाकर्ता ने अदालती कार्यवाही की ऑडियो तथा वीडियो रिकॉर्डिंग करने और उसे साझा करने तथा अधीनस्थ अदालत के न्यायाधीश की सुरक्षा को खतरे में डालने की कथित साजिश के खिलाफ जांच करने एवं प्राथमिकी दर्ज करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का अनुरोध किया। याचिका में कहा कि विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों समेत आम आदमी पार्टी के कई सदस्यों ने इरादतन और जानबूझकर अदालती कार्यवाही को बदनाम करने और उसे गलत तरीके से पेश करने के इरादे से इसकी ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग की तथा उसे सोशल मीडिया मंचों पर प्रसारित/प्रकाशित किया। याचिका में अदालत की कार्यवाही की ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग करने और साझा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान करने के खातिर गहन जांच करने के निर्देश देने का भी आग्रह किया गया। अरविंद केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और उन्हें न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में रखा गया है।

आम आदमी पार्टी ने कोर्ट व्यवस्था पर किया था कुठाराघात : कमलजीत

नई दिल्ली। 28 मार्च को कोर्ट में अरविंद केजरीवाल द्वारा राजनीतिक ब्यानबाजी करके रिकॉर्ड करवाके दिखाना आम आदमी पार्टी की सोची समझी साजिश थी और यह कोर्ट व्यवस्था पर कुठाराघात था। पश्चिमी दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत एवं मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने शनिवार को प्रेस वार्ता के दौरान इस मामले पर भाजपा का पक्ष रखा और प्रवक्ता अधिवक्ता अमित तिवारी ने इस मामले में कानूनी पक्ष रखा। कमलजीत सहरावत ने बताया कि दिल्ली हाई कोर्ट ने एक जनहित याचिका में 28 मार्च 2024 को केजरीवाल की पार्टी एवं विधायकों द्वारा अवैध रूप से बनाई गई न्यायालय की वीडियो और ऑडियो को हटाने का निर्देश सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को दिया गया है। उन्होंने बताया कि न्यायालय की कार्यवाही को रिकॉर्ड करना प्रतिबंधित है। कमलजीत सहरावत ने कहा कि 21 मार्च 2024 को केजरीवाल गिरफ्तार हुए थे फिर से जनता को गुमराह करने के लिए 28 मार्च 2024 को जब उनको न्यायालय के समक्ष पेश किया गया तब फिर उन्होंने झूठे बयान दिए जिसे उनकी पत्नी और उनके मंत्री, विधायकों ने अवैध रूप से न्यायालय की कार्यवाही का वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर शेयर करके जनता को गुमराह करने की कोशिश की। वहीं, प्रवीण शंकर ने कहा कि पूरी की पूरी आम आदमी पार्टी मार्क्सवादी सोच से पोषित है और ऐसे लोग ना कोर्ट का सम्मान करते हैं ना शासन प्रशासन का।

एलजी ने संजय वन और महरौली के पुरातात्विक पार्क का दौरा किया

नई दिल्ली। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दक्षिणी दिल्ली स्थित संजय वन व महरौली पुरातात्विक पार्क का दौरा किया। इस मौके पर एलजी के अलावा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारी भी मौजूद थे। एलजी ने इस अवसर पर अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के बाद उन्हें जरूरी दिशा निर्देश भी जारी किए। प्राप्त जानकारी अनुसार इस अवसर पर अधिकारियों ने एलजी को वर्तमान में चल रहे विकास कार्यों व सौंदर्यीकरण आदि के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। अधिकारियों ने एलजी को भरोसा दिया कि उनके दिशा निर्देश के अनुसार सभी कार्य किए जा रहे है और समय से पूरा किया जाएगा। यहां चल रहे विकास कार्यों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए जगह बनाई जा रही है।

अभियुक्त व्यक्तिय की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विनोद पुत्र स्वर्गीय धीरज सिंह, पताः मकान नं. 62, निकट पंचायत घर, ओल्ड मौजपुर, दिल्ली** ने **एफआईआर सं. 327/2000 धारा 147/148/149/186/353/332/427/34 आईपीएस के तहत थानाः भजनपुरा, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **विनोद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **विनोद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर सं. 327/2000 धारा 147/148/149/186/353/332/427/34 आईपीएस के तहत थानाः भजनपुरा, दिल्ली के उक्त विनोद** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.07.2024** को या इससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
पंकज राय
महानगर दण्डाधिकारी—01
कमरा नं. 73, उ.प्र. जिला
कडकडडूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/7445/NE/2024

हरिभूमि

नई दिल्ली, रविवार, 16 जून, 2024

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

हरियाणाः 'सीएम फेस' का रिस्क नहीं लेगी कांग्रेस, जाट-दलित गठजोड़ बड़ी वजह

कुमारी सैलजा की अनदेखी हुई तो कांग्रेस से झटक सकता है दलित वोट

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस किसी नेता को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर चुनाव नहीं लड़ेगी। दिल्ली में कांग्रेस हाईकमान से जुड़े सूत्रों का कहना है कि हालिया लोकसभा चुनाव के दौरान प्रदेश में जाट दलित गठजोड़ के समीकरणों ने पार्टी की झोली में पांच सीटें डालने में अहम भूमिका अदा की है, ऐसे में भूपेंद्र हुड्डा को सीएम फेस बनाया गया तो यह गठजोड़ कमजोर पड़ सकता है।

कुमारी सैलजा भी हुड्डा के समांतर ही मुख्यमंत्री पद पर अपना दावा करती रहीं हैं, ऐसे में हुड्डा को तरजीह देने से दलित मतदाता कांग्रेस का हाथ छिटक सकता है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करने का दावा कर रहे कांग्रेस नेताओं में अंदरखाने की राजनीति धीरे-धीरे तेज होती जा रही है। लोकसभा चुनाव के नतीजों से उत्साहित कांग्रेस मान रही है कि मंद-मंद ही सही पर जल्द होने वाले विधानसभा चुनाव की हवा उनके पक्ष में बहना शुरू हो चुकी है। हुड्डा खेमे ने रोहतक, हिसार, सोनीपत और अंबाला लोकसभा सीट जीती हैं, लिहाजा उनकी कोशिश है कि कांग्रेस हाईकमान भूपेंद्र हुड्डा को सीएम फेस बनाकर विधानसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ ताल ठोंके। उधर, सिरसा सीट पर बड़ी जीत के बाद उत्साहित सैलजा किसी भी सूरत में हुड्डा को खुला मैदान नहीं देने चाहती है।

प्रदेश की बड़ी दलित नेता जानती हैं कि इस बार मुख्यमंत्री पद पर उनका दांव लग सकता है। वे हाईकमान के सामने सीएम फेस बनने का अपना दावा तो रख ही रहीं हैं साथ ही ये भी समझा रही हैं कि अगर दलितों की अनदेखी हुई तो विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के समीप खड़ी दिखाई दे रही जीत भाजपा की तरफ सरक सकती है। दिल्ली में कांग्रेस के रणनीतिकार इस बात से इंकार नहीं करते कि लोकसभा चुनाव में अपने खेमे के चार उम्मीदवारों को जीतवाकर भूपेंद्र हुड्डा अपना कद बढ़ाने में कामयाब रहे हैं पर वे इस बात से भी वाकिफ हैं कि कुमारी सैलजा की अनदेखी से चुनाव में नुकसान हो सकता है।

भाजपा- कांग्रेस में सीधी टक्कर से लड़ाई होगी रोचक

लोकसभा चुनाव में जननायक जनता पार्टी और इंडियन नेशनल लोकदल के चारों खाने चित होने के बाद अब यह लगभग तय है कि दो-चार को छोड़ दें तो लगभग सभी विधानसभा सीटों पर भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर होने वाली है। अगर ऐसा होता है तो विपक्षी दलों के वोट उतनी बड़ी तादाद में नहीं बंट पायेंगे जिससे भाजपा को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष फायदा हो जाए। 2019 के पिछले विधानसभा चुनाव में जजपा एक बड़ा फैक्टर बनकर सामने आई थी, इस नई पार्टी ने 14.9 फीसद वोट के बल पर 10 सीटें जीतकर चौंका दिया था पर हालिया लोकसभा चुनाव ने दुष्यंत चौटाला की सियासी कमर तोड़कर रख दी है। जजपा तो एक फीसद वोट भी नहीं हासिल कर पायी। आइएनएलडी को भी मात्र 1.74 फीसद वोट मिल पाए हैं। ऐसे में लगभग तय है कि अबकी बार भाजपा और कांग्रेस में सीधी टक्कर होगी। अगर ऐसा हुआ तो सत्ताविरोधी लहर और लोकसभा चुनाव में कमजोर प्रदर्शन भाजपा के लिए खतरा बन सकता है। वोट फीसद के फेरबदल ने बढ़ाई भाजपा की चिंता2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 36.7 फीसद वोट पाकर 40 सीटें जीती थी। कांग्रेस ने 28.2 फीसद वोट लेकर 30 सीटें हासिल की थी। जजपा ने 14.9 फीसद वोट पाकर 10 सीटें झटकी थी। बाकी सीटें अन्य के खाते में गई थी। लेकिन हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 43.67 फीसद वोट हासिल कर भाजपा की चिंता बढ़ा दी है। भाजपा ने भले ही 46.11 फीसद वोट पाया वो पर विपक्ष के अन्य दलों जजपा 0.87 फीसद और आइएनएलडी 1.74 फीसद ने बहुत कमजोर प्रदर्शन कर कांग्रेस की हैसियत में बड़ा इजाफा कर दिया है।2019 में इन सीटों पर बहुत कम रहा था जीत-हार का अंतरपिछले विधानसभा चुनाव में खरखौदा, गोहाना, सफीदों, रतिया,रोहतक,रिवाड़ी, नंहू, हथीन, होडल, फरीदाबाद एनआइटी, राई, असंद, इंद्री, कैथल, गुहला, पेहवा, थानेसर, रादौर, यमुनानगर, मुलाना, पंचकूला और बड़खल जैसी सीटों पर जीत का अंतर बहुत ही कम रहा था।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

यलो लाइन पर मेट्रो के समय में मामूली बदलाव

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की 'यलो लाइन' के चौथे चरण के जनकपुरी पश्चिम से आरके आश्रम गलियारे पर 490 मीटर खंड पर चल रहे निर्माण कार्य के मद्देनजर रविवार और सोमवार को क्रमशः अंतिम और पहली ट्रेन के समय में कुछ बदलाव होंगे। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के मुख्य कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने यह बताया।

पीएम मोदी 19 जून को बिहार पहुंचेंगे

राजगीर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह बिहार पहुंचकर वहां स्थित नालंदा विश्वविद्यालय के परिसर का उद्घाटन करेंगे। वे यहां करीब डेढ़ घंटा रहेंगे। राज्य सरकार और केंद्रीय विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने 19 जून को पीएम की यात्रा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए यहां एक बैठक की।

अगरतला और बराक घाटी जाने वाली ट्रेनें रद्द

गुवाहाटी। भारी बारिश के कारण त्रिपुरा और असम की बराक घाटी को जोड़ने वाली पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे की आठ ट्रेन दो दिनों के लिए रद्द कर दी गई हैं। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के प्रवक्ता ने कहा कि भारी बारिश और लुमडिंग-बदरपुर पहाड़ी खंड में मौसम विभाग के अलर्ट के बाद आठ ट्रेन को रद्द किया जा रहा है।

जी-7 शिखर सम्मेलन के बाद स्वदेश पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी

बोले, उपयोगी रही इटली की यात्रा, जहां दुनिया के सामने रखा भारत का दृष्टिकोण

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को इटली की अपनी आधिकारिक यात्रा को पूरा कर नई दिल्ली लौटे। इसके बाद उन्होंने कहा कि जी-7 जैसे महत्वपूर्ण सम्मेलन को लेकर की गई उनकी यह यात्रा उपयोगी रही। जिसमें उन्होंने दुनिया के सामने भारत के दृष्टिकोण को रखा। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने यह जानकारी दी। उन्होंने विश्व नेताओं के साथ कई विषयों पर हुई चर्चाओं का भी उल्लेख किया। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक समुदाय को लाभ प्रदान करने वाले प्रभावकारी समाधानों के निर्माण को लेकर साझा प्रतिबद्धता जाहिर की। जिससे भावी पीढ़ियों के लिए एक बेहतर दुनिया बनाई जा सकेगी।

दुनिया को साफ किया भारत का रुख

विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम मोदी की इस यात्रा में जी-7 के मंच पर कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय विषयों पर सार्थक संवाद किया गया और सम्मेलन में शामिल देशों के साथ भारत की भागीदारी भी गहरी हुई है। इटली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी समकक्ष और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा, फ्रांस के राष्ट्रपति ईमैनुएल मैक्रों और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्डोमीर जेलेंस्की के साथ द्विपक्षीय बैठकें की। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और ईसाइयों के शीर्ष धर्मगुरु पोप फ्रांसिस से भी प्रधानमंत्री मोदी मिले। इसके अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति जो.बाइडन, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ भी उनकी संक्षिप्त मुलाकातें हुईं।

जी-7 से इतर अमेरिका और कनाडा के राष्ट्राध्यक्षों से मिले प्रधानमंत्री मोदी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

इटली के अपूलिया में आयोजित किए गए जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका और कनाडा के राष्ट्राध्यक्षों के साथ संक्षिप्त मुलाकातें हुईं।

इसकी जानकारी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका लगातार एकजुटता से वैश्विक भलाई के लिए काम कर रहे हैं। राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ मुलाकात हमेशा ही खुशी की बात रही है। मालूम हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ यह मुलाकात करीब सात महीने पहले वाशिंगटन द्वारा भारत पर सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय के शामिल होने के आरोप लगाने के बाद पहली बार इटली में हुई। अमेरिकी आरोपों की जांच के लिए भारत ने हालांकि एक उच्च स्तरीय जांच दल का गठन किया है।

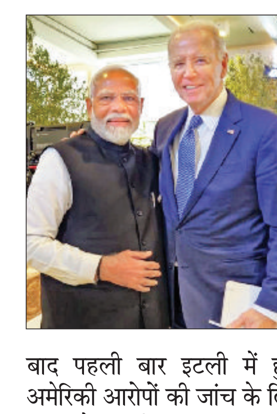

चरमपंथियों के खिलाफ हो सख्त कार्रवाईः भारत

सोशल मीडिया मंच पर एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर कनाडा के प्रधानमंत्री ▶▶ शेष पेज 7 पर

भाजपा ने पश्चिम बंगाल में हो रही राजनैतिक हिंसा पर गठित की जांच समिति

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के बाद हो रही राजनीतिक हिंसा का जायजा लेने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद बिप्लब कुमार देब के नेतृत्व में चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति रविवार शाम तक कोलकता पहुंच जाएगी और वहां हो रही हिंसा की घटनाओं की जांच कर रिपोर्ट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को सौंपेगी।

इस संबंध में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह द्वारा पत्र भी जारी किया गया है। इस चार सदस्यीय समिति में पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद, राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी बृजलाल और सांसद कविता पाटीदार को शामिल किया गया है। सांसद एवं त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब को समिति का संयोजक बनाया गया है। बिप्लब देब रविवार शाम को कोलकता पहुंच जाएंगे।

समिति के गठन के साथ ही भाजपा ने पश्चिम बंगाल में हो रही राजनीति हिंसा के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। भाजपा ने कहा कि पश्चिम बंगाल को छोड़कर ▶▶ शेष पेज 7 पर

संसद भवन परिसर में आज प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करेंगे उपराष्ट्रपति

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति एवं राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ आज रविवार को संसद भवन परिसर में प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करेंगे। संसद भवन परिसर के अंदर हमारे देश के महापुरुषों एवं महान स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाएं स्थापित हैं। उनका हमारे देश के इतिहास में, हमारी संस्कृति में, हमारे स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ये प्रतिमाएं परिसर में अलग अलग स्थानों पर स्थित थीं जिससे आगंतुकों को इनके दर्शन करने में कठिनाई होती थी। इसलिए संसद भवन परिसर के अंदर इन प्रतिमाओं को एक ही स्थान पर स्थापित करने के उद्देश्य से प्रेरणा स्थल का निर्माण किया गया है ताकि संसद भवन परिसर में आने वाले विशिष्ट व्यक्ति एवं अन्य आगंतुक इन प्रतिमाओं का एक निश्चित स्थान अर्थात प्रेरणा स्थल पर सुविधाजनक रूप से दर्शन कर सकें, उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दे सकें। उन प्रतिमाओं के समीप नयी टेक्नोलॉजी के माध्यम से उन महापुरुषों की जीवनगाथा, उनके सन्देश को भी आगंतुकों के लिए उपलब्ध कराने की कार्य योजना बनायी गयी है ताकि सभी को उनके जीवन दर्शन से प्रेरणा मिले।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दी जानकारी

प्रधानमंत्री मोदी 18 जून को वाराणसी से पीएम-किसान योजना के तहत 20 हजार करोड़ रुपए की 17वीं किस्त करेंगे जारी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर के किसानों के लिए पीएम किसान योजना की 17वीं किस्त के 20 हजार करोड़ रुपए जारी करने तथा कृषि सखियों के रूप में 30 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों को प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए आगामी 18 जून को वाराणसी का दौरा करेंगे। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को एक प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी।

वाराणसी में यह कार्यक्रम केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहेंगे।

प्रेस वार्ता के दौरान चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव है। आज भी रोजगार के सबसे ज्यादा अवसर कृषि के माध्यम से ही सृजित होते हैं। उन्होंने कहा कि आज किसान देश के अन्न के भंडार भर रहा है। उन्होंने कहा कि पहले भी कृषि और किसान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है जिसके चलते किसानों के कल्याण के लिए अनेकों कदम उठाए गये और अभी भी प्रधानमंत्री ने पद ग्रहण करने के बाद सबसे पहले किसान सम्मान निधि की 17वीं किश्त किसानों को जारी करने को लेकर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों के पंजीकरण और सत्यापन में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखते हुए, भारत सरकार ने देश भर में अब तक लगभग 11 करोड़ से अधिक किसानों को 3.04 लाख करोड़ रुपए से अधिक का वितरण किया है और इस रिलीज के साथ ही, योजना की शुरुआत से लाभार्थियों को हस्तांतरित कुल राशि 3.24 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो जाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 18 जून को अन्नदाताओं की खुशहाली के साथ विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि का श्री गणेश होने जा रहा है। क्योंकि इस दिन कई केंद्रीय मंत्री किसानों से बातचीत करने और उनमें विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 50 केवीके का दौरा करेंगे और वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़ेंगे। उन्होंने कहा कि देश भर से लगभग 2.5 करोड़ किसान इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। किसानों में जागरूकता पैदा करने के लिए देश भर से 732 कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), एक लाख से अधिक प्राथमिक कृषि सहकारी समितियाँ और 5 लाख कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) भी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे।

शहर में बढ़ते प्रदूषण की रोकथाम के लिए लगातार किए जा रहे हैं प्रयास

नगर निगम को वायु गुणवत्ता सुधार के लिए 17 करोड़ रुपए मिले

नगर निगम को वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए 17 करोड़ रुपये मिले हैं। यह रकम किन कार्यों पर खर्च होगी, इसकी योजना तैयार की जा रही है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद।

नगर निगम को वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए 17 करोड़ रुपए मिले हैं। यह रकम किन कार्यों पर खर्च होगी, इसकी योजना तैयार की जा रही है। उम्मीद है कि सड़कों के निर्माण और हरित पट्टी विकसित करने पर ज्यादा रकम खर्च होगी।

शहर में बढ़ते प्रदूषण की रोकथाम के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए नगर निगम लगातार काम कर रहा है। प्रमुख सड़कों पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जा रहा है। औद्योगिक क्षेत्र की कई सड़कों का निर्माण कराया गया। वहां पर सड़कें बनने के बाद धूल उड़ना बंद हो गई है। साथ ही हरित पट्टी विकसित कराई जा रही हैं। कूड़ा उठान से लेकर निस्तारण किया जा रहा है।

कूड़े में आग लगाने वालों पर भी की जा रही सख्ती

कूड़े में आग लगाने वालों पर भी सख्ती की जा रही है। हालांकि, अब तक प्रदूषण में मामूली सुधार ही हो सका है। इसी क्रम में केंद्र सरकार से निगम को वायु गुणवत्ता सुधार के लिए 17 करोड़ रुपए जारी हुए हैं। निगम को यह रकम केवल प्रदूषण कम करने पर ही खर्च करनी है। निगम की तरफ से कार्य कराने के लिए योजना तैयार की जा रही है। धूल न उड़ इसके लिए बदहाल सड़कों पर ज्यादा काम होगा। इसके अलावा हरित पट्टी विकसित कराई जाएगी। सड़कों के किनारे पौधे लगाए जाएंगे।

कूड़े में आग लगाने वालों पर भी की जा रही सख्ती

कूड़े में आग लगाने वालों पर भी सख्ती की जा रही है। हालांकि, अब तक प्रदूषण में मामूली सुधार ही हो सका है। इसी क्रम में केंद्र सरकार से निगम को वायु गुणवत्ता सुधार के लिए 17 करोड़ रुपए जारी हुए हैं। निगम को यह रकम केवल प्रदूषण कम करने पर ही खर्च करनी है। निगम की तरफ से कार्य कराने के लिए योजना तैयार की जा रही है। धूल न उड़ इसके लिए बदहाल सड़कों पर ज्यादा काम होगा। इसके अलावा हरित पट्टी विकसित कराई जाएगी। सड़कों के किनारे पौधे लगाए जाएंगे।

वायु गुणवत्ता सुधार में गाजियाबाद भारत में चौथे स्थान पर

पिछले माह केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पोर्टल के तिमाही रिपोर्ट में गाजियाबाद को भारत में चौथे स्थान पर और उत्तर प्रदेश में दूसरे स्थान पर दर्शाया जा रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि शहर को धूल मुक्त बनाने के लिए सड़कों पर सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि शहर को धूल मुक्त बनाने के लिए सड़कों पर सुधार कराया गया है। औद्योगिक क्षेत्र में एनवायरमेंट प्रोटेक्शन फंड से ज्यादातर कार्य कराए गए हैं।औद्योगिक क्षेत्र की सड़कों पर सुधार के लिए 20 करोड़ रुपए खर्च किए गए। इससे धूल उड़नी बंद हो गई है। उन्होंने बताया कि एयर क्वालिटी इंडेक्स के तहत भी 10 करोड़ के कार्य कराए है।

खबर संक्षेप

सिंगला मेनिफेस्टो कमेटी के सदस्य नियुक्त

फरीदाबाद। लोकसभा चुनावों में हरियाणा की 5 सीटों पर अप्रत्याशित जीत हासिल करने के बाद कांग्रेस हाईकमान विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुट गई है। इसी कड़ी में लखन कुमार सिंगला को कांग्रेस मेनिफेस्टो कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया है। इस बड़ी जिम्मेदारी मिलने पर सिंगला ने प्रदेश के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा सहित कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया।

फाइनेंस की गाड़ी बेचकर फ्रॉड करने वाला काबू

फरीदाबाद। अपराध शाखा ऊंचा गांव की टीम ने फाइनेंस की गाड़ी बेचकर फ्रॉड के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अश्वनी सेक्टर-41-42 अमर नगर फरीदाबाद का रहने वाला है। आरोपी को अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से नोएडा से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ रेनुबाला ने एक शिकायत थाना शहर बल्लभगढ़ में दी थी।

डेबिट कार्ड बदल लगाई 26 हजार की चपत

गुरुग्राम। शहर थाना क्षेत्र में डेबिट कार्ड बदल दो युवकों ने एक महिला को 25 हजार 986 रुपए की चपत लगा दी। महिला अपने बच्चे की किताब खरीदने के लिए सदर बाजार आई थी। पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी है। लक्ष्मी ने कहा कि सदर बाजार आई थी। उसने एटीएम बूथ से रुपए निकाले। इस दौरान वहां दो युवक और खड़े थे।

फैक्ट्रियों में आग, फायर बिग्रेड की 10 गाड़ियां मौजूद

गाजियाबाद। ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र में पैकेजिंग फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग आसपास की दोनों फैक्ट्रियोंतक पहुंच गई। पॉलीथिन समेत अन्य सामग्री में आग तेजी से फैल गई। सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। अग्निशमनकर्मी 10 गाड़ियों की मदद से आग बुझाने में जुटी है।

520 ग्राम गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने नशे की तस्करी करने वाले आरोपी को काबू किया है। आरोपी विपिन को अपराध शाखा टीम ने थाना डबुआ के एरिया नेहरु कॉलोनी से काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर आरोपी से 520 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ थाना डबुआ में नशा तस्करी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

2 किलो चुरा डोडा पोस्ता सहित आरोपी काबू

फरीदाबाद। अपराध शाखा अपराध शाखा सेक्टर-65 की टीम ने 2 किलो 200 ग्राम चुरा डोडा पोस्ता सहित आरोपी गिरफ्तार किया है।आरोपी को अपराध शाखा टीम ने आशियान सेक्टर-62 से काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर 2 किलो 200 ग्राम चुरा डोडा पोस्ता बरामद हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना आदर्श नगर में नशा तस्करी की धाराओं में मुकदमा दर्ज करके गिरफ्तार किया गया है।

सोनू का मेदांता मेडिसिटी में चल रहा है इलाज

नूंह में गायों को बचाने निकले सोनू सरपंच को तस्करों ने मार दी गोली

हरियाणा के नूंह जिले के महू-चोपता गांव के पास शनिवार तड़के गौ तस्करों की खूनी वारदात सामने आई है। पुलिस ने बताया कि गौ तस्करों ने गौरक्षक सोनू सरपंच को कथित तौर पर गोली मार दी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम/फरीदाबाद।

हरियाणा के नूंह जिले में फिरोजपुर झिरका के महू-चोपता गांव के पास शनिवार तड़के गौ तस्करों ने खूनी खेल खेला। पुलिस ने बताया कि गौ तस्करों ने एक गौरक्षक को कथित तौर पर गोली मार दी। पीड़ित की पहचान रेवाड़ी जिले के सोनू सरपंच के रूप में हुई है। उसे फरीदाबाद के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां से उसे गुरुग्राम के मेदांता मेडिसिटी रेफर कर दिया गया। गुरुग्राम के मेदांता मेडिसिटी अस्पताल में पीड़ित सोनू सरपंच का इलाज चल रहा है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। इस घटना को लेकर अस्पताल के बाहर लोगों ने प्रदर्शन भी किया।

नूंह के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारनिया ने कहा कि यह घटना दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर तब समय हुई जब गौरक्षक गौ तस्करों के वाहन का पीछा कर रहे थे। पीड़ित सोनू का मेदांता मेडिसिटी में इलाज चल रहा है। गौरक्षक चमन खटाना ने कहा कि यह घटना शनिवार सुबह करीब 4:45 बजे हुई। गौरक्षकों को गुप्त सूचना मिली थी कि गौ तस्कर राजस्थान से मवेशियों की तस्करी करने वाले हैं।

खास बातें

- राजस्थान से मवेशियों की तस्करी करने वाले हैं गौ तस्कर
- प्रदर्शनकारी घटना पर रोष जताते हुए गौरक्षकों को सुरक्षा की कर रहे मांग

पीछा करने के दौरान गौ तस्करों की ओर से गोलीबारी की गई

इसके बाद सात गौरक्षकों की एक टीम ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर गौ तस्करों की पिकअप जीप का पीछा किया। पीछा करने के दौरान गौ तस्करों की ओर से गोलीबारी की गई। गौरक्षक चमन खटाना ने बताया कि मऊ-चोपता गांव के पास तस्करों की पिकअप जीप सड़क पर पलट गई। इसके बाद वे भागने लगे। इसी दौरान एक को गौरक्षकों ने पकड़ लिया। सोनू सरपंच ने दूसरे को जब पकड़ा, तो अन्य गौ तस्करों ने गोलीबारी कर दी। गोली सीधे गौ रक्षक सोनू सरपंच के पेट में लगी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सोनू सरपंच अस्पताल में जीवन के लिए संघर्ष कर रहा है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की जानकारी के बाद गौरक्षकों का एक समूह मेद्षांता अस्पताल के बाहर जमा हो गया। प्रदर्शनकारी घटना पर रोष जताते हुए गौरक्षकों को सुरक्षा देने की मांग करने लगे।

गौ रक्षकों ने कैंटर से 17 गायें बरामद की मेवात ले जा रहे थे

कैंटर में भरकर लाई गई 17 गायों को गौ रक्षकों ने बल्लभगढ़ के आदर्श नगर थाने के पीछे से मुक्त कराया। कैंटर को भी जब्त किया गया है। बरामद गायों में 2 की मौत हो चुकी थी। गौरक्षकों का दावा है कि इनको नूंह में ईद के पर्व पर काटने के लिए ले जाया जा रहा था। कैंटर ड्राइवर व गौ तस्कर अंधेरे में फरार हो गए। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। छानबीन के बाद गायों को गौशाला भेजा गया।

गौरक्षकों ने घेरा, 2 गायों की मौत

जानकारी देते हुए गौ रक्षक शिवा दहिया ने बताया कि उन्हें और उनकी टीम को बीती रात 11 बजे सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश की तरफ से एक कैंटर में भारी संख्या में गायों को भरकर हरियाणा के मेवात जिले में काटने के लिए ले जाया जा रहा है। उन्होंने अपनी टीम के साथ पलवल, होडल सहित फरीदाबाद की तमाम गौ रक्षकों की टीम को अलर्ट कर दिया। सभी टीमें अपने-अपने इलाके में कैंटर की तलाश में जुट गई।

यौन शोषण के लिए उकसाने वाले वीडियो का मामला

गिरफ्तारी से पहले शिखा ने किया वीडियो डिलीट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद।

दिल्ली की डिजिटल मार्केटिंग कंपनी में एग्जीक्यूटिव के पद पर कार्यरत शिखा पर आईटी और पॉक्सो एक्ट में तहत दर्ज केस में बृहस्पतिवार की सुबह गिरफ्तारी होने से पहले उसने वीडियो डिलीट किए। गाजियाबाद के इंद्रगढ़ी की निवासी ऑनलाइन वीडियो गेमर शिखा को कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई।

पुलिस की जांच में आया है कि यू-ट्यूब के अलावा इंस्टाग्राम पर भी वह वीडियो डालती है। उसका पिता शिक्षक और मां इंजीनियर है। शिखा दिल्ली से पहले बंगलूरू में नौकरी कर चुकी है। उसने दिल्ली से फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की। इसके बाद एमएमसी की डिग्री ली।

घर में ही बनाती है वीडियो

कुंवारी बेगम चैनल पर चल रहे वीडियो के बारे में भी पुलिस ने पड़ताल की है। पता चला है कि ये वीडियो उसने अपने घर में ही बनाई है। घर में उसने चैट रूम बना रखा है। नवजात शिशुओं के यौन शोषण के लिए उकसाने वाला वीडियो आठ जून को बनाया गया था। वह सभी वीडियो काला चश्मा पहनकर बनाती है। उसने 2012 में यूट्यूब पर मैत्रेय नाम से चैनल बनाया था। तीन साल पहले नाम बदलकर कुंवारी बेगम किया।

जेल भेजो मुहिम के बाद दर्ज हुआ केस

नवजात शिशुओं के यौन शोषण के लिए उकसाने का वीडियो देखकर कुछ लोगों ने यू-ट्यूब पर कुंवारी बेगम को गिरफ्तार करो नाम से मुहिम चला दी। इसके साथ बड़ी संख्या में लोग जुड़ते गए। इसके बाद पुलिस ने केस दर्ज किया। यह एकम न्याय फाउंडेशन की संस्थापक दीपिका नारायण भारद्वाज की तहरीर पर दर्ज किया गया। दीपिका ने बताया कि एक्स पर गगन नाम के युवक ने सबसे पहले शिकायत की थी। गगन ने यह वीडियो 10 जून को देखी थी। उनके विरोध के बाद और लोग भी जुड़ गए। एसीपी रितेश त्रिपाठी ने बताया कि शिखा के कंप्यूटर और मोबाइल की फोरेंसिक जांच होगी। इसमें मिले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वाहन चोरी करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-56 की टीम ने घरों में चोरी करने व वाहन चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी शिवम इंद्रा कॉलोनी सेक्टर-7 का रहने वाला है। आरोपी को अपराध शाखा टीम ने दुकान से 2 जोडी सोने के कुण्डल व 6000 रूपए नगद चोरी करने के मुकदमें में गिरफ्तार मुजेसर एरिया से गिरफ्तार किया है। आरोपी को पूछताछ के लिए 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपी से 5200 रूपए नगद व एक जोडी सोने के कुण्डल बरामद किए गए है। आरोपी ने एक जोडी सोने के कुंउल को किसी रास्ते में जाते हुए व्यक्ति को 18000 रुपए में बेच दिए। आरोपी ने बाकि के पैसे नशे में खर्च कर दिए। आरोपी से एक ऑटो चोरी करने के मामले का खुलासा हुआ है। आरोपी ने ऑटो को शहर बल्लबगढ़ एरिया से चोरी किया था।

नशीले इंजेक्शन की डोज देने से बच्चे की मौत

कर्ज में डूबे केमिस्ट ने फिरौती की लालच में किया था अपहरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद।

बल्लभगढ़ के सेक्टर-62 में फिरौती के लिए बच्चे की हत्या कर दी गई। कर्ज में डूबे केमिस्ट ने बच्चे का अपहरण किया था। इसके बाद उसे बेहोश करने के लिए नशीला इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन में नशीली दवाई की मात्रा अधिक होने के चलते बच्चे की मौत हो गई।

मौत के बाद घबराए केमिस्ट ने शव को खुर्दबुर्द करने के लिए फतेहपुर से होकर गुजर रही नहर में फेंक दिया, लेकिन शव झाड़ियों में अटक गया। इसके बाद आरोपी परिजनों के साथ बच्चे की तलाश में जुट गया, लेकिन परिजनों ने शक होने पर उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

बर्फ लेने के लिए साइकिल लेकर निकला था, नहीं लौटा

दरअसल उमेश चंद की परचून की दुकान है। उसका बेटा 13 वर्षीय कुश पड़ोस की दुकान पर बर्फ लेने के लिए साइकिल लेकर निकला था। बर्फ लेकर नहीं लौटा तो मां प्रियंका ने उसे खोजना शुरू किया। पड़ोस में दवा की दुकान चलाने वाला विशाल बच्चे की तलाश में परिवार के साथ था। बच्चे की साइकिल विशाल के घर की छत पर मिली। इसके बाद सीसीटीवी के आधार पर बच्चे के माता-पिता व अन्य पड़ोसियों ने विशाल पर बच्चे के अपहरण का शक जताया।

एक बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया

घर में घुसकर आभूषण लूटने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद।

थाना निवाड़ी पुलिस ने शुक्रवार की रात में पतला बम्बे के पास मुठभेड़ के दौरान दो शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस द्वारा चलाई गई गोली से एक बदमाश घायल हो गया जबकि दूसरा फरार हो गया जिसे पुलिस ने कुछ दूरी पर ही गिरफ्तार कर लिया। इन बदमाशों ने 3 जून को मुरादनगर थाने के गांव नगला व शेरपुर में दो घरों में घुसकर महिलाओं के गले के कुंडल में आभूषण लूट लिए थे। तभी से पुलिस इनको तलाश रही थी।

एसीपी मोदीनगर ज्ञानेंद्र सिंह राय ने बताया कि निवाड़ी पुलिस शुक्रवार की रात को पतला बम्बे पर चेकिंग कर रही थी। तभी दो युवक संदिग्ध अवस्था में आते दिखाई दिए। जिन्हें पुलिस ने रोक कर पूछताछ करने की कोशिश की लेकिन इन बदमाशों ने पुलिस पर गोलियां चला दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की जिसमें अमरोहा निवासी एक बदमाश वसीम घायल हो गया उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि दूसरा बदमाश फरार हो गया लेकिन कुछ ही दूरी पर पुलिस ने उसे भी दबोच लिया। यह बदमाश बरेली निवासी सलमान है। दोनों ही मुरादनगर क्षेत्र में झुग्गियों में रहते हैं। इन पर आधा दर्जन से ज्यादा अपराधिक मामले थानों में दर्ज हैं दर्ज हैं पूछताछ कर रही है।

टीबी उन्मूलन के लिए आईईसी और जागरूकता जरूरी

इट्स फाइटबैक अभियान- टीबी मुक्त होगा गुरुग्राम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

भारत से टीबी उन्मूलन के लक्ष्य के साथ आर्टेमिस हॉस्पिटल, गुरुग्राम ने अपने कार्यक्रम 'इट्स फाइटबैक' का तीसरा चरण लॉन्च किया है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समर्थित और यूएसएड की अगुआई वाली इस सीएसआर पहल का उद्देश्य गुरुग्राम के शहरी स्लम इलाकों में रहने वाले प्रवासियों के बीच टीबी उन्मूलन के प्रयासों को गति देना है। जीएलआरए इंडिया द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य संबंधी असमानताओं को दूर करने में समाज को साथ लेकर चलने पर फोकस किया जाता है। इसमें टीबी पर विशेष रूप से जोर दिया जाता है। इट्स फाइटबैक का तीसरा चरण जून, 2024 से मार्च, 2025 तक चलेगा। इसमें गुरुग्राम के गांवों और शहरी स्लम को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इस कार्यक्रम को एक जन आंदोलन की तरह बढ़ाया जाएगा। इसमें एक बहुपक्षीय टीबी केयर मॉडल को अपनाते हुए समाज को सशक्त करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

टीबी टास्क फोर्स का गठन जन आंदोलन का हिस्सा

टीबी को लेकर जागरूकता बढ़ाना, समाज को अभियान का हिस्सा बनाना, एक्टिव केस की जांच, इलाज एवं अन्य सपोर्ट को इंटीग्रेट करना तथा गांवों में टीबी टास्क फोर्स का गठन इस जन आंदोलन का हिस्सा है। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य गुरुग्राम के 4 गांवों मानेसर, बास कुशला, भोराकलां और अलियर ढाणा के 45000 संवेदनशील लोगों में टीबी का प्रसार रोकना और टीबी के कारण जान जाने के मामलों को कम करना है। इसके लिए टीबी की समय से जांच को प्रोत्साहित किया जाएगा, साथ ही टीबी उन्मूलन के प्रयासों में स्थानीय लोगों को शामिल किया जाएगा।

सीएमओ डॉ. वीरेंद्र यादव ने कहा कि हमें केवल टीबी के ज्ञात मामलों पर ही फोकस करने की जरूरत नहीं है, बल्कि हमें इस बात पर भी फोकस करना चाहिए कि कोई भी व्यक्ति जिसमें लक्षण हों, उसकी पर्याप्त जांच हो। इसके लिए पर्याप्त संख्या में आईईसी और शहर के हर कोने तक जागरूकता जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत में टीबी एक गंभीर समस्या है। 2022-23 में 22.3 लाख नए एवं रीलैप्स केस सामने आए थे। नई दवाओं, इलाज और टीबी प्रिवेंटिव थेरेपी (टीपीटी) के बाद भी शुरुआती स्तर पर टीबी की जांच चुनौती बनी हुई है। विशेष रूप से हाशिए पर जी रहे समुदायों में यह समस्या गंभीर है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के टीबी मुक्त भारत अभियान ने टीबी उन्मूलन के प्रयासों को गति दी है। इस अभियान में जन सहभागिता को बढ़ावा दिया गया है। आर्टेमिस ने इसी रणनीति के साथ इट्स फाइटबैक अभियान संचालित किया है। इसके पिछले दोनों चरणों में उल्लेखनीय सफलता मिली है। इनमें खोह, कासन और नवादा गांवों में 20,897 लोगों तक पहुंचने में सफलता मिली थी। इनमें 675 प्रिजम्प्टिव टीबी केस रेफर किए गए थे, जिनमें 29 नए केस सामने आए।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **चंद्रमोहन पुत्र** स्व. श्री रमेश चंद और **दर्शना पत्नी** स्व. श्री रमेश चंद **पताः** मकान नंबर 2011 तुलसी निकेतन भोपुरा लोनी, गाजियाबाद यूपी ने **FIR No. 204/20, U/s 498A, 406/34 IPC थानाः जीटीबी एन्क्लेव,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उराने किया है), और उरा पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **चंद्रमोहन एवं दर्शना** मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **चंद्रमोहन एवं दर्शना** फरार हो गये है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 204/20, U/s 498A, 406/34 IPC थानाः जीटीबी एन्क्लेव,** के उक्त अभियुक्त **चंद्रमोहन एवं दर्शना** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.07.2024** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री श्रुति शर्मा
एमएम (महिला न्यायालय)–01
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/7417/SHD/2024
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **ऋषभ उर्फ चिराग पुत्रः** जगदीश लाल **निवासीः** मकान नंबर डी–224, जहांगीरपुरी, दिल्ली, ने **Case FIR No. 58/2022 dt. 19.01.2022 & Case FIR No. 11/2022 dt 10.01.2022, U/s 356/379/34 IPC, पुलिस स्टेशन सिविल लाइन्स, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **ऋषभ उर्फ चिराग** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **ऋषभ उर्फ चिराग** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Case FIR No. 58/2022 dt. 19.01.2022 & Case FIR No. 11/2022 dt 10.01.2022, U/s 356/379/34 IPC, पुलिस स्टेशन सिविल लाइन्स, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **ऋषभ उर्फ चिराग** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.08.2024** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री गौरव गोयल
मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट, कमरा नं.–247,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/7391/N/2024
(Court Matter)

वजीराबाद बैराज का जलस्तर 6 फीट घटकर 668.5 फीट पर पहुंचा, मुनक नहर से मिलने वाला पानी भी घटकर 902 क्यूसेक पहुंचा

हरियाणा से पर्याप्त पानी न मिलने से दिल्ली में पानी का शोधन 70 एमजीडी हो गया है कम : आतिशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में जलसंकट की स्थिति और बढ़ती जा रही है। हरियाणा से पर्याप्त मात्रा में पानी न मिलने से दिल्ली में पानी का शोधन 70 एमजीडी तक कम हो गया है। इस बात की जानकारी शनिवार को दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने प्रैसवार्ता में दी है। प्रैसवार्ता में आतिशी ने कहा कि दिल्ली पानी का शोधन घटकर 932 एमजीडी पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त पानी न मिलने से वज़ीराबाद बैराज का जलस्तर सामान्य से 6 फीट घटकर 668.5 फीट पर पहुंच गया है और मुनक नहर से मिलने वाला पानी भी घटकर 902 क्यूसेक पहुंच गया है। ऐसे में कम कच्चा पानी मिलने से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पर बड़ा असर पड़ा है। वहीं जल मंत्री ने पानी की कमी दूर करने के लिए शनिवार को अधिकारियों की एक आपात बैठक बुलाई और ज़रूरत के अनुसार शहर में टैंकरों की संख्या को बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही जलमंत्री की हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखबिंदर सुक्खू से भी फोन पर बातचीत हुई और हिमाचल सरकार से उन्हें मदद का आश्वासन मिला। वहीं इस आपातकालीन स्थिति में पानी की कमी दूर करने के लिए पश्चिमी दिल्ली के कई हिस्सों में बोरवेलो को यूजीआर से जोड़ा गया है साथ ही जलबोर्ड ने शहर भर में टैंकरों की ट्रिप्स को बढ़ाकर प्रतिदिन 10 हजार कर दिया है।

जल मंत्री आतिशी ने हरियाणा सरकार से मानवता के नाते अपील करते हुए कहा कि हिमाचल से मिलने वाले पानी पर जबतक अपर यमुना रिवर बोर्ड का निर्देश नहीं आ जाता तब तक हरियाणा दिल्ली को कुछ अतिरिक्त पानी दें। साथ ही उन्होंने दिल्लीवालों से अपील करते हुए कहा कि, पानी का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करें, बचत करें, इससे दिल्ली के उन इलाकों को पानी मिल पाएगा, जहां पानी की कमी है। उन्होंने कहा कि यदि दिल्ली में कही भी पाइप लाइन लीकेज की खबर मिलती है तो लोग ट्विटर पर दिल्ली जल बोर्ड को टैग करें, हम इस पर तुरंत संज्ञान लेंगे।

आतिशी ने कहा कि अभी भी दिल्ली में पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच रहा है। वज़ीराबाद बैराज पर जलस्तर 674.5 फीट होना चाहिए लेकिन ये अभी मात्र 668.5 फीट ही है। यानी वज़ीराबाद बैराज पर पानी लगभग पानी खत्म हो चुका है, और बिलकुल भी पानी नहीं आ रहा है। दूसरी तरफ मुनक नहर से दिल्ली को मिलने वाला पानी भी भी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहा है। 10 जून को मुनक नहर से दिल्ली को 925 क्यूसेक पानी मिला था, वो 11 जून को घटकर 919, 12 जून को घटकर 903, और 15 जून को 902 क्यूसेक पर पहुंच गया। रोज़ाना इन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स में 1005 एमजीडी पानी का शोधन होता है, लेकिन कच्चे पानी की कमी के कारण ये आंकड़ा पिछले एक सप्ताह से लगातार घट रहा है। 6 जून को ये 1002 एमजीडी था जो 10 जून को गिरकर 958 एमजीडी पर पहुंच गया, और शुक्रवार को ये 932 एमजीडी पर पहुंच गया है।

जल मंत्री ने कहा कि इस स्थिति में आपातकालीन ट्यूबवेल करवाकर उन्हें सप्लाई नेटवर्क से जोड़ा गया है। ये ट्यूबवेल खासतौर पर बवाना, नरेला, द्वारका, नांगलोई सहित पश्चिमी दिल्ली के कई हिस्सों में करवाए गए है, जहां पानी की काफ़ी कमी थी। आपातकालीन स्थिति को देखते हुए बोरवेल को स्थानीय यूजीआर से जोड़ा गया है। साथ ही जल बोर्ड के टैंकरों की ट्रिप्स को भी बढ़ाया गया है। अब जल बोर्ड द्वारा एक दिन में टैंकर के 10 हजार ट्रिप्स किए जा रहे हैं।

जलमंत्री आतिशी ने बताया कि उनकी शनिवार सुबह हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखबिंदर सिंह सुक्खू से फोन पर बातचीत हुई है। इस बातचीत में हिमाचल के मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि अपर यमुना रिवर बोर्ड को हिमाचल से जो भी जानकारी चाहिए, उसे हिमाचल जल्द से जल्द देने को तैयार है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने दिल्ली के प्रति मदद का हाथ बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि अभी निर्णय लेने में अपर यमुना रिवर बोर्ड को कुछ समय लग सकता है। ऐसे में हमने हरियाणा से मानवता के नाते ये आग्रह किया है कि वो दिल्ली को कुछ अतिरिक्त पानी दें।

जल मंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड और राजस्व विभाग की टीमों द्वारा पानी के पाइप लाइनों का निरीक्षण जारी है। इस बाबत सोशल मीडिया से भी जानकारी मिल रही है। उन्होंने साझा करते हुए कहा कि कल सोशल मीडिया के माध्यम से कोंडली में एक जगह से पाइप लाइन लीकेज की खबर मिली थी। उस पाइप लाइन लीकेज को 12 घंटे के अंदर ठीक कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जल संकट में हम एक बूंद पानी भी बर्बाद नहीं कर सकते है। ऐसे में मेरी दिल्लीवालों से अपील है कि उन्हें यदि कहीं भी पानी के लीकेज की खबर मिलती है तो ट्विटर पर दिल्ली जल बोर्ड को खबर करें, हम तुरंत इस पर संज्ञान लेंगे।

■ आपातकालीन स्थिति में पानी की कमी दूर करने के लिए पश्चिमी दिल्ली के कई हिस्सों में बोरवेलों को यूजीआर से जोड़ा गया

हरियाणा और उत्तराखंड से दिल्ली को लगभग पूरी मात्रा में कच्चा पानी मिल रहा है : सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली को हरियाणा और उत्तराखंड से लगभग पूरी मात्रा में कच्चा पानी मिल रहा है और यहां तक की दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने भी शुक्रवार को स्वीकार किया कि पीने के पानी के उत्पादन में मुश्किल से 0.5 से 7 प्रतिशत की कमी है। दिल्ली में जल संकट मामले को लेकर दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को यह बयान जारी करते हुए कहा कि मंत्री के शुक्रवार के अपने बयान के आलोक में यह समझना मुश्किल है कि आम आदमी पार्टी के नेता दिल्ली की जल स्थिति को लेकर नाटक क्यों कर रहे हैं, बजाय इसके कि वे टैंकर माफिया द्वारा पानी की चोरी और लीकेज की समस्याओं को ठीक करें, जो आज दिल्ली में उत्पादित पीने के पानी का 70 प्रतिशत तक का हेरफेर कर रहे हैं। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में पानी की कोई कमी नहीं है और उन्होंने दिल्ली और हरियाणा के जल विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में मुनक नहर पर दिल्ली के लिए कच्चे पानी की उपलब्धता पर खुली चर्चा के लिए जल मंत्री आतिशी को चुनौती दी है। सचदेवा ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली सरकार को अतिरिक्त पानी के लिए यमुना नदी बोर्ड से संपर्क करने के सख्त निर्देशों के बावजूद आम आदमी पार्टी अब केंद्रीय जल मंत्री सी.आर. पाटिल से संपर्क करके एक नया राजनीतिक नाटक कर रही है। दिल्लीवाले समझ नहीं पा रहे हैं कि जब सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केवल यमुना नदी बोर्ड ही दिल्ली को अतिरिक्त पानी दे सकता है, तो फिर आम आदमी पार्टी केंद्रीय जल मंत्री के पास क्यों जा रही है। सचदेवा ने केजरीवाल सरकार को घेरते हुए कहा कि हम पहले दिन से कहते आए हैं कि केजरीवाल सरकार दिल्ली में पानी की चोरी और कालाबाजारी करवाती है। ताजा मामला इंद्रपुरी के बुध बिहार का है जहां पर लोगों से 35-35 हजार रुपये लेकर अवैध रूप से पानी का कनेक्शन दिल्ली जल बोर्ड के पाइप से बिना मीटर लगाये, गैर कानूनी रूप से दे दिया है। सचदेवा ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस घोटाले में पूरी आम आदमी पार्टी संलिप्त है, यदि लोगों को अवैध कनेक्शन देकर मनमाना पैसा लिया जा रहा है, तो वैध कनेक्शन क्यों नहीं दिये जा सकते ? दिल्ली की जनता ने सेवा करने के लिए अवसर दिया था जिसका दुरुपयोग कर आप ने भ्रष्टाचार किया और जनमानस को ठगने का कार्य किया, अब बूंद-बूंद पानी तक के लिए तरस रही दिल्ली ने मन बना लिया है कि आप के भ्रष्ट तंत्र वाली सरकार को उखाड़ फेंकना है।

आज 14 स्थानों पर जल संकट के विरुद्ध प्रदर्शन करेंगी भाजपा

दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को घोषणा करते हुए कहा कि रविवार 16 जून को दिल्ली में पार्टी की सभी जिला इकाइयां आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा उत्पन्न जल संकट के खिलाफ अपने-अपने जिलों के प्रमुख स्थानों पर विरोध प्रदर्शन करेंगी। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष, सांसद, विधायक, पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल होंगे।

दिल्ली सरकार के पास पानी स्टोरेज के लिए नहीं है जगह : चंदोलिया

नई दिल्ली। हरियाणा सरकार द्वारा दिल्ली को जितना पानी दिया जा रहा है, उसको स्टोर करने के लिए दिल्ली सरकार के पास स्टोरेज नहीं है और अपनी कमियों को छिपाने के लिए वे हरियाणा सरकार पर ठिकरा फोड़ रही है। दिल्ली में लगातार पानी की किल्लत को लेकर उत्तर पश्चिम के सांसद योगेन्द्र चंदोलिया ने शनिवार को मुनक नहर पर जाकर जमीनी हकीकत से दिल्ली वालों को अवगत कराया और आम आदमी पार्टी की गंदी राजनीति का पर्दाफाश किया। उत्तर पश्चिम के सांसद योगेन्द्र चंदोलिया ने मुनक नहर पर जाकर एक वीडियो जारी कर पानी के लगातार बहाव को दिखाते हुए चंदोलिया ने आम आदमी पार्टी की नेता एवं जलमंत्री आतिशी के झूठ का पर्दाफाश किया जो बार-बार यह कहकर दिल्ली की जनता को गुमराह कर रही हैं कि हरियाणा सरकार द्वारा पर्याप्त पानी नहीं दिया जा रहा है। दिल्ली सरकार दिल्लीवासियों को बूंद बूद के लिए तरसाने का बंदोबस्त किया है क्योंकि हरियाणा से जो पानी दिल्ली के लिए आता है उसको रास्ते में ही टैंकर माफियाओं के द्वारा चोरी करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के साथ मैंने स्वयं जाकर पुलिस आयुक्त को इस बारे में तथ्यों के साथ शिकायत की थी और उसी के कारण शनिवार पुलिस बैरिकेट्स लगाकर टैंकर माफियाओं की चोरी पकड़ने के लिए बैठी है। चंदोलिया ने आतिशी को चुनौती दी है कि दिल्ली सरकार बताए कि हरियाणा सरकार द्वारा जितना पानी दिल्लीवासियों के लिए दिया जा रहा है, उसमें से कितने लीटर पानी को ट्रीटमेंट करके दिल्ली की जनता को देने में केजरीवाल सरकार सक्षम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली का जलबोर्ड एक भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है इसलिए कोर्ट द्वारा लगातार फटकार के बावजूद दिल्ली सरकार या फिर जलबोर्ड के ऊपर कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है।

आप विधायकों ने जल संकट से राहत दिलाने के लिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली को जल संकट से तत्काल राहत दिलाने की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल को पत्र लिखा है। इस पत्र में विधायकों ने लिखा है कि दिल्ली को जल संकट से उबारने के लिए दिल्ली सरकार हर प्रयास कर रही है, लेकिन यमुना में पानी की उपलब्धता कम होने के चलते दिल्ली की जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं। विधायकों ने कहा है कि यह पूरा मामला हरियाणा, हिमाचल, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के बीच का है। अगर सीआर पाटिल इंटर स्टेट कोऑर्डिनेशन की जिम्मेदारी उठा लें तो दिल्ली को जल संकट से उबारा जा सकता है। आप विधायकों ने सीआर पाटिल से रविवार को मिलने का समय भी मांगा है, ताकि वो उनके सामने पूरा मामला रख सकें। आप विधायक दिलीप पांडे ने कहा कि हमें उम्मीद है कि सीआर पाटिल इस मामले में दख़ल देकर दिल्ली को जल्द राहत दिलाएंगे। उन्होंने पानी के मुद्दे पर राजनीति कर रहे विपक्ष के नेताओं को भी आड़े हाथ लेते हुए कहा कि इस पर राजनीति करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

दिलीप पांडे ने कहा कि दिल्ली में पानी का शोधन पर्याप्त नहीं होने की वजह से दिल्ली की जनता दुखी और परेशान है। पांडे ने कहा कि बुराड़ी के पास हिरण्की में उत्तर प्रदेश की तरफ जमकर अवैध खनन हो रहा है। शुक्रवार को इसका एक वीडियो वायरल हो रहा है। कुछ दिन पहले ही अवैध खनन को लेकर गोलियां भी चली है। वीडियो के अलावा फोटो भी ढेर सारे हैं। जिससे पता चलता है कि वहां खनन के लिए मशीनें लगी हैं, जो अवैध तरीके से खनन कर रहे हैं। इस अवैध खनन के दौरान ये लोग छोटे-छोटे कई डैम बनाकर यमुना के प्रवाह को रोक देते हैं। चूंकि यह दिल्ली, हरियाणा और हिमाचल राज्य का मामला है। इसलिए आम आदमी पार्टी निवेदन करती है कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल जल संकट मामले में हस्तक्षेप करें और इस भीषण गर्मी में दिल्लीवालों को जल संकट से राहत दिलवाएं।

एबीवीपी ने नीट.यूजी परीक्षा में गड़बड़ी दूर करने की मांग को लेकर शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ;एबीवीपीद्ध के राष्ट्रीय मंत्री डॉण वीरेंद्र सोलंकी तथा शिवांगी खरवाल के नेतृत्व में अभाविप के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ धर्मेंद्र प्रधान को एनटीए द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह.प्रवेश परीक्षा ;नीट.यूजी 2024द्ध के आयोजन की प्रक्रिया एवं परिणामों में गड़बड़ी पर उठ रहे प्रश्नों की सीबीआई द्वारा जांच करा संलिप्त दोषियों पर शीघ्रता से कार्रवाई करने हेतु ज्ञापन सौंपा है। इस परीक्षा के आयोजन में देश के विभिन्न हिस्सों में अनियमितता दिखी व कुछ केंद्रों पर सॉल्वर और प्रश्न पत्र बांटने जैसी घटनाएं सामने आईए एबीवीपी विद्यार्थी समुदाय द्वारा उठाई जा रही उचित मांगों के साथ है और इस समस्या के शीघ्र निवारण हेतु मांग की है। एबीवीपी का कहना है कि भारत के शीर्ष चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश हेतु आयोजित की जाने वाली नीट.यूजी परीक्षा की प्रक्रिया एवं परिणामों में शुचिता एवं पारदर्शिता पर विद्यार्थियों के बीच संशय है।

भाषा संगम 2.0 का हुआ भव्य उद्घाटन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने "भाषा संगम 2.0" का उद्घाटन करते हुए इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की शुरुआत की। "भाषा संगम 2.0" का उद्धेश्य विभिन्न भाषाओं के माध्यम से सांस्कृतिक समृद्धि और विविधता को बढ़ावा देना है। शनिवार शाम 4 से 6 तक चलने वाले उद्घाटन सत्र में 3 हज़ार से अधिक छात्र/छात्राओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस कार्यक्रम में कुल 22 भाषाएँ सिखाई जाएंगी, जिसमें 9 भारतीय भाषाएं और 13 विदेशी भाषाएं शामिल हैं। भारतीय भाषाओं में हिंदी, संस्कृत, मराठी, असमी, तेलुगु, मलयालम, और कन्नड़ जैसी प्रमुख भाषाएं शामिल हैं। वहीं, विदेशी भाषाओं में फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश, चीनी, जापानी, रूसी, अरबी और तुर्की जैसी विदेशी भाषाएं शामिल हैं। एबीवीपी जेएनयू अध्यक्ष राजेश्वर कांत दूबे व जेएनयू मंत्री शिखा स्वराज ने कहा कि ऑनलाइन माध्यम के जरिये यह कार्यक्रम छात्रों तक पहुंचाया जाएगा।

जल सकंट के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग

जल संकट पर कांग्रेस ने किया 280 जगहों पर दिल्ली सरकार के खिलाफ मटका फोड़ प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

जल संकट को लेकर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने शनिवार को दिल्ली के सभी 280 ब्लॉक में केजरीवाल सरकार के खिलाफ मटका फोड़ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने सीएम अरिवंद केजरीवाल से मांग की है कि राजधानी में गहराए जल सकंट के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए। यादव ने जल बोर्ड में हुए 17575 करोड़ रुपये के घोटाले पर फिर केजरीवाल सरकार को खुली बहस की चुनौती देते हुए मांग है कि इसकी जांच होनी चाहिए। प्रदर्शन में कांग्रेस ने जमकर केजरीवाल सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और लोगों को जल्द पानी मुहैया कराने की मांग की। वहीं जलेबी चौक पर प्रदर्शन के दौरान पूर्व विधायक जयकिशन ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से मांग की है कि दिल्ली की जनता की भलाई के लिए उन्हें तुरंत दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश करनी चाहिए। जयकिशन ने कहा कि जिस सरकार का सीएम जेल में हो, दो मंत्री जेल में हो, कई मंत्री पहले जले हो आए हो, विधायकों पर केस चल रहे हो ऐसी सरकार को सत्ता में रहने का कोई हक नहीं है। प्रदर्शन में देवेंद्र यादव के अलावा पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, नए पुराने पार्षद व कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेसी प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां व कांग्रेस की टोपी और पटका पहनकर खूब नारेबाजी की। हाथों में पकड़े बैनरों पर लिखा था- पानी के लिए दिल्ली बेहाल, टैंकर माफिया मालामाल। ये कैसा पानी माफ है, जार खरीदने में जेब साफ है। दिल्ली सरकार की ये नादानी, लीकेज से बहता 58 प्रतिशत पानी और दिल्ली की ये दुखद कहानी, जनता पीती दूषित पानी जैसे अन्य नारे लिखे थे। प्रदर्शन में शामिल अधिकांश महिलाएं अपने सिर पर खाली मटके लेकर शामिल हुई और विरोध स्वरूप उन्हें फोड़ा।

Pharmaceuticals & Medical Devices Bureau of India (PMBI)
(Set up under the Department of Pharmaceuticals, Govt. of India)
B-500, Tower – B, 5th Floor, World Trade Center, Nauroji Nagar, New Delhi – 110029
Telephone: 011-49431800 | Website: janaushadhi.gov.in

VACANCY CIRCULAR

Advt. No. 03 / 2024

Pharmaceuticals & Medical Devices Bureau of India (PMBI) is the implementing agency for **Pradhan Mantri Bhartiya Janaushadhi Pariyojana** of **Department of Pharmaceuticals, Ministry of Chemicals & Fertilizers, Government of India.** PMBI invites applications from eligible candidates for the following posts on contractual basis.

S. No.	Name of Posts	No. of Vacancy	Department	Place of Posting
1.	Assistant Manager	6	Sales & Marketing	All India
2.	Senior Marketing Officer	12		All India
3.	Executive	4		Delhi & NCR
4.	Senior Executive	3	Procurement	Delhi & NCR
5.	Executive	2		Delhi & NCR
6.	Senior Executive	3	Quality	All India
7.	Executive	2		All India
8.	Senior Executive	4	Logistics & Supply Chain	All India
9.	Executive	3	Finance & Accounts	Delhi & NCR
10.	Assistant Manager	3	IT & MIS	Delhi & NCR
11.	Assistant Manager	1	HR & Admin.	Delhi & NCR
12.	Executive	1	Legal	Delhi & NCR

Interested, eligible candidates can send their applications at **recruitment@janaushadhi.gov.in** or can send their applications (Hard Copies) by post/courier to **CEO, PMBI** at **B-500, Tower B, 5th Floor, World Trade Center, Nauroji Nagar, New Delhi-110029** up to **08.07.2024 (Till 10:00 AM).** Application form along with terms & conditions etc. of appointment are available at **website: janaushadhi.gov.in.**

CEO, PMBI

हर संतान के लिए उसकी मां की ममता और महत्ता तो लगभग एक समान ही होती है। लेकिन पिता की छवि में काफी विविधता दिखाई पड़ती है। पिता कभी अत्यंत कठोर तो कभी बेहद लाचार, कभी भावनाओं से भरे तो कभी व्यावहारिकता का पाठ पढ़ाते नजर आते हैं। छवि कैसी भी हो लेकिन उन सभी में संतान की खुशी, सुरक्षा और बेहतर भविष्य के लिए कुछ भी कर गुजरने के लिए पिता की आकुलता को स्पष्ट तौर पर महसूस किया जा सकता है।

हमारे मन-जीवन में बसी पिता की अनगिनत छवियां

आवरण कथा / चंदन श्रीवास्तव

हम सभी के मन में पिता की कोई एक नहीं बल्कि अनगिनत छवियां होती हैं। इन छवियों को आंख बंद करके बस जरा टटोलने भर की देर होती है, वे एक-एक कर सामने आने लगती हैं।

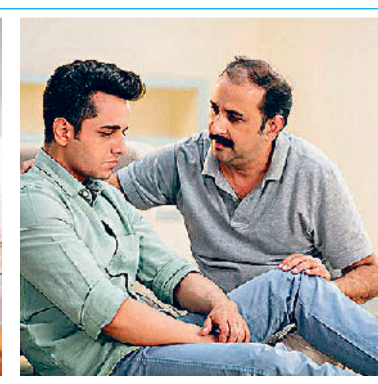

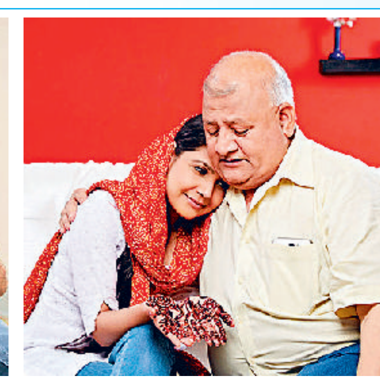

कई रूपों में नजर आते हैं पिता

एक पिता वे, जो अपने काम में खोए रहते हैं, इतने खोए हुए कि उनके लिए घर और दफ्तर का अंतर कुछ मायने ही नहीं रखता। एक पिता वे, जो बाहर चाहे कितने बेफिक्र नजर आएं, लेकिन घर में होंगे तो अकसर गुमसुम दिखाई देंगे, मानो जीवन का कोई अनसुलझा हिसाब सुलझा रहे हों और हिसाब के इस सुलझाने के बीच कहीं से कोई खलल पड़ी नहीं कि पिता का गुस्सा फूट पड़ता है। एक पिता वे, जो बच्चों के लिए हमेशा ही नसीहतों के भंडार होते हैं, बच्चों के भविष्य की चिंता में ऐसे खोए कि उनका वश चले तो दुनिया को मुट्ठी में करके किसी टॉफी की तरह बच्चे को थमा दें या फिर बच्चे को उस दुनिया का सिरमौर बना दें। इससे इतर पिता की कुछ और भी छवियां हैं, हम सबके मन में। जैसे, बूढ़े और किंचित बीमार पिता, जो अपने गुस्से पर काबू पाना सीखना चाह रहे हों या फिर बेटी की शादी की चिंता में देह से दुबले, मन से कमजोर और सामाजिक नियमों-कायदों को मानते चले जाने की अपनी आदत के आगे लाचार होते पिता। रिटायरमेंट की उम्र की तरफ तेजी से बढ़ते और बेरोजगार बेटे की नौकरी की चिंता में लगातार चिड़चिड़े होकर बात-बात पर झुंझलाते और बेटे की 'मां' को अफसोस के स्वर में यह सुनाते पिता कि 'सब कुछ सीखा हमने ना सीखी होशियारी।' या फिर इन सबसे अलग नौजवान हो चले बच्चों से कभी मौन भाषा तो कभी दबे स्वर में यह सुनते पिता कि 'आपको आदर्श ही प्यारे रहे, दुनियादारी तो कभी आई ही नहीं, वर्ना हम सब किराए के घर में पूरा जीवन ना बिताते।'

हर दौर से जुड़ी अलग छवि

यादों के पिटारे में बसी पिता की इन बेशुमार छवियों को झांकने में एक मुश्किल है। मुश्किल यह कि इनमें से कोई भी छवि ऐसी नहीं है कि उसे एक 'सामान्य पिता' या स्थायी छवि के रूप में स्वीकार किया जा सके। पिता की ये छवियां क्षण-भंगुर हैं। समय के खास खंड में कैद छवि। समय का वह दौर गुजरने के साथ ही उसके साथ बंधी हुई पिता की वह छवि भी गायब हो जाती है। बेशक जीवन के क्षण विशेष के फ्रेम में बंधी इन छवियों में से हर एक को केंद्र बिंदु बनाकर पारिवारिक जीवन की कहानियां बुनी जा सकती हैं, लेकिन ऐसी कोई भी कहानी एक 'सर्व-सामान्य' पिता की कहानी नहीं होगी। कोई ऐसी कहानी, जिससे एक संतान के रूप में ज्यादातर लोग अपने को जोड़ सकें।

मध्यवर्गीय पिता की सामान्य छवि

पिता की बस एक ही छवि, हमारे-आपके जेहन में 'सर्व-सामान्य' या कहें आदर्श रूप में बसी है, सो इस छवि से संतान के रूप में हममें से ज्यादातर लोग जुड़ा हुआ महसूस कर सकते हैं और इस नाते यह छवि अपेक्षाकृत टिकाऊ भी है। पिता की यह छवि जीवन के किसी नाटकीय लम्हे से नहीं बल्कि हमारी स्कूली जिंदगी के रोजमर्रे के सादेपन से बंधी है। यह छवि एक ऐसे पिता की है, जो सुबह आठ से दस बजे के बीच स्कूटर या साइकिल से या फिर पैदल ही घर से बाहर निकल जाते हैं और गहराती रात की तरफ ढलती शाम में घर लौटते हैं। इस बीच पूरा घर पिता के लौट आने की एक अबोली प्रतीक्षा कर रहा होता है। बच्चे सो चुके होते हैं। वे जानते हैं कि पिता से भेंट अब अगली सुबह होगी, जब स्कूल जाने की तैयारियों के लिए मची हड़बड़ के बीच हो रही गड़बड़ के लिए फटकार सुनने को मिलेगी और उस फटकार के बीच ही ऐसे पल खोज लेने होंगे, जिसमें अकसर तो 'मां' को आगे करके या फिर हद दर्जे की हिम्मत बांधकर खुद ही पिता के चेहरे से अपनी आंखों को तीस या साठ डिग्री के कोण पर रखते हुए यह कहना होगा कि 'कुछ पैसे दे दो, नए जूते लेने हैं, कल खेलते समय पुराने जूते का तल्ला उखड़ गया था।' ऐसा कहते हुए जी को यह जवाब सुनने के लिए तैयार रखना होता था कि 'एक हफ्ते रुक जाओ, अगली तनख्वाह आ जाए तो दिला दूंगा।' यह मध्यवर्गीय घरों में पिता की सबसे जानी-पहचानी छवि है। यह छवि भारतीय घरों में पिछले पचहत्तर सालों यानी देश की आजादी के बाद के समय से ठहरी हुई है। इस छवि में पिता जितनी अपनी वास्तविक मौजूदगी का नाम है, उससे ज्यादा मानसिक मौजूदगी का। वास्तविक मौजूदगी का इसलिए कि पिता से भेंट सुबह के घंटों में होनी ही होनी है, जब बच्चों को स्कूल जाना होता है और पिता को अपने रोजगार के लिए। लेकिन फिर पिता के लौटने तक बच्चों की उनसे साक्षात भेंट मुश्किल है। मानसिक मौजूदगी का इसलिए कि सुबह से देर शाम तक घर में पिता के ना होने के बावजूद सारा कुछ जैसे पिता की प्रतीक्षा में ही सरकता है, एक अनुशासन में बंधा हुआ कि कहीं कुछ गड़बड़ ना हो वर्ना फटकार सुनने को मिलेगी। क्या पता कान उमेठ दिए जाएं या गड़बड़ कुछ ज्यादा ही संगीन हुई तो जोर की एक चपत भी लग जाए और देर तक गाल सहलाने पड़ें।

आदर्शों के आकाश जैसे पिता

अपनी अनुपस्थिति में सदा उपस्थित, 'सादा जीवन, उच्च विचार' की नसीहत देने वाले पिता की ठोस और ठहरी हुई छवि, मध्यवर्गीय परिवारों के ज्यादातर संतानों के लिए पिता की आद्य और स्थायी छवि है। पिता की यही छवि, आगे के समय में हमारे भाव-जगत में आदर्शों का एक आईना बन जाती है, जिसके भीतर हम बदलते वक्त के बनते-बिगड़ते नायकों को अपने नैतिक जगत में तौलते रहते हैं। यह पिता हमारे लिए अपने आदर्शों का आकाश हो जाता है। हां, आकाश जो वैसे तो अपनी ऊंचाई में हमसे बहुत दूर होता है लेकिन विशालता में इतना नजदीक कि जैसे हमारा हर कदम उनकी निगाहों में हो और जरा सी विचलन पर वह हमें टोक देंगे। यही पिता की छवि की विराटता है और संतान के जीवन में उनकी भूमिका की उदात्तता। *

(लेखक जेपी विवि, बिहार में प्राध्यापक हैं)

आइए आज दिल से कहें थैंक यू सो मच पापा...

हर संतान के जीवन को रचने, संभालने और संवारने में उसके पिता की भूमिका अद्वितीय होती है। वैसे तो पिता, अपनी संतान से अपेक्षा कम ही करते हैं। लेकिन फादर्स-डे वो खूबसूरत मौका है, जब हम अपने पिता को उनकी उदात्त भूमिका के लिए आभार व्यक्त कर उन्हें बेइंतहा खुशी दे सकते हैं।

भावनाएं / लोकमित्र गौतम

इस धरती पर इंसानी सभ्यता के विकास की यात्रा में बहुत कुछ बदला है, लेकिन गौर से देखें तो संवेदना की प्रकृति में ज्यादा कुछ नहीं बदला। किसी भी बच्चे से अगर पूछा जाए कि उन्हें दुनिया में सबसे ज्यादा प्यार कौन करता है, तो लगभग सभी बच्चे यही कहेंगे कि उनकी मां। शायद यह सच भी है, क्योंकि मां का अपने बच्चे के लिए प्यार न सिर्फ बच्चे को बल्कि पूरी दुनिया को दिखता है। मां से बच्चों के अतिरिक्त लगाव का एक वैज्ञानिक कारण मां और बच्चे के गर्भनाल का संबंध भी हो सकता है और यह भी कि धरती में आने पर शिशु का मां के शरीर से ही प्रथम स्पर्श होता है। दुनिया में जब बच्चों के लिए त्याग, समर्पण और संवेदना की बात की जाती है, तो हमेशा मां को याद किया जाता है। बच्चों के लिए मां के त्याग को पहचाना और सराहा जाता है। जबकि पिता का प्यार दुनिया को तो क्या, उनके बच्चों तक को भी प्रायः नहीं दिखता।

याद नहीं रहता पिता का त्यागः भावनात्मक तौर पर कठोरता का आवरण ओढ़े पिता प्रायः चाहते भी नहीं कि बच्चों के लिए किया जाने वाला उनका प्यार, उनका समर्पण, उन्हें दिखे। हकीकत यह भी है कि पिता कभी भी यह उम्मीद नहीं करते कि उनके बच्चे, उन्हें सबसे ज्यादा प्यार करें, लेकिन वह अपने बच्चों के भरण-पोषण में पूरी जिंदगी लगा देते हैं। शायद यही वजह है कि हमेशा से संतानें अपने पिता के प्रति आभार व्यक्त करना भूल जाती हैं।

हर पिता का समर्पण अद्वितीयः आमतौर पर दुनिया में कुछ ही महान पिताओं की गाथा पढ़ी और सुनाई जाती हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि जो पिता बहुत प्रसिद्ध या महान व्यक्ति नहीं होते, वो भी अपने बच्चों के लिए उतना ही प्यार, उतना ही समर्पण और उतनी ही संवेदना रखते हैं, जितनी संवेदना और प्यार बेहद समर्पित समझे जाने वाले पिता रखते हैं। इसलिए अपने-अपने पिता के प्रति आभार व्यक्त करना हर संतान का फर्ज बनता है।

पिता के प्रति प्रकट करें आभारः फादर्स-डे, अपने पिता के प्रति आभार प्रकट करने के लिए वर्ष का सबसे सटीक दिन है। इसे मनाए जाने के लिए किसी अधिकृत तौर-तरीकों या थीम का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए। हम सबको इस दिन अपने जन्म देने वाले और पालक पिता के प्रति जो भी हमारा सबसे सरल और सहज तरीका हो, उस तरीके से आभार और धन्यवाद व्यक्त करना चाहिए।

दें उन्हें हर संभव खुशीः इस दिन हम अपने पिता के प्रति कई तरह से प्यार, सम्मान और आभार व्यक्त कर सकते हैं। उनकी रुचियों, अभिरुचियों का ध्यान रखकर, उनकी इच्छाओं को पूरा कर सकते हैं। उनके सपनों का स्मरण कर सकते हैं और उन्हें जिस तरह से जितनी भी खुशी संभव हो सके, देने की कोशिश कर सकते हैं। जैसे पिता अपने बच्चों की ख्वाहिशों, चाहतों और उम्मीदों को बिना जुबान में लाए ही समझ जाते हैं, करीब-करीब यही बात बच्चों के लिए भी पिताओं को लेकर सच होती है। हम सब जानते हैं, हमारे पिता की सबसे बड़ी चाहत क्या है? वो कब, किस बात पर सबसे ज्यादा खुश होते हैं, और हमारी क्या बात उन्हें गर्व से भर देती है? इस दिन ही नहीं हर रोज हमें अपने पिता को ऐसी ही खुशियां देनी चाहिए।

उनके संग बिताएं यादगार पलः दुनिया में हर व्यक्ति को अंतिम रूप से शिक्षित कोई शिक्षक ही करता है, लेकिन यह भी सच है कि हर संतान को उसकी पहली व्यावहारिक शिक्षा, उसका पिता ही देता है। इसलिए हमें आज के दिन कुछ और नहीं तो अपने पिता को एक शिक्षक के रूप में तो सम्मान देना ही चाहिए। पिता, मांओं की तरह बात-बात पर अपनी भावनाएं व्यक्त करके सजल नहीं होते, लेकिन हकीकत यही है कि पिता भी अपने संतानों के लिए भावनाओं से भरे होते हैं। इस दिन हमें अपने पिता की मातृत्वपूर्ण भावनाओं का सम्मान करना चाहिए और उनका एहसास कराना चाहिए। उनके करीब बैठें, उनको सुनें, इसी से उनको बहुत खुशी मिलेगी। *

लघुकथा / शीला श्रीवास्तव

एक पिता का संतोष

अपने बेटे आलोक की तरक्की देख पिता रामशरण जी फूले नहीं समा रहे थे। आखिर इसी दिन के लिए तो उन्होंने इतनी मेहनत की थी। खेती-किसानी करके उन्होंने अपने बेटे को पढ़ाया-लिखाया और किसी काबिल बनाया।

बेटे के ठाठ-बाट देखकर शहर से लौटे पड़ोसी बृजेश बाबू रामशरण जी से बोले, 'मैं कल ही लौटा हूं भोपाल से। तुम्हारा बेटा तुमसे बहुत आगे निकल गया है रामशरण। वह तो बहुत बड़ा अफसर है। बड़े बंगले में रहता है, महंगी गाड़ी में चलता है और तुम हो कि आज भी इस खपरैल वाले घर में रहते हो। खटारा साइकिल पर चलते हो।' 'हां सही कहा आपने भाई साहब, ये अभी भी खेती-बाड़ी में ही उलझे हैं।' वहीं बैठी रामशरण जी की पत्नी बोलीं।

रामशरण जी ने लंबी सांस खींची फिर बोले, 'हां, यह सही है कि मैं अपनी जिंदगी में अपने लिए कुछ नहीं कर सका, क्योंकि मैं एक-एक पाई जोड़कर अपने बच्चे को किसी योग्य बनाने में लगा रहा। मुझे अपने पास गाड़ी-घोड़ा ना होने की कोई शिकायत नहीं है। मैंने कभी अपने बच्चे से रेस नहीं लगाना चाहा। मैं बस उसकी दौड़ को देखता रहा और उसको जितना सहारा दे सकता था, देता रहा। मुझे खुशी है कि कम-से-कम उसे वो कष्ट देखने को नहीं मिलेंगे, जो मैंने अपनी जिंदगी में देखे हैं। मैं अपनी जिंदगी से खुश हूं... संतुष्ट हूं।'

रामशरण जी की बात सुनकर बृजेश बाबू कुछ भी नहीं बोल सके। पत्नी भी खामोश रही। *

कविता / हरीश कुमार 'अमित'

रिश्ते दर्द के

होता नहीं कोई इतना मुश्किल
सहलाना दूसरों के जख्मों को।
थोड़ी-सी कोशिश करे आदमी
तो किए जा सकते हैं कम
दूसरों के दर्द।
यकीन मानिए सहलाने से
दूसरों के जख्मों को कम होता है
न सिर्फ दर्द उन लोगों का,
बल्कि भूल जाते हैं हम
अपने भी कुछ दर्द।
कैसे अजीब हैं न
ये रिश्ते दर्द के।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कहानियों में कविता

राजेश जोशी हमारे समय के महत्वपूर्ण कवि हैं, साथ ही वह लाजवाब गद्यकार भी हैं। इसकी बानगी उनकी कहानियों में देखी जा सकती है। उनकी कहानियों का संकलन 'मैं हवा पानी परिंदा कुछ नहीं...' कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया है। इन कहानियों में वे रियलिटी और फैंटेसी का ऐसा बेहतरीन कोलाज रचते हैं कि पाठक खुद को एक नए प्रतिसंसार में महसूस करता है। संग्रह की अपेक्षाकृत बड़ी कहानियां 'मैं हवा पानी परिंदा कुछ नहीं...', 'सांप' और 'सोमवार' तो अपनी बुनावट और कहन में बेहतरीन हैं ही, छोटी कहानियां 'हंसी', 'नई आंख' और 'बगल की सीट' अपने प्रतीकात्मक कथ्य और कटाक्षपूर्ण शैली की वजह से देर तक मन में ठहरी रहती हैं। कहानी की बनी-बनाई परंपरा से इतर ये कहानियां अपने कलेवर में कविता का भी आनंद प्रदान करती हैं। *

पुस्तकः मैं हवा पानी परिंदा कुछ नहीं... (कहानी संग्रह), **लेखकः** राजेश जोशी, **मूल्यः** 595 रुपए, **प्रकाशकः** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

कहानी / शुभदा मिश्र

जरा-ढूंढ़िए ऐसे भी सिरफिरे...

बचपन से उसकी जिंदगी में झंझावात शुरू हो गए थे। एक बार विपरीत परिस्थितियां बनीं तो स्कूल-कॉलेज क्या, नौकरी लगने और शादी के बाद भी मुसीबत ही मुसीबत। चूंकि वह स्त्री थीं, ऊपर से नैतिकता उसकी रगों में था, इसलिए जिंदगी की राह और पथरीली हो गई। हर परिस्थिति से लड़ती एक स्वाभिमानी स्त्री की कहानी।

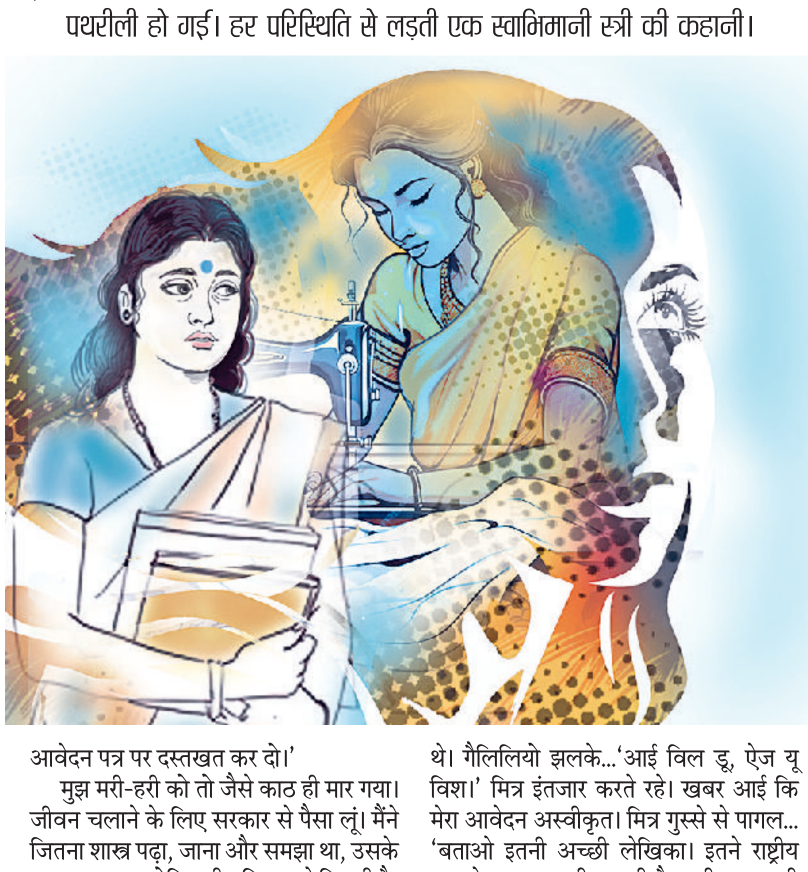

आप पत्रकार लोग भी अजीब प्रश्न करते हैं। अभी प्रश्न कर रहे हैं कि आपके जीवन का सर्वाधिक खुशी का पल कौन-सा है? हमें समझा भी रहे हैं..., हमारा मतलब, आपके निजी जीवन से, निजी खुशी से।

तो बंधु, ऐसे सर्वाधिक खुशी के पल तो समय-समय पर आते रहे और जाते भी रहे। मसलन, पांचवीं की बोर्ड परीक्षा में हम पूरे इलाके में प्रथम आए थे। पूछिए मत, क्या खुशी मिली। जाने कहां-कहां से लोग देखने आए, कौन है यह लड़की? खुशी के नशे में चूर ही रहती यह लड़की कि तभी मिडिल स्कूल में एक अनजान लड़के ने पटखनी दे दी। अपने राम प्रथम से तीसरे स्थान पर। कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं रहे। बाहर से ज्यादा घर में फजीहत। कॉलेज में तो वो पटखनियां खाए कि भूल ही गए कि कभी हम भी पूरे इलाके में अव्वल आए थे। नौकरी मिली तो मानो भगवान मिल गए, पूरे मुहल्ले में मिठाई बांटी। सचमुच सर्वाधिक खुशी के पल। तीन-चार दिन हुए होंगे, अकेले अंधेरे कमरे में जमीन पर लेटते झर-झर आंसू बहा रहे हैं। कारण कि पूरा स्टाफ जैसे फजीहत करने के लिए ही हमारा इंतजार कर रहा था। रोज फजीहत के नए-नए षडयंत्र। शादी हुई बड़े घर में। वाकई सर्वाधिक खुशी। उड़ रहे हैं हवा में। मगर यहां तो और भी खतरनाक गिरोह घात लगाए बैठा था। हमारे ही इंतजार में। नौकरी तो आसानी से छोड़ दी, लेकिन शादी कहां इतनी आसानी से छूटती। सबसे बड़ी बाधा, अपना ही मायका, कहे 'चार दिन सह लो गाली, तोहमत, जो दें सब, फिर देखना, तुम्हारा ही राज।' चार दिन थे कि खत्म ही न हों। आखिर मैं भी बिलबिला उठी और वह भयंकर घड़ी आ ही गई, जब न सिर पर छत थी, न खाने को रोटी। पगली-सी सड़क में खड़ी। इस समय कुछेक मित्र बेचारे सामने आए। किसी तरह संभाला। समझाया कि दावा ठोंको अपने हक का।

बरसों इतनी सेवाएं दी हैं। यातनाएं सहीं। 'मैं अब तक किस-किस पर ठोंकू दावा।' मित्र सिर पर सवार थे। अपनी बुद्धि ठिकाने नहीं। वे जैसा कहें, करूं। कचहरी के दो-चार चक्कर लगाते ही मेरे प्राण सूख गए। ऐसे-ऐसे दारुण दृश्य कि मैं अधमरी और मर गई। मित्रों को दया आई... 'छोड़ो जी, मुकदमा करना तुम्हारे बस का नहीं। तुम तो लिखती रही हो। मुसीबत में पड़े निर्धन लेखकों को सरकार हर महीने वजीफा देती है, यानी गुजारा राशि। मिल जाए तो हम लोग भी बेफिकर हो जाएंगे। हम पर दया करो देवी, इस आवेदन पत्र पर दस्तखत कर दो।'

मुझ मरी-हरी को तो जैसे काठ ही मार गया। जीवन चलाने के लिए सरकार से पैसा लूं। मैंने जितना शास्त्र पढ़ा, जाना और समझा था, उसके अनुसार मनुष्य योनि बड़ी मुश्किल से मिलती है। मनुष्य योनि पाने की स्थिति में जीवात्मा अपने माता-पिता, परिवार, स्थान खुद ही चुनता है। कई बार शरीर धारण करने की बेचैन व्याकुलता में वह किसी भी जगह, किसी भी माता-पिता से पैदा हो जाता है। खैर जो हो, यह तो स्पष्ट है कि इस दुनिया में मैं अपनी मर्जी से आई हूं। जब अपनी मर्जी से आई हूं तो गिड़गिड़ाऊं दूसरे से कि मुझे जीवन चलाने के लिए पैसा दो। राम-राम, यह तो मुझसे न होगा। मगर मैं तो अपने बस में थी नहीं। मैं तो थी उन मित्रों के बस में। आवेदन पत्र देखा, पढ़ा न जाए। इतनी दीनता, ऐसी कातर याचना! यही मनुष्य 'ब्रह्म का अंश' होने का मुगालता पाले है। पशु-पक्षी, कीड़े-मकोड़े अपना जीवन चला लेते हैं, सहजता से। एक मैं मनुष्य, इस तरह गिड़गिड़ा रही हूं। भीतर हाहाकार करती ग्लानि, हाथ दस्तखत कर रहे थे। गैलिलियो झलके...'आई विल डू, ऐज यू विश।' मित्र इंतजार करते रहे। खबर आई कि मेरा आवेदन अस्वीकृत। मित्र गुस्से से पागल... 'बताओ इतनी अच्छी लेखिका। इतने राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार जीत चुकी है। राष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में छप चुकी है, इसे नहीं दिया, दिया होगा किसी अपने टट्टू को। आज हमारी भी सिफारिश होती, पहुंच होती, मुट्ठी गरम किए होते, तो हो जाता इनका भी। मगर दोष तो इनका भी है। आज की दुनिया मिलने-जुलने की है। अपना ढोल खुद बजाने की है। ये तो किसी से मिलती-जुलती ही नहीं। बात तक नहीं करती। जाने किस बात की अकड़ है इन्हें तो।'

वे गुस्से में बिलबिलाते रहे और मैं, मेरे तो दिल में खुशी के बुलबुले फूट रहे थे। जैसे सारी ग्लानि, सारी दीनता से मुझे एकबारगी मुक्ति मिल गई। रग-रग में खुशी हिलोरें ले रही थी। कूदूं, नाचूं कि खुशी के मारे धरती में लोट-पोट होऊं। विलक्षण खुशी। अब तक के जीवन का 'सर्वाधिक खुशी का क्षण।' मेरा चेहरा खुशी में दमकता देख वे गुस्से से बिफरने लगे... 'लाइए तो अपनी सभी प्रकाशित रचनाएं, पुरस्कार, सम्मानपत्र, पदक, स्मृति चिन्ह और चलिए हमारे साथ मिलते हैं सांस्कृतिक सचिव से, मंत्री से, नहीं जी सीधे मुख्यमंत्री से। राष्ट्रीय स्तर की नामी लेखिका के साथ इतना बड़ा अन्याय।'

मगर मैं वह सब लाने के बजाय घुस गई पास के दर्जी मन्नू भाई की दुकान में। मांग लाई ढेर सारे कपड़े। काज, बटन, तुरपाई के, सीवन खोलने के। मित्र भड़क कर जो भागे कि फिर दिखे नहीं। बोले, जाए मरे सिरफिरी।

कुछ दिन किराए की छोटी सी कुठरिया में बैठी यही सब करती रही। काज, बटन, तुरपाई। साड़ियों में फाल लगाना। पीको। वे जो पैसा देते, चुपचाप ले लेती। रोटी पेट में जाने लगी। अपनी कमाई रोटी। अपनी छत। दबाव किसी का नहीं।

मन शांत हुआ। बुद्धि क्रियाशील। मैं अपने 'स्वत्व' में आ गई। आत्मबोध सजग हो उठा। मैंने अपनी स्वाभाविक प्रकृति के अनुकूल काम शुरू कर दिया, यानी पढ़ाना। पढ़ाया। बच्चों को, बड़ों को। आगे का हाल आप लोग खुद जानते हैं। नामी टीचर कहलाने लगी। पैसे को प्रमुखता देने की प्रवृत्ति थी नहीं।

जीवन की गुणवत्ता प्रमुख रही। ठीक-ठाक आमदनी, सीमित आवश्यकताएं, मैं भी भूखा न रहूं, साधु न भूखा जाए।

इसी बीच सरकार की ढेरों मुफ्त बांटने वाली योजनाएं आईं। लोग टूट पड़े, लूटने के लिए। क्या गरीब क्या अमीर। लोग मुझे समझाए... 'सरकार तो माई-बाप होती है। दे रही है तो क्यों न लो। लो और ठाठ से रहो।'

अब मैं क्या बताऊं। मुझे तो मां-बाप से भी पैसा लेने में ग्लानि होती थी। कॉलेज पहुंचते-पहुंचते मैं ट्यूशन करके अपना खर्च निकालने लगी थी। अब जब मैंने घोर दारुण हालात में 'गुजारा' नहीं लिया तो मैं क्या ये मुफ्त रेवड़ियां बांटने वाली लाइन में लगूं। मैं तो ध्यान भी नहीं देती कि सरकार क्या-क्या मुफ्त बांट रही है। वह 'सर्वाधिक खुशी' जो उस क्षण उभरी थी मेरे अंतर में समाई ही रही मेरे भीतर। और खुशी के पल आए और गए, पर यह खुशी अक्षुण्ण हो गई। अखंड दीप जलता है उस खुशी का मेरे भीतर। मानवीय गरिमा का अद्भुत प्रकाश, अनूठी ऊर्जा फेंकता। लोग कहते हैं... 'ये मैडम एकदम सिरफिरी हैं।' आप तो पत्रकार हैं। खोज-खोज कर ऐसे व्यक्ति लाते हैं, जिन्हें सरकार की मुफ्त वाली योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाया। अब जरा उन व्यक्तियों की भी खोजबीन कीजिए, जो अपनी मामूली कमाई में सहज, सरलता से जीते हैं। मुफ्त बांटने वाली सरकारी योजनाओं पर ध्यान ही नहीं देते। वे सब रेवड़ियां उनके ठेंगे से। पता कीजिए न, क्या ऐसे सिरफिरे और भी हैं। मुझे तसल्ली होगी। मन तो कहता है, मां भारती को भी तसल्ली होगी। *

खबर संक्षेप

कार में भीषण आग महिला की जलकर मौत

छपरा। बिहार के सारण (छपरा) जिले में शनिवार को एक चलती कार में भीषण आग लगने से महिला

की जिंदा जलकर मौत हो गई। कार में सवार महिला के पति ने कूदकर अपनी जान बचा ली। दंपति अयोध्या से राम मंदिर के दर्शन कर घर लौट रहे थे। घटना शनिवार अहले सुबह करीब तीन से चार बजे के बीच तरैया थाना इलाके में बगही प्राथमिक विद्यालय के पास पानापुर रोड पर हुई। हादसे में झुलसे पति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतका की पहचान सारण जिले के अवतार नगर थाना क्षेत्र के पकवलिया गोरायपुर गांव निवासी के रूप में हुई।

1.13 करोड़ का सोना बरामद, एक गिरफ्तार

किशनगंज। सीमांचल और बंगाल में खपाए जाने वाले सोना को बीएसएफ और डीआरआई की टीम

ने बरामद किया। बाजार में इसकी कीमत एक करोड़ 13 लाख रुपए है। यह कार्रवाई बिहार के उत्तर बंगाल फ्रंटियर के किशनगंज सेक्टर अंतर्गत इस्लामपुर बस स्टैंड के पास की गई। टीम ने स्कूलपारा निवासी भीम सुभाष विभुते के घर और उसकी दुकान पर छापेमारी की। इस दौरान विदेशी मूल के सोने की 8 बिस्कुट (वजन 932.800 ग्राम) मिले। इसकी कीमत 67,25,488 रुपए है।

इकबाल की 4440 करोड़ की संपत्ति जब्त

लखनऊ। दुबई में छिपे खनन माफिया पूर्व एमएलसी हाजी इकबाल पर ईडी ने बड़ी कार्रवाई

की है। ईडी के लखनऊ जोनल कार्यालय ने शुक्रवार को सहारनपुर की ग्लोकल यूनिवर्सिटी की 4440 करोड़ रुपये मूल्य की 121 एकड़ भूमि और भवनों को अस्थाई तौर पर जब्त कर लिया। ये संपत्तियां अब्दुल वाहीद एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के नाम पर पंजीकृत हैं। इस ट्रस्ट का प्रबंधन, नियंत्रण और संचालन हाजी इकबाल और उनके परिवार द्वारा किया जाता है।

श्रद्धालुओं की आवाजाही होगी आसान

महाकुंभ से पहले प्रयागराज तक गंगा में चलेगा क्रूज मोटरबोट का भी होगा संचालन, जल्द होगा ट्रायल रन

श्रीकाशी विश्वनाथ कॉरिडोर से प्रयागराज के बीच चलने वाले क्रूज और मोटर बोट को मिर्जापुर से भी जोड़ने की तैयारी चल रही है। काशी के बाद विंध्याचल में भी श्रद्धालुओं की आवाजाही होती है। जलपरिवहन और पर्यटन अधिकारियों के अनुसार मिर्जापुर-प्रयागराज को भी जोड़ा जाएगा। इस पर चर्चा चल रही है।

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

महाकुंभ से पहले जलमार्ग और सड़क के रास्ते वाराणसी-प्रयागराज की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। जलमार्ग के जरिये काशी से प्रयागराज के बीच क्रूज, मिएजेंसी, वाराणसी। महाकुंभ से पहले जलमार्ग और सड़क के रास्ते वाराणसी-प्रयागराज की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। जलमार्ग के जरिये काशी से प्रयागराज के बीच क्रूज, मिनी क्रूज और मोटर बोट का संचालन किया जाएगा। इसके लिए चैनेलाइजेशन (तटीयकरण) का काम शुरू होने वाला है। इसके तहत गेज और ड्रेजिंग का काम होगा। वाराणसी-प्रयागराज जलमार्ग को दुरुस्त कराने के बाद क्रूज और मोटर बोट का ट्रायल रन कराया जाएगा। इस संबंध में प्रयागराज के मेला अधिकारियों, पर्यटन संग भारतीय राष्ट्रीय जलमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों संग वार्ता हुई है। पहली बार ऐसा होगा कि वाराणसी-प्रयागराज के बीच नई ई-बसें संचालित की जाएंगी। सड़क और जलमार्ग से श्रद्धालुओं की राह आसान और सुगम होगी।

मिनी क्रूज और मोटर बोट का संचालन किया जाएगा। इसके लिए चैनेलाइजेशन (तटीयकरण) का काम शुरू होने वाला है। इसके तहत गेज और ड्रेजिंग का काम होगा। वाराणसी-प्रयागराज जलमार्ग को दुरुस्त कराने के बाद क्रूज और मोटर बोट का ट्रायल रन कराया जाएगा। इस संबंध में प्रयागराज के मेला अधिकारियों, पर्यटन संग भारतीय राष्ट्रीय जलमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों संग वार्ता हुई है। पहली बार ऐसा होगा कि वाराणसी-प्रयागराज के बीच नई ई-बसें संचालित की जाएंगी। सड़क और जलमार्ग से श्रद्धालुओं की राह आसान और सुगम होगी।

खास बातें

- वाराणसी-प्रयागराज की कनेक्टिविटी मजबूत होगी
- मिनी क्रूज भी चलाई जाएगी
- जलस्तर बनाए रखने के लिए चैनेलाइजेशन का काम शुरू
- पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

जुलाई के बाद काम में लाई जाएगी तेजी

पर्यटन और जल परिवहन अधिकारियों के अनुसार महाकुंभ में काशी और प्रयागराज के बीच श्रद्धालुओं का दबाव सड़क मार्ग पर अधिक होता है। इस बार तय हुआ है कि जलमार्ग के जरिये श्रद्धालुओं की आवाजाही कराई जाए। इसके तहत जलमार्ग को दुरूस्त कराने की प्रक्रिया चल रही है। क्रूज, मिनी क्रूज और मोटर बोट तक की सुविधा श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जाएगी। जुलाई माह के बाद से काम तेजी से होगा। काशी-प्रयागराज के बीच जलस्तर बेहतर हो, इसके लिए चैनेलाइजेशन का काम होगा।

नई ई-बसों में सफर करेंगे श्रद्धालु

वाराणसी-प्रयागराज के बीच नई ई-बसें चलाई जाएंगी। वातानुकूलित, आरामदायक सीट और वाजिब किराया होगा। पहली बार होगा कि निगम की ओर से ई-बसें चलेंगी। अब तक डीजल बसें ही संचालित होती रही हैं। यूपीएसआरटीसी वाराणसी के क्षेत्रीय प्रबंधक गौरव वर्मा ने बताया कि पूर्व में हुई बैठक में तय हुआ है कि महाकुंभ के लिए ई-बसें चलाई जाएं। इसकी तैयारियां चल रही हैं। परिवहन निगम की ओर से पहली बार ई-बसें चलेंगी।

घोसी में हार पर कैबिनेट मंत्रियों में रार

ओपी राजभर पर अनिल राजभर का हमला समाज के लोग दूर क्यों इस पर करें विचार

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

यूपी में घोसी लोकसभा सीट पर सपा की जीत और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) प्रमुख ओपी राजभर के बेटे अरविंद राजभर की हार पर योगी सरकार के दो कैबिनेट मंत्रियों में जुबानी जंग तेज हो गई है। ओपी राजभर का कल एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें राजभर ने पीएम मोदी और सीएम योगी को जनता की तरफ से नकारने की बात बोली थी। इसी को लेकर कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने पलटवार करते हुए कहा कि उनके बेटे (अरविंद राजभर) को जो वोट मिला है वो भाजपा का वोट है। ओपी राजभर से समाज के लोग क्यों दूर गए? इस पर उन्हें विचार करना चाहिए।

विरोधियों की भाषा न बोलें

वाराणसी के सर्किट हाउस में कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि ओपी राजभर खुद अपनी विधानसभा नहीं बचा सके थे। घोसी में निर्दलीय प्रत्याशी लीलावती राजभर को 45 हजार वोट मिले। जहूराबाद से वह विधायक हैं। वहां से भी एनडीए के प्रत्याशी नीरज शेखर 15 हजार वोटों से हार गए हैं। उन्होंने नसीहत दी कि खबर में बने रहने के लिए इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए। कहा कि ये वक्त ईमानदारी से हार की समीक्षा करने का है। ओपी राजभर को ये भाषा नहीं बोलना चाहिए जो विरोधी बोल रहे हैं।

छवि को धूमिल करने का प्रयास

वहीं, ओपी राजभर ने इस वीडियो को साजिश बताया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ हमारे नेता हैं और हम सभी उनके नेतृत्व में प्रदेश के विकास हेतु समर्पित है, उनके दिशानिर्देश पर कार्य कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। हमारी छवि को धूमिल करने हेतु तोड़-मरोड़ कर प्रायोजित ढंग से एक वीडियो कुछ न्यूज़ चैनलों पर प्रसारित किया जा रहा है।

बैठक में सीएम योगी ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

निर्माणाधीन परियोजनाओं में लेटलतीफी बर्दाश्त नहीं जवाबदेही के साथ सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें

18 जून को पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे से पहले सीएम योगी ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विकास परियोजनाओं, कानून एवं शांति व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्माणाधीन परियोजनाओं को समय से पूरा करने के लिए हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा।

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

पीएम नरेंद्र मोदी तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद पहली बार 18 जून को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे। इससे पहले शनिवार को सीएम ने सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ विकास, कानून एवं शांति व्यवस्था की समीक्षा की। सीएम ने बैठक के दौरान अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए।

योगी ने निर्माणाधीन परियोजनाओं को समय से पूरा करने के लिए हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक निर्माणाधीन परियोजना के लिए जनपद स्तर पर नोडल अधिकारियों नामित किया जाए जो समय-समय पर उसकी प्रगति एवं गुणवत्ता की निगरानी करें। सभी कार्यदायी एजेंसियों से कार्य की गुणवत्ता तथा समयावधि का ध्यान रखने को कहा। सभी गतिमान परियोजनाओं पर मानव संसाधन की उचित व्यवस्था कराकर कार्य में तेजी लाएं।

खास बातें

- पेयजल परियोजनाओं के कार्यों में तेजी लाएं
- भ्रामक खबरों पर सख्ती बरतें
- पीआरवी एवं पिकेट की तैनाती प्रभावी तरीके से करें
- प्रशासन एवं जनप्रतिनिधि समन्वय बनाकर कार्य करें

निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो

सीएम योगी ने कहा कि निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो, किसी दशा में पावर कट न हो। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या के समाधान के लिए पाइप पेयजल योजनाओं के कार्यों में तेजी लाएं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर बारीक नजर रखें। भ्रामक खबरों पर सख्ती बरतें। पीआरवी एवं पिकेट की तैनाती प्रभावी तरीके से करें।

मानक अनुसार कार्य कराएं

योगी ने कहा कि प्रशासन एवं जनप्रतिनिधि समन्वय बनाकर कार्य करें। कनेक्टिविटी की परियोजनाओं में संबंधित कार्यदायी एजेंसियां केवल चार लेन सड़क के निर्माण कार्य ही नहीं, बल्कि अगल-बगल की कॉलोनियों एवं मोहल्लों का भी ध्यान रखते हुए मानक अनुसार निर्माण कार्य कराएं।

बकरीद पर कराएं विशेष साफ-सफाई

सीएम योगी ने बकरीद त्योहार से पूर्व और बाद में नगर निगम को विशेष साफ-सफाई की व्यवस्था करने की हिदायत दी। त्योहार एवं स्वच्छता के दृष्टिगत वरुणा नदी की साफ-सफाई के लिए नगर निगम और सिंचाई विभाग को जिम्मेदारी दी। उन्होंने त्योहार एवं प्रधानमंत्री के आगमन के दृष्टिगत पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर में सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफिक जाम की समस्या के समुचित समाधान करने के साथ ही इसके लिए जवाबदेही सुनिश्चित करें।

पीएम जारी करेंगे 20 हजार करोड़ रुपए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता संभालने के बाद पहली बार 18 जून को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे। इस दौरान वह देश भर के 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों के लिए 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करेंगे। मोदी स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के 30 हजार से अधिक सदस्यों को प्रमाण पत्र भी प्रदान करेंगे, जिन्हें कृषि सखियों के रूप में प्रशिक्षित किया गया है, ताकि वे पैरा-विस्तार कार्यकर्ता के रूप में काम कर सकें और साथी किसानों को खेती में मदद कर सकें।

झारखंड जमीन घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

दर्जनों खाते फ्रीज, दो दर्जन बैंक अधिकारियों को बनाया गवाह

एजेंसी ▶▶ रांची

जमीन घोटाले में हेमंत सोरेन से जुड़े मामले में ईडी ने जमीन के फर्जी दस्तावेज बनाने वाले सिंडिकेट सदस्यों के दर्जनों बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है। वहीं, ईडी ने इस मामले में रजिस्ट्रार ऑफ एश्योरेंस के हेड असिस्टेंट असीत बरन दास, रांची शहर अंचल के सीओ मुंशी राम समेत दो दर्जन बैंक अधिकारियों को भी गवाह बनाया है।

ईडी के द्वारा रजिस्ट्रार ऑफ एश्योरेंस के दो कर्मियों संजीत कुमार व तापस घोष पर चार्जशीट दायर की गई थी। रजिस्ट्रार ऑफ एश्योरेंस के द्वारा हेयर स्ट्रीट थाने में भी एक केस दर्ज कराया गया था,

जिसमें रांची की जमीनों से जुड़े फर्जीवाड़े की जांच की जा रही है। सिंडिकेट सदस्य सद्दाम हुसैन के एचडीएफसी बैंक के खाते से अंतु तिर्की, प्रिय रंजन सहाय, शेखर कुशवाहा, मो इरशाद के साथ ट्रांजेक्शन के साक्ष्य मिले हैं। बरामद डायरियों में बड़े पैमाने पर अवैध तरीके से नगद लेन-देन के साक्ष्य एजेंसी को मिले हैं।

तीन बैंक में जमा किए 24.90 लाख रुपए

आरोपियों ने अधिकतर डील नगद में होने की बात स्वीकार की है। इसके बावजूद प्रियरंजन सहाय व उसकी पत्नी के कुल तीन बैंक खातों में जमा 24.90 लाख रुपए व छापेमारी के दौरान मिले 6 लाख रुपए फ्रीज कर दिए गए हैं। वहीं, शहर अंचल के क्लर्क मनोज कुमार यादव के बैंक खाते को भी फ्रिज कर दिया गया है। मनोज यादव व उसकी पत्नी रेखा यादव के बैंक खातों में जमीन सिंडिकेट के सदस्यों ने अलग अलग तारीखों में कुल 5.07 लाख रुपए डाले थे। ईडी ने जांच में पाया है कि प्रियरंजन सहाय के इंडियन बैंक के खाते में 11 सितंबर 2019 से 11 जुलाई 2023 के बीच जमीन सिंडिकेट के लोगों के द्वारा 15.18 लाख रुपए डाले गए थे।

4.83 एकड़ जमीन को लेकर किया लेन-देन

प्रियरंजन सहाय के खाते से जमीन मालिक के वंशज दिलेश्वर महतो, दिलनाथ महतो, गबेश्वर महतो को क्रमशः 5 लाख, 10 लाख 87 रुपए, 10 लाख 16 रुपए, 2.50 लाख दिए गए। कुमार राजश्री के खाते से 18 फरवरी 2022 को 30 लाख, कुशवाहा इंजीकॉन के खाते से 10 लाख रुपए क्रेडिट भी हुए। ईडी ने बताया है कि पैसों का लेन-देन 4.83 एकड़ जमीन को लेकर किया गया था, जिसका एग्रीमेंट शेखर कुशवाहा व प्रियरंजन सहाय ने किया था। वहीं विपिन सिंह के खाते में 1 फरवरी 2019 से 30 दिसंबर 2023 तक 15.84 लाख रुपए जमा किए गए थे। जमीन के लिए सादे पन्नों का जुगाड़ करने वाले रजिस्टार ऑफ एश्योरेंस के कर्मी तापस घोष व उसकी पत्नी के खाते में अलग-अलग तारीखों में कुल 8 लाख जमा कराए गए थे। छह अप्रैल 2022 को एक ही दिन में रांची से तापस के खाते में कुल 4.80 लाख रुपए डाले गए थे।

मनोज यादव को दिए 3.59 लाख रुपए

ईडी ने शहर अंचल के क्लर्क व चार्जशीटेड मनोज कुमार यादव के बैंक खातों की पड़ताल में पाया है कि 2 नवंबर 2023 व उसके बाद की दो तारीखों में 1.50 लाख व साल 2018-22 के बीच कुल 3.59 लाख रुपए का भुगतान जमीन सिंडिकेट के आरोपियों ने किया था। मो इरशाद के एक्सिस बैंक के खाते में आरोपी मो सद्दाम हुसैन, अफसर अली ने 12.25 रुपए डाले थे। बदले में इरशाद फर्जी डीड की राइटिंग करता था। संजीत घोष को कागज उपलब्ध कराने के एवज में महज 60 हजार दिए गए थे।

ऑनलाइन होंगे राजस्व से जुड़े सभी दस्तावेज कागजात हासिल करने में नहीं होगी परेशानी

पटना। बिहार में अब आम लोगों को राजस्व दस्तावेज ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर होने के बाद दो दिनों के अंदर यह दस्तावेज उन्हें मिल जाएगा। राज्य मंत्रिपरिषद ने सीएम नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में शुक्रवार को इस योजना को मंजूरी दे दी। बैठक में 25 प्रस्तावों पर अपनी सहमति दी गई। इससे राज्य के करोड़ों लोगों को अपनी जमीनों के कागजात हासिल करने में सहूलियत होगी।

पेज 1 का शेष

डाउन सिंड्रोम बच्चे ...

और नाम दिया अवनीश। आदित्य ने अवनीश को गोद लेकर न सिर्फ उपचार कराया, बल्कि समुचित देखभाल करते हुए उन्हें हर समय बेहतर काम के लिए प्रोत्सहित किया। आदित्य की प्रेरणा और सकारात्मक प्रयास की बदौलत अवनीश ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए और आज अपनी प्रतिभा के दम पर देश-दुनिया में नाम रोशन कर रहे हैं। आज 9 वर्षीय अवनीश के नाम कई उपलब्धियां हैं। आदित्य ने लंबी कानूनी लड़ाई के बाद वर्ष 2016 में भोपाल के एक अनाथ आश्रम से बिन्नी को गोद लिया था। तब बिन्नी की उम्र 2 साल थी। आदित्य ने उसका नाम अवनीश रखा। अवनीश के दिल में छेद है और घुटने भी ठीक से काम नहीं कर रहे थे। इन समस्याओं से परेशान होकर अवनीश को उनके माता-पिता ने जन्म के बाद ही अनाथाश्रम में छोड़ दिया था। हाल ही में अवनीश को राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से नवाजा गया है। इसके अलावा अवनीश के नाम सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग बाल पुरस्कार, चार वर्ल्ड रिकॉर्ड, 30 से ज्यादा एक्सीलेंस अवार्ड, 2023 में चाइल्ड आइकॉन अवार्ड, डाउन सिंड्रोम एक्सीलेंस अवार्ड, एवरेस्ट पर 6000 मीटर की ट्रैकिंग रिकॉर्ड सहित कई उपलब्धियां हैं। 7 साल की उम्र में गंभीर बीमारियों को मात देकर अवनीश ने एवरेस्ट फतह किया था।

अब पिता और पुत्र बच्चों...

विभिन्न फोरम पर अपनी बात रखी। नतीजन निर्णय आदित्य के पक्ष में हुए और नियमों में बदलाव भी हुआ। जिसके बाद 2016 में आदित्य ने बिन्नी को गोद लिया। अवनीश इंदौर के पास महू स्थित आर्मी स्कूल में पढ़ते हैं। सबसे बड़ी बात यह है इस स्कूल के लिए सिलेक्शन मैरिट बेसेस पर हुआ था। अब पिता और पुत्र दोनों ही बच्चों के अधिकार सुरक्षित

पेज 3 का शेष

चरमपंथियों के ...

जस्टिन ट्रूडो के साथ हुई मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि जी-7 में कनाडा के प्रधानमंत्री से मुलाकात हुई। लेकिन तब दोनों के बीच क्या बातचीत हुई? उसके बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिली है। यहां बता दें कि पिछले साल सितंबर महीने में खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े एक मामले को लेकर भारत और कनाडा के आपसी संबंधों में आए जबरदस्त तनाव के बीच दोनों नेताओं की यह मुलाकात हुई है।

निज्जर को भारत ने घोषित किया आतंकी: भारत ने हरदीप सिंह निज्जर को आतंकवादी घोषित किया हुआ है। जिसकी पिछले साल 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया में एक गुरुद्वारे के बाहर हत्या कर दी गई थी। इस मामले की कनाडा की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) द्वारा जांच की जा रही है।

भाजपा ने पश्चिम ...

कहीं भी राजनीतिक हिंसा की घटनाएं लोकसभा चुनाव में नहीं हुई। देश के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में लोकसभा चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुए हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल ही एकमात्र ऐसा राज्य है जहां चुनाव के बाद भी हिंसा जारी है और विपक्ष के कार्यकर्ताओं तथा मतदाताओं पर हमले हो रहे हैं। पश्चिम बंगाल में ऐसी ही घटनाएं 2021 के विधानसभा चुनावों में भी देखी गई थी। भाजपा का आरोप है कि मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी हिंसा की घटनाओं पर मूक दर्शक बनी हुई है। कोलकता हाईकोर्ट ने राज्य में हो रही हिंसा को गंभीरता से लेते हुए सीएपीएफ की तैनाती 21 जून तक बढ़ाई है।

हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा समिति (एचएसटीईएस) पंचकूला
वेबसाइट : hstes.org.in, techadmissionshry.gov.in
ई-मेल : onlineadmissionhelp@gmail.com,
टोल फ्री प्रवेश हैल्पलाइन नं.: 1800-137-3735

बी.फार्मेसी सत्र 2024-25 में प्रवेश

यह सभी प्रवेश लेने के इच्छुक और आमजन की जानकारी हेतु है कि सत्र 2024-25 हेतु हरियाणा राज्य में स्थित सभी राजकीय/निजी/डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय विभागों और सभी सेल्फ-फाइनेंसिंग इंस्टीट्यूशंस में बी.फार्मेसी कोर्स में प्रवेश एचएसटीईएस द्वारा आयोजित ऑनलाइन कॉमन प्रवेश परीक्षा (ओसीईटी)-2024 के इंटर-से-रैंक के आधार पर किए जाएंगे। बी.फार्मेसी में प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को ओसीईटी-2024 में उपस्थित होना आवश्यक है और उन्हें निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुरूप http://techadmissionshry.gov.in पर पंजीकरण करवाना होगा :-

क्र. सं.	कोर्स का नाम	अवधि	प्रवेश का आधार (ईडब्ल्यूएस, टीएफडब्ल्यू श्रेणियों समेत)	पंजीकरण कार्यक्रम*
1.	बी.फार्मेसी	4 वर्ष	एचएसटीईएस द्वारा आयोजित ऑनलाइन कॉमन प्रवेश परीक्षा (ओसीईटी)-2024 के इंटर-से-रैंक	13.06.2024 से आगे तक

***केवल वे उम्मीदवार जो ओसीईटी-2024 में उपस्थित हुए हैं, ऑनलाइन सेंट्रलाइज्ड काउंसलिंग्स में भाग ले सकते हैं।**

टिप्पणी :-

1. पात्रता, ओसीईटी केन्द्र की सूची, संस्थानों, शुल्क संरचना, काउंसलिंग कार्यक्रम इत्यादि के सम्बन्ध में पूर्ण विवरण हेतु, कृपया www.hstes.org.in और **http://techadmissionshry.gov.in** पर उपलब्ध प्रवेश विवरणिका के लिए एचएसटीईएस वेबसाइट्स पर पधारें।
2. हरियाणा राज्य से उम्मीदवारों को अपने परिवार पहचान-पत्र (पीपीपी) आईडी अथवा "दि हरियाणा परिवार पहचान एक्ट, 2021" के प्रावधानों के अनुरूप आधार नम्बर (यदि आवेदक को पीपीपी आईडी याद नहीं है) अवश्य प्रदान करना चाहिए। (https://meraparivar.haryana.gov.in देखें)।
3. उम्मीदवारों को प्रवेश और ओसीईटी सम्बन्धित नवीनतम जानकारी हेतु समय-समय पर एचएसटीईएस वेबसाइट्स : www.hstes.org.in और **http://techadmissionshry.gov.in** पर पधारने का परामर्श दिया जाता है।

techadmissionshry.gov.in
hstes.org.in

पीआरडीएच-1115/11/317/2025/26746/88/7 दि. 13.06.24
संयुक्त निदेशक, एचएसटीईएस

यह बात सही है कि हमने पिछले 10 वर्षों में ऐसी मोदी सरकार देखी है जिसके पास भाजपा का बहुमत था और ऐसे बड़े से बड़े फैसले हुए, संवैधानिक-प्रशासनिक एवं नीतियों के स्तर पर ऐसे आमूल बदलाव के निर्णय हुए जिनकी पहले कल्पना नहीं थी। ध्यान रखिए कि पूर्व की गठबंधन सरकारों की तरह इस सरकार के गठन, मंत्रियों को सरकार में लेने या विभागों के बंटवारे में किसी तरह की खींचतान हमारे सामने नहीं आई। सभी सहयोगी दल संतुष्ट नजर आ रहे हैं। यह अन्य गठबंधन सरकारों से इसे अलग करता है। पूर्व की गठबंधन सरकारों से वर्तमान में मोदी की गठबंधन सरकार अपने चरित्र, आंतरिक संरचना, वातावरण व सामूहिक मनोविज्ञान आदि के स्तर पर काफी हद तक अलग है। विपक्ष कितनी भी आशंका जाहिर करे, लेकिन पीएम मोदी की तीसरी पारी की राजग सरकार बड़े से बड़े फैसले लेने में सक्षम है, अगले चरण के आर्थिक सुधार करने में समर्थ है। मोदी 3.0 सरकार चुनावी वादे भी पूरा करेगी, सहयोगियों की आकांक्षाओं को भी पूरा करेगी, आत्मनिर्भर व समावेशी भारत के अपने लक्ष्य को भी आगे बढ़ाएगी। इटली में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने जिस आत्मविश्वास से विश्व को युद्ध छोड़ शांति का मार्ग अपनाने की अपील की है, यह उनकी सरकार की मजबूती के संकेत हैं। आजकल के इस अंक में पेश है एक विश्लेषण...

समग्र विकास को गति देने की बारी

विश्लेषण
अवधेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

भाजपा व्यापक विचारधारा और एजेंडा वाली पार्टी है,जो एक बड़े संगठन परिवार के साथ संबद्ध है। इसमें यदि पूरे संगठन परिवार और स्वयं भाजपा में प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं तथा बाहर समर्थकों को लगा कि मोदी सरकार-3 पिछले दो सरकारों से अलग निश्चित दिशा की पटरी से थोड़ी उतरी है या दूसरी दिशा में जा रही है तो उनके अंदर निराशा होगी। इस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार के रणनीतिकारों को दोनों के बीच संतुलन बनाकर चलने की चुनौती है। इस समय भविष्य की तस्वीर के बारे में निश्चिंतता के साथ पूरी तरह भविष्य की तस्वीर बनाने की बजाय हमें थोड़ी प्रतीक्षा करनी चाहिए। इस राजग सरकार पर कोई दबाव नहीं दिख रही है।

भारत में गठबंधन सरकारों के काम करने और उसके संचालन का अनुभव बहुत अच्छा नहीं रहा है। हालांकि गठबंधन सरकार के समय बड़े-बड़े फैसले हुए हैं। गठबंधन में सरकार का नेतृत्व करने वाले दल और नेता पर साथी दल अधिक से अधिक मंत्री बनाने और जिन्हें वो चाहते हैं उन्हें मंत्री के रूप में स्वीकार करने तथा बाद में अपने अनुसार नीतियां बनवाने या बदलवाने के लिए दबाव डालते रहे हैं। अपनी बात न मानने पर समर्थन वापसी तथा सरकार के अस्थिर होने, गिर जाने, कमजोर हो जाने की घटनाएं भी हमने देखी हैं। जानते और चाहते हुए भी कई बार प्रधानमंत्री को नीतियों के स्तर पर वैसे कदम उठाने से स्वयं को रोकना पड़ा या उठाए हुए कदम वापस लेने पड़े जो देश के लिए आवश्यक थे। डॉ मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान ऐसी कई घटनाएं हुईं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली वर्तमान गठबंधन सरकार को लेकर कोई आशंका उठती है तो उसे इस पृष्ठभूमि में तत्काल खारिज भी नहीं किया जा सकता। हालांकि विपक्ष इसे कमजोर व लंगड़ी सरकार बता रहा है, तो उससे पूछा जाना चाहिए कि इसके समानांतर अगर सत्ता में वे आते तो उनकी सरकार कैसी होती? कम से कम इस सरकार में एक इतनी बड़ी पार्टी है जिसके आसपास भी कोई दल नहीं। राहुल गांधी जी के शब्दों में अगर यह क्रिपल्ड सरकार है तो 'इंडिया' की सरकार क्या ठोस चट्टान वाली होती? कहने का तात्पर्य कि हमें आशंकाओं या विपक्ष की अतिवादी आलोचनाओं में जाने की जगह वास्तविकताओं के आधार पर इसके वर्तमान एवं भविष्य का आंकलन करना चाहिए। इस प्रश्न का उत्तर तलाशना चाहिए कि आखिर अब मंत्रिमंडल गठन के बाद सरकार कैसे काम करेगी? सरकार की दिशा और दशा क्या होगी?

खींचतान सामने नहीं आई

यह बात सही है कि हमने पिछले 10 वर्षों में ऐसी मोदी सरकार देखी है जिसके पास भाजपा का बहुमत था और ऐसे बड़े से बड़े फैसले हुए, संवैधानिक-प्रशासनिक एवं नीतियों के स्तर पर ऐसे आमूल बदलाव के निर्णय हुए जिनकी पहले कल्पना नहीं थी। स्वयं सरकार व देश को 10 वर्षों के इस अभ्यास से बाहर निकालना कठिन होगा, लेकिन क्या वाकई इससे बाहर निकालने की अभी ही आवश्यकता महसूस होती है या संभावना दिखाई देती है? ध्यान रखिए कि पूर्व की गठबंधन सरकारों की तरह इस सरकार के गठन, मंत्रियों को सरकार में लेने या विभागों के बंटवारे में किसी तरह की खींचतान हमारे सामने नहीं आई। यह अन्य गठबंधन सरकारों से इसे अलग करता है। 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में साथी दलों के 11 मंत्रियों का होना ऐसी संख्या नहीं है जिसे लेकर इस आरोप को स्वीकार कर लिया जाए कि प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह पर साथी दलों का बहुत ज्यादा दबाव था। दूसरे, विभागों के बंटवारे में भी देखें तो जिन्हें जो मिला उसे लेकर कम से कम सार्वजनिक स्तर पर किसी ने भी अपना असंतोष प्रकट नहीं किया है। ज्यादातर का बयान यही है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश को विश्व की शीर्ष शक्ति बनाने के लिए काम कर रहे हैं। पूर्व की गठबंधन सरकारों में साथी दलों के नेता इस तरह बेहिचक प्रधानमंत्री का नाम नहीं लेते थे। तीसरे, इस सरकार की सबसे बड़ी विशेषता है, शीर्ष मंत्रालयों में फेरबदल न होना। आप देख लीजिए प्रधानमंत्री के बाद गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, विदेश मंत्रालय यहां तक कि शिक्षा मंत्रालय, सड़क परिवहन मंत्रालय आदि उन्हीं वरिष्ठ मंत्रियों के हाथ में हैं तो सरकार के मुख्य चेहरे के रूप में अभी भी प्रधानमंत्री के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस जयशंकर, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव आदि ही दिखाई देंगे। देश के लिए नीतिगत निर्णय में कैबिनेट कमिटी ऑन सिक्योरिटी अफेयर्स सुरक्षा मामलों के मंत्रिमंडलीय समिति की शीर्ष भूमिका होती है। इनमें प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृह मंत्री वित्त मंत्री होते हैं। इस दृष्टि से भी देखें तो सरकार के चरित्र में बदलाव नहीं हुआ है।

मजबूर नहीं सरकार

सरकार गठन के पहले मीडिया में साथी दलों द्वारा अलग-अलग मंत्रालयों के मांग की अटकलें आ रही थी, जिनमें बिहार द्वारा रेल मंत्रालय की मांग शामिल थी। हालांकि इसकी कहीं से पुष्टि नहीं हुई और जदयू के मंत्रियों को जो विभाग मिला उसका प्रभार उन्होंने संभाल लिया। कहने का यह अर्थ नहीं कि साथी दलों की अपनी राजनीतिक आवश्यकताओं और महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप चाहत नहीं होगी और उन्होंने प्रधानमंत्री या अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं के समक्ष अपनी बात रखी ही नहीं होगी। आगे भी वह अपनी बात नहीं रखेंगे ऐसा भी नहीं है। मूल बात है जिद पर अड़ना व सरकार को मजबूर करके अपने अनुकूल निर्णय बदलाव लेना। उदाहरण के लिए यूपीए सरकार में तृणमूल कांग्रेस की ओर से रेल मंत्री बने दिनेश त्रिवेदी ने अपने बजट में यात्रियों का जैसे ही किराया बढ़ाया ममता बनर्जी बिफर गईं। उन्होंने न केवल बजट में परिवर्तन करने बल्कि रेल मंत्रालय से हटाने का फरमान सुनाया और मनमोहन सरकार को ऐसा ही करना पड़ा। कम से कम वह स्थिति इस समय सरकार में नहीं दिख रही है। इसी तरह किसी सरकार के नेतृत्वकर्ता की अपनी आभा, देश और काम के प्रति समर्पण तथा उसका दृष्टिकोण व लक्ष्य सबसे ज्यादा प्रभावकारी होता है। इस मायने में प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व अन्य कई प्रधानमंत्रियों से अलग है। उन्होंने देश के विकास के बारे में व्यापक विजन रखा है, जिसमें अगले सवा सौ दिन, 5 साल और 2047 तक की कार्ययोजना शामिल है। साथी दलों में जद-यू और तेलुगू देशम पहले भी केंद्र और प्रदेश में साथ काम कर चुकी हैं। उन्हें पता है कि मोदी देश के लिए व्यापक विजन रखते हैं उसमें सभी राज्यों के विकास की उनकी कल्पना है। तो उन्हें नीतियों को लेकर कोई संभ्रम नहीं होगा। आने वाले वक्त में थोड़े बहुत राजनीतिक असहमति या मतभेद उभर सकते हैं लेकिन अभी तक ऐसा नहीं दिखा है कि किसी तरह के दबाव में सरकार के कदम रुकेंगे।

विपक्ष की आशंका निराधार

आमतौर पर गठबंधन सरकारों में यह मांग होती है कि कॉमन मिनिमम प्रोग्राम यानी समान न्यूनतम कार्यक्रम बनाकर आगे काम किया जाए। न राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेताओं ने चुनाव में जाने के पहले ऐसी मांग की और न सरकार गठन के पूर्व। भाजपा को बहुमत न मिलने के बाद उनके पास इसका अवसर था और वैसा कर सकते थे। अगर उन्होंने मांग नहीं की तो इसका अर्थ यही है कि पूर्व सरकार की ओर से जो एजेंडा रखा गया है उससे वह सहमत हैं। यह भी ध्यान रखिए कि भाजपा ने पिछले 10 सालों में अपने हिंदुत्व व राष्ट्रवाद संबंधी एजेंडा पर खुलकर काम किया है और शेष कार्यों के लिए उन्होंने घोषणाएं भी की है। उदाहरण के लिए समान नागरिक संहिता लाना उनके घोषणा पत्र में और स्वयं प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री अमित शाह के भाषणों में शामिल था। विपक्ष की सोच है कि ऐसी मांगों पर ही सरकार में दरार आ जाएगी और यह गिर सकती है। इसके विपरीत इस समय बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह बयान चल रहा है कि समान नागरिक संहिता में कोई समस्या नहीं है, लेकिन उसे पूरी तरह विचार विमर्श करने के बाद लाया जाना चाहिए। यह आवश्यक नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी आरंभ में ही समान नागरिक संहिता के लिए जोर डाल दें। निश्चित रूप से समय-समय पर विपक्ष संसद में एवं बाहर यह प्रश्न उठाएगा कि वह समान नागरिक संहिता क्यों नहीं ला रहे जैसे वे पहले धारा 370, राम जन्मभूमि आदि के बारे में इस सरकार को या पूर्व में वाजपेयी सरकार को घेरते थे। विपक्ष ने आशंका यह भी उठाई है कि नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक कभी भी गठबंधन सरकार चलाने का अनुभव नहीं है और जो उनका स्वभाव है उसमें इसे बहुत आगे खींचना संभव नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने सरकार गठन के पूर्व राजग की बैठक के भाषण में 15 बार एनडीए तथा आठ बार गठबंधन शब्द का प्रयोग किया। यह भी किसी बात का संकेत है।

काफी हद तक अलग गठबंधन सरकार

भाजपा व्यापक विचारधारा और एजेंडा वाली पार्टी है,जो एक बड़े संगठन परिवार के साथ संबद्ध है। इसमें यदि पूरे संगठन परिवार और स्वयं भाजपा के अंदर भारी संख्या में प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं तथा बाहर समर्थकों को लगा कि मोदी सरकार-3 पिछले दो सरकारों से अलग निश्चित दिशा की पटरी से थोड़ी उतरी है या दूसरी दिशा में जा रही है तो उनके अंदर निराशा होगी और इसलिए मोदी की राजग सरकार बेहतर काम करेगी। इस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार के रणनीतिकारों को दोनों के बीच संतुलन बनाकर चलने की चुनौती है। इस समय भविष्य की तस्वीर के बारे में निश्चिंतता के साथ पूरी तरह भविष्य की तस्वीर बनाने की बजाय हमें थोड़ी प्रतीक्षा करनी चाहिए। हां, इतना अवश्य कहा जा सकता है कि पूर्व की गठबंधन सरकारों से वर्तमान मोदी गठबंधन सरकार अपने चरित्र, आंतरिक संरचना, वातावरण व सामूहिक मनोविज्ञान आदि के स्तर पर काफी हद तक अलग है।

जी-7 के मंच से भारत का शांति संदेश

जी-7 सम्मेलन
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

जी-7 का शिखर सम्मेलन 13 से 15 जून को इटली के शहर अपुलिया में आयोजित किया गया। अक्टूबर 2022 में सत्ता संभालने के बाद इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी द्वारा पहली दफा किसी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी अंजाम दी गई। जी-7 शिखर सम्मेलन ऐसे विकट दौर में आयोजित हुआ, जबकि दुनिया के अनेक इलाकों में खासतौर पर रूस-यूक्रेन और गाजा में युद्ध जारी है। साथ ही जी-7 के देश विकराल घरेलू चुनौतियों से जूझ रहे हैं। इस वर्ष अमेरिका, इंग्लैंड और फ्रांस में चुनाव होना है। प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले जी-7 के शिखर सम्मेलन में भारत को भी विगत अनेक वर्षों से आमंत्रित किया जाता रहा है। विगत वर्ष 2023 के हिरोशिमा में आयोजित जी-7 सम्मेलन में भी भारत के प्रधानमंत्री आमंत्रित सदस्य के तौर पर उपस्थित हुए थे। वर्ष 2019 में फ्रांस में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन में भी भारत को आमंत्रित किया गया था। हालांकि भारत जी-7 ग्रुप का स्थायी सदस्य नहीं है, किंतु भारत को जी-7 के शिखर सम्मेलनों में शिरकत करने का निरंतर निमंत्रण मिलता रहा है। विकासशील भारत को जी-7 शिखर सम्मेलनों में निमंत्रण प्राप्त होने का एक विशिष्ट कारण यह भी रहा है कि भारत की 2.66 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का आकार अब जी-7 में शामिल तीन देशों क्रमशः इटली, फ्रांस, और कनाडा से भी कहीं अधिक बड़ा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के मुताबिक भारत दुनिया की सबसे तेज गति के साथ बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक हो गई है। भारत की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार पश्चिमी देशों से पृथक रही है, यूरोप में आर्थिक विकास की संभावना स्थिर सी हो गई है, लेकिन भारत में आर्थिक तरक्की की संभावनाएं काफी प्रबल रही हैं। हिंद प्रशांत क्षेत्र में सामरिक दृष्टि से भी भारत अहम है। भारत का लोकतांत्रिक होना भी पश्चिम को सूट करता है। निकट भविष्य में भारत को जी-7 का स्थायी सदस्य बनाया जा सकता है। जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वसुधैव कुटुंबकम की भावना के तहत वन अर्थ वन हेल्थ अर्थात एक विश्व एक स्वास्थ्य सेवा के लिए आह्वान किया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रश्न पर भारत की सार्थक पहल से सम्मेलन को अवगत कराया। एक विराट अर्थव्यवस्था वाले देश चीन को जी-7 का सदस्य देश नहीं बनाया गया, क्योंकि जी-7 के देश चीन को वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा मानते आए हैं। जी-7 के देश हिंद प्रशांत इलाके में चीन को एक विस्तारवादी देश करार देते हैं। जहां कि भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया तथा अन्य देशों के क्षेत्रों पर चीन आधिपत्य स्थापित करना चाहता है। यूरोपीय यूनियन जी-7 का सदस्य नहीं है, किंतु इसके शीर्ष अधिकारियों को भी सम्मेलन में आमंत्रित किया जाता रहा है। जी-7 में इटली द्वारा अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और हिंद प्रशांत क्षेत्र के 12 विकासशील देशों के नेताओं को भी आमंत्रित किया।

खास मुद्दे विचाराधीन

इस जी-7 सम्मेलन में जो खास मुद्दे विचाराधीन रहे, इनमें सबसे प्रमुख यूक्रेन और गाजा में जारी युद्धों के ज्वलंत प्रश्न। विश्व स्तर पर बढ़ती महंगाई,अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित समस्याओं को लेकर भी विशेष बातचीत की गई। जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी परिणामों से निपटने के लिए कार्बन उत्सर्जन को कम करने व सस्टेनेबल एनर्जी को बढ़ावा देने की रणनीति पर पुनर्विचार किया गया। वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य को बेहतर बनाना भी इस सम्मेलन का एक मुख्य मुद्दा रहा। कोविड-19 के बाद यह बात स्पष्ट हुई है कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए आपातकालीन अंतरराष्ट्रीय स्तर

पर स्वास्थ्य व्यवस्था को और बेहतर बनाना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जटिल प्रश्न हिरोशिमा में 2023 के जी-7 सम्मेलन में रणनीति बनाने पर विचार-विमर्श किया गया था, किंतु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभी तक कोई ठोस रणनीति आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सकारात्मक इस्तेमाल पर नहीं बन पाई है। क्या 2024 का शिखर सम्मेलन का विमर्श एआई के सकारात्मक इस्तेमाल के लिए कोई ठोस रणनीति लागू कर सकेगा?

अफ्रीका संग इटली की ट्रेड कूटनीति

इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी का कहना है कि शिखर सम्मेलन में विकसित और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं के मध्य ताल्लुकात सम्मेलन के केंद्र में बने रहे। विकासशील देशों में इटली की प्रधानमंत्री अफ्रीकी देशों को अधिक महत्व प्रदान करती हैं। मैटई योजना के तहत इटली द्वारा 5.5 अरब यूरो का कर्ज अफ्रीकन देशों को प्रदान किया गया है। मैटई योजना से इटली ऊर्जा क्षेत्र में एक अहम देश के रूप में स्थापित हो सकेगा। अफ्रीका और यूरोप के मध्य प्राकृतिक गैस और हाइड्रोजन गैस की पाइप लाइन इटली निर्मित करना चाहता है। इटली की सरकार की इस योजना का मकसद अफ्रीका से निरंतर जारी रहने वाले प्रवासन को रोक देना भी है।

क्या है जी-7

जी-7 अर्थात ग्रुप ऑफ सेवन दुनिया के विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का एक ग्रुप है। जी-7 देशों का वैश्विक ट्रेड और अंतरराष्ट्रीय फाइनेंशियल सिस्टम पर प्रभाव कायम रहा है। वर्ष 1970 के दशक के दौरान वैश्विक तेल संकट से निपटने के लिए 1975 में पहली दफा विश्व के विकसित अर्थव्यवस्था वाले देश पश्चिमी जर्मनी, फ्रांस, अमेरिका, जापान, इंग्लैंड और इटली द्वारा एक सम्मेलन पेरिस के निकट रैंबोलेट शहर में हुआ। यह फैसला लिया गया कि प्रतिवर्ष इन देशों का एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। 1975 के प्रथम सम्मेलन में जी-6 (ग्रुप सिक्स) के नाम से जाना गया। वर्ष 1976 में कनाडा को इस ग्रुप में शामिल किया गया। इसके बाद इस ग्रुप को जी-7 के नाम से जाना गया। 1998 में रूस को इस ग्रुप में शामिल किया गया तो फिर इस ग्रुप को जी-8 के नाम से जाना गया। 2014 में क्रीमिया पर रूस द्वारा आधिपत्य स्थापित करने के पश्चात रूस को इस ग्रुप से निलंबित कर दिया गया था। अतः फिर से इस ग्रुप को जी-7 कहा जाने लगा।

सबसे विशिष्ट बात

इस बार के जी-7 शिखर सम्मेलन की सबसे विशिष्ट बात रही कि इन देशों ने इस वर्ष के अंत तक यूक्रेन को 50 अरब डॉलर का कर्ज प्रदान करने का फैसला किया है। यह राशि रूस की 325 अरब डॉलर की यूरोप में जब्त की गई संपत्ति के द्वारा ब्याज के रूप में प्राप्त हुई है। उल्लेखनीय है जब्त की गई रूसी संपत्तियां प्रतिवर्ष तीन अरब डॉलर का ब्याज प्रदान कर रही है। इस धनराशि का इस्तेमाल यूक्रेन द्वारा रूस के विरुद्ध युद्ध में किया जाएगा। जी-7 देशों का यह फैसला इंटरनेशनल जस्टिस के हिसाब से कितना न्यायसंगत है, इस पर सोचने की जरूरत है। रूस की संपत्ति जब्ती से लेकर यूक्रेन को युद्ध में मदद करने तक पश्चिम का फैसला संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के हिसाब से पक्षपातपूर्ण है। जी-7 सम्मेलन के दौरान अमेरिका और यूक्रेन के मध्य 10 वर्षीय रक्षा समझौता भी संपन्न किया गया। इस रक्षा समझौते की शर्तों के मुताबिक अमेरिका यूक्रेन को सैन्य सामग्री और सैनिक प्रशिक्षण देगा, किंतु यूक्रेन की प्रतिरक्षा के लिए सैनिक भेजने को अमेरिका प्रतिबद्ध नहीं होगा। असल में अमेरिका इस रक्षा समझौते के तहत रूस-यूक्रेन युद्ध से अलग रह कर, युद्ध को निरंतर जारी रखने की रणनीति पर काम कर रहा है। यूएस राष्ट्रपति बाइडेन के गाजा में इजराइल और हमास के मध्य तत्काल युद्ध विराम अंजाम देने के प्रस्ताव को जी-7 सम्मेलन में एकमत से स्वीकार कर लिया गया। इस प्रस्ताव के तहत दोनों पक्षों के सभी बंधकों को रिहा करने और गाजा को अधिक आर्थिक सहायता देने का प्रस्ताव पेश किया है। अब देखना यह है कि बाइडेन द्वारा पेश युद्ध विराम प्रस्ताव पर इजराइल सरकार राजी होगी या नहीं। यदि इजरायल सरकार बाइडेन द्वारा पेश किए गए युद्ध विराम के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करती है तो फिर अमेरिका इजराइल के विरुद्ध क्या कदम उठाएगी?

अब चुनावी वादे पूरे करने का वक्त

मोदी 3.0
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

आम चुनाव के नतीजों के बाद केंद्र में भाजपा नीत राजग सरकार बन चुकी है, नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में अपनी तीसरी पारी का आगाज कर चुके हैं, मंत्रिमंडल का गठन हो गया है, मंत्रियों को विभागों का बंटवारा भी हो चुका है, सभी कोर मंत्रालय भाजपा के पास ही है, सहयोगी दल भी संतुष्ट नजर आ रहे हैं, ऐसे में अब सवाल है कि नई सरकार अपने चुनावी वादों को कैसे पूरा करेगी, क्या इसमें सहयोगी दलों की ओर से कोई अड़चन आ सकता है? राजग में भाजपा के अहम सहयोगी टीडीपी व जदयू के पास वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में शासन करने का लंबा अनुभव है। फिर भी विपक्ष की ओर से कयास लगाए जा रहे हैं कि मोदी सरकार अस्थिर रहेगी। लेकिन अभी तक ऐसा कुछ दिखा नहीं है। नीतीश और चंद्रबाबू नायडू दोनों ही कुछ समय पहले तक केंद्र की मोदी सरकार के ख़िलाफ मोर्चा खोले हुए थे इसीलिए अब एनडीए में उनकी हैसियत बहुत अहम किरदार वाली हो गई है। मोदी 3.0 सरकार के सामने अब इन दो पुराने सहयोगियों के साथ हर अहम फैसले लेने से पहले तालमेल बिठाने की ज़रूरत पड़ेगी। पिछले कुछ दिनों में प्रधानमंत्री ने अपना रुख बदला है। उन्होंने साफ कर दिया है कि सरकार बीजेपी की नहीं बल्कि एनडीए की है। शुरुआत से ही बीजेपी के विपरीत, एनडीए को प्राथमिकता दी गई है।

नीतीश-चंद्रबाबू अहम

यह सरकार पूरी तरह से नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की बैसाखी पर जरूर टिकी हुई है और नीतीश कुमार मौसम की तरह पाला बदलते रहते हैं, इसके बावजूद राजग की नई सरकार किसी दबाव में नहीं है, जैसा विपक्ष नैरेटिव गढ़ने की कोशिश कर रहा है। मंत्रिमंडल के गठन से लेकर विभागों के बंटवारे तक पीएम मोदी आत्मविश्वास से भरे दिखे और सहयोगी संतुष्ट। अगर जेडीयू गड़बड़ करती है तो बिहार में उसकी सरकार गिर जाएगी। हालांकि टीडीपी राज्य में सरकार चलाने के लिए बीजेपी पर निर्भर नहीं है, लेकिन गठबंधन है तो मुद्दों पर टकराव भी होगा। मोदी ने मुस्लिम आरक्षण खत्म करने की बात कही थी। 16 सांसदों वाली टीडीपी पहले से जारी मुस्लिम आरक्षण को खत्म करने के पक्ष में नहीं है। जाहिर है कि ये मुद्दा अब खटाई में पड़ जाएगा या कोई भी जिद पर अड़े तो टकराव होगा। वहीं विपक्ष की ताकत दस साल बाद अब बहुत बढ़ गई है। संसद से लेकर सड़क तक विपक्ष सरकार को कहां-कहां घेरेगा, इसका अनुमान लगाया जा सकता है। विपक्ष उन मुद्दों पर आक्रामक रुख अपनाएगा, जो भाजपा के कोर एजेंडे में शामिल रहे हैं। ऐसे कई मुद्दे बीजेपी के सहयोगियों को भी नहीं भाते हैं।

सबसे अहम सवाल

दूसरी तरफ कयास ये भी लगाए जा रहे हैं कि गठबंधन सरकार चलाने के लिए जो अनुभव चाहिए, वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास नहीं है। देखना ये होगा कि मोदी गठबंधन सहयोगियों के साथ कितने सहज रहते हैं। अभी तक वे सहज हैं, कोई कठिनाई नहीं आई है। पूर्ण बहुमत की सरकार और गठबंधन सरकार के चरित्र में फर्क होता है। पिछले 10 वर्ष के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कई बड़े फैसले लिए। हालांकि देश में गठबंधन सरकार के दौरान भी बड़े बड़े फैसले हुए हैं, इसलिए इस बार भी कोई दिक्कत नहीं है। राजग सरकार के मुखिया होने के चलते पीएम मोदी सभी सहयोगियों को साथ लेकर चलेंगे, चुनावी वादे पूरा करने की कोशिश करेंगे, नए आर्थिक व प्रशासनिक सुधार को गति देंगे भारत को आत्मनिर्भर व समावेश राष्ट्र बनाने के प्रयास जारी रखेंगे। ऐसी उम्मीद सहज रूप से की जा सकती है। पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव के दौरान देश के लोगों से कई बड़े वादे भी किए हैं। उन्होंने हर साल दो करोड़ युवाओं को नौकरी देने और किसानों की आय दोगुनी करने जैसे बड़े वादे किए थे, जो पिछली सरकार में पूरे नहीं हो सके। अब वे इसे पूरा करने की कोशिश कर सकते हैं। राजग के लक्ष्य पूरे करेंगे।

तीन खास मोर्चे

मोदी को तीन अहम मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें सहयोगियों को साथ लेकर चलना होगा। पहले से चल रही कुछ योजनाओं पर सहयोगी दलों की आपत्ति और उनकी समीक्षा है। सहयोगी दलों ने पहले से चल रही अग्निपथ योजना की समीक्षा की मांग की है। इसके अलावा, समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर भी मोदी को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके बाद उनके लिए 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' नीति को लागू करना मुश्किल हो सकता है। मोदी, राष्ट्रीय जाति जनगणना की नीतीश की मांग से कैसे निपटेंगे, ये देखना दिलचस्प होगा।

मजबूत विपक्ष भी चुनौती

मोदी के लिए दूसरी चुनौती लोकसभा में मजबूत विपक्ष से आएगी। सदन में 232 सदस्यों के साथ विपक्ष ने जोरदार वापसी की है। संसद के दोनों सदनों में विधेयक पारित कराना या हंगामा करने पर सदस्यों को अयोग्य ठहराना या निलंबित करना कठिन होगा। मोदी के सामने तीसरी और सबसे कठिन चुनौती पार्टी और आरएसएस के बीच तालमेल बिठाना होगा। पिछले कुछ दिनों में बीजेपी के सीनियर नेताओं और संघ के शीर्ष नेतृत्व के बीच बैठकें हुई हैं। इसके अलावा, आरएसएस नेतृत्व की आंतरिक बैठकें भी हुई हैं, जिसमें बीजेपी की 60 से ज्यादा सीटों की गिरावट के कारणों पर चर्चा की गई है, लेकिन बीजेपी और आरएसएस के सीनियर नेता फिलहाल चुप हैं। कहा जा रहा है कि इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद ही वे कुछ निर्णय लेंगे। महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं और शायद अगले साल दिल्ली और बिहार में भी चुनाव होने हैं। इन सभी राज्यों में, इंडिया गठबंधन, एनडीए को तगड़ी चुनौती दे सकता है।

दो ही रास्ते

ऐसे में बीजेपी के सामने दो ही रास्ते हैं। पहला ये कि वो अपना कुनबा बढ़ा कर बहुमत तक पहुंचने की कोशिश करे। ऐसे में उसे पुराने सहयोगियों को मनाना होगा। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना बीजेपी की पुरानी सहयोगी रही है। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल भी एनडीए में था। दोनों के पास 10 सांसद हैं। दूसरा रास्ता है-सहयोगी दलों के साथ तालमेल बिठाए रखना। पहला काम तो मुश्किल लगता है, लेकिन मोदी दूसरा काम बहुत ही कुशलता से जरूर कर सकते हैं, पर विपक्ष को पहले की तरह नजरअंदाज करना अब नई राजग सरकार के लिए आसान नहीं होगा। मोदी 3.0 सरकार के सामने चुनावी वादे पूरे करने की महती चुनौती होगी। भाजपा के संकल्प पत्र में कई वादे मोदी की गारंटी के रूप में हैं, सहयोगी दलों के भी चुनावी वादे हैं। नई राजग सरकार का दायित्व होगा कि वह राष्ट्र की खुशहाली के लिए काम करे।

राजस्थान में बुलेट ट्रेन का ट्रैक तैयार, यह देश में अपनी तरह का 'अनोखा'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राजस्थान में देश का पहला बुलेट ट्रेन ट्रायल ट्रैक बनकर तैयार हो चुका है। पहले फेज का काम सितंबर में पूरा होने के बाद 230 किमी प्रतिघंटा की स्पीड से बुलेट ट्रेन का ट्रायल किया जा सकेगा।

करीब 60 किलोमीटर लंबा यह रेलवे ट्रैक सांभर झील के बीच से निकाला गया है। यह वही ट्रैक है, जहां अंग्रेजों ने जयपुर-जोधपुर के लिए लाइन बिछाई थी, लेकिन 50 साल से यह लाइन मिट्टी में दब चुकी थी। रेलवे ने सैटेलाइट की मदद से इसे ढूंढकर नया नेटवर्क तैयार किया। बताया जा रहा है कि यह कई तरह की खूबियों से सुसज्जित रहेगा।

मिट्टी में दबी थी अंग्रेजों की डाली रेल लाइन, सैटेलाइट से खोजकर बिछाया नेटवर्क

यहां पड़ोसी देश भी करवा सकेंगे ट्रायल

ट्रैक में पुल, अंडर ब्रिज, ओवर ब्रिज बनाए गए हैं। इन स्ट्रक्चर से बुलेट ट्रेन को गुजारकर स्पीड का ट्रायल होगा। यह देश का पहला डेडिकेटेड ट्रैक होगा जहां पड़ोसी देश भी अपनी ट्रेनों के ट्रायल करवा सकेंगे। भविष्य में इस ट्रैक पर हाईस्पीड, सेमी-स्पीड सहित मेट्रो ट्रेन का ट्रायल भी हो सकेगा।

नमक की क्यारियों से गुजरेगी बुलेट ट्रेन

यह ट्रैक जयपुर से करीब 93 किलोमीटर दूर सांभर लेक के दूसरे छोर गुढ़ा से शुरू होकर मीठड़ी तक जाता है। हम मीठड़ी की तरफ से ट्रैक पर पहुंचे। नमक की क्यारियों के बीचों-बीच करीब 60 किलोमीटर लंबे रेलवे ट्रैक का नेटवर्क बिछाया जा चुका है। इसके लिए चार स्टेशन बनाए गए हैं गुढ़ा, जाबड़ी नगर, नावां और मीठड़ी। इसमें मुख्य स्टेशन नावां सिटी रहेगा। इस ट्रैक में 125 अंडर और ओवर ब्रिज बनाए गए हैं।

घुमावदार टेस्ट ट्रैक

60 किलोमीटर लंबा यह ट्रैक एकदम सीधा नहीं है, बल्कि इसमें कई घुमावदार पॉइंट बनाए गए हैं। इससे स्पीड में आ रही ट्रेन घुमावदार ट्रैक पर बिना स्पीड कम किए कैसे गुजरेगी, इसका ट्रायल लिया जा सकेगा। कुछ कर्व लोअर स्पीड के लिए बनाए गए हैं तो कुछ हाई स्पीड के लिए बने हैं।

स्टील और आरसीसी से बने पुल

इस ट्रैक पर स्टील और आरसीसी के पुल बने हैं, जो जमीन के नीचे और ऊपर भी हैं। इन पुलों को कंपनरोधी बनाने में नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हुआ है। ऊपर से स्पीड में ट्रेन गुजरने पर क्या रिस्पांस रहता है, इसका ट्रायल इन पुल के जरिए किया जा सकेगा।

रिसोर्स डिजाइन स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन की टीम करेगी ट्रायल

रेलवे की रिसोर्स डिजाइन स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन की टीम ट्रायल की मॉनिटरिंग करेगी। रेलवे की यही टीम कोच, बोगी, इंजन की फिटनेस की जांच करती है। रेलवे कोई भी कोच, इंजन को ट्रैक पर उतारने से पहले हर पैमाने पर चेक करती है कि तय स्पीड से ज्यादा वाइब्रेशन तो नहीं होगा? सस्पेंशन काम कर रहा है या नहीं? खराब ट्रैक पर ट्रेन का क्या रिस्पॉन्स रहता है आदि।

खबर संक्षेप

कर्नाटक में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़े

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि का फैसला किया है। कीमतें लगभग 3 और 3.05 रुपए तक बढ़ी हैं क्योंकि राज्य सरकार ने 15 जून से टैक्स बढ़ाने का फैसला कियाता। राज्य सरकार ने पेट्रोल पर सेल्स टैक्स 25.92 से बढ़ाकर 29.84 प्रतिशत कर दिया है, जबकि डीजल पर टैक्स 14.3 से बढ़ाकर 18.4 प्रतिशत कर दिया है।

गोपी ने इंदिरा को 'मदर ऑफ इंडिया' बताया

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और केरल से भाजपा के एकमात्र सांसद सुरेश गोपी ने कथित तौर पर इंदिरा गांधी को 'मदर ऑफ इंडिया' कहा है। अभिनेता से नेता बने गोपी ने कांग्रेस के दिवंगत नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरण को साहसी प्रशासक बताया। भाजपा के नेता ने करुणाकरण और मार्क्सवादी नेता ईके नयनार को राजनीतिक गुरु भी बताया।

कंगना को तो सिर्फ थप्पड़ पड़ा, मगर जिंदा हैं: स्वरा

मुंबई। सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत को हाल ही में चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ महिला जवान ने थप्पड़ जड़ दिया था, जिसके बाद एक्ट्रेस का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया था। अब स्वरा भास्कर ने थप्पड़ कांड पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने घटना की आलोचना तो की है, कहा कि कंगना को तो थप्पड़ ही पड़ा है, लेकिन जिंदा हैं।

22 तक बढ़ी बिभव कुमार की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली से आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल संग 13 मई के दिन के दिन सीएम आवास पर हुई बदसलूकी मामले में आरोपी केजरीवाल के पूर्व निजी सचिव बिभव कुमार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बिभव की न्यायिक हिरासत कोर्ट ने 22 जून तक के लिए बढ़ा दी है। बिभव कुमार पर आरोप है कि उन्होंने स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट की थी।

सूरत में अपार्टमेंट में 3 बहनों समेत 4 मृत मिले

सूरत। गुजरात के सूरत शहर के एक अपार्टमेंट में शनिवार को 58 वर्षीय एक महिला, उसकी दो बहन और बहनोई मृत मिले। डीसीपी आरपी बरोट ने बताया कि प्रथम दृष्टया गैस से चलने वाले गीजर को चालू छोड़ने के कारण दम घुटने से मौत होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि पुलिस को सुबह 9 बजे के आसपास शवों के बारे में सूचना दी गई थी।

टीवी पत्रकार ने हाईकोर्ट में दायर किया मुकदमा

रजत ने रागिनी, जयराम और खेड़ा से मांगा 100 करोड़ रुपये का हर्जाना

कांग्रेस नेत्री नायक ने डिबेट का वीडियो शेयर कर दावा किया उन्हें 'अपशब्द' कहे गए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के जाने-माने पत्रकार और इंडिया टीवी के चेयरमैन और एडिटर इन चीफ रजत शर्मा पर कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक और कुछ अन्य नेताओं ने इंडिया टीवी के लाइव डिबेट में 'गाली' देने का आरोप लगाया है। रागिनी ने 4 जून के डिबेट का वीडियो शेयर कर ये दावा किया है कि रजत ने उन्हें 'अपशब्द' कहे हैं। शर्मा ने कांग्रेस नेता रागिनी नायक, जयराम रमेश और पवन खेड़ा के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

शर्मा ने मानहानि के लिए 100 करोड़ रुपए का हर्जाना मांगा है। दिल्ली हाई कोर्ट में शर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने सुनवाई के दौरान तर्क दिया कि लोकसभा चुनाव के नतीजे के दिन 4 जून को टीवी पर डिबेट हुई था। लेकिन कांग्रेस नेताओं ने इसे 10 जून को इसके बारे में ट्वीट करना शुरू कर दिया। उन्होंने इसमें अपशब्द जोड़ दिए, जिनका कभी इस्तेमाल नहीं किया गया था।

रजत शर्मा

रागिनी नायक

जयराम रमेश

पवन खेड़ा

लाइव डिबेट में 'गाली' देने का आरोप का केस भी दर्ज कराया

दिल्ली हाई कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने रजतद्वारा अंतरिम राहत की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। सिंह ने कहा कि मेरे मुवक्किल ने कहा है कि मैं किसी राजनीतिक पार्टी से जुड़ा हुआ नहीं हूं। मैं अपना पेशेवर काम कर रहा हूं। ये आरोप स्पष्ट रूप से झूठे हैं और उनके द्वारा गढ़े गए हैं। यह एक क्लासिक और फिट मामला है, इसे तुरंत सोशल मीडिया से हटाने की जरूरत है। जब तक यह सोशल मीडिया पर है, लोग मुझपर आरोप लगाते रहेंगे, मुझे गालियां मिलती रहेंगी।

मद्रास हाई कोर्ट ने दिए यह निर्देश

चेन्नई में पदयात्राओं पर सख्त होंगे नियम!

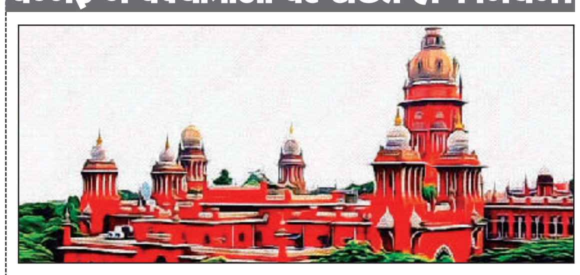

मदुरै। चेन्नई में पदयात्राओं के लिए सख्त नियम बनाए जा सकते हैं। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ ने अधिकारियों को पदयात्राओं को विनियमित करने की मांग वाली याचिका पर विचार करने का निर्देश दिया है। दरअसल, याचिकाकर्ता ने कोर्ट में अपील की है कि भक्तों द्वारा की जाने वाली पदयात्राओं को विनियमित किया जाए। याचिकाकर्ता ने भक्तों से अनुरोध किया है कि वे सड़क के दाईं ओर चलें और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अपने सामान पर फ्लोरोसेंट स्टिकर चिपकाएं। तिरुचेंदूर के रामकुमार आदित्थन ने मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ में दायर याचिका में कहा है कि विभिन्न मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर जाने वाले तीर्थयात्री अक्सर गर्मी से बचने के लिए शाम और रात में पैदल चलते हैं। हालांकि, इस प्रथा के कारण दुर्घटनाएं होती हैं क्योंकि भक्त तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आ जाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप गंभीर चोटें और यहां तक कि मौतें भी होती हैं।

सड़कों के दाईं ओर चलें भक्त

दुर्घटनाओं को रोकने के लिए याचिकाकर्ता ने सड़कों के दाईं ओर भक्तों के लिए गर्मी प्रतिरोधी पेवर ब्लॉक फुटपाथ लगाने की सिफारिश की। इससे तीर्थयात्रियों को विपरीत दिशा से आ रहे वाहनों को देखने में मदद मिलेगी। तीर्थयात्रियों को सलाह दी जानी चाहिए कि वे अपने सामान पर फ्लोरोसेंट स्टिकर लगाएं और दृश्यता बढ़ाने और दुर्घटनाओं से बचने के लिए कलाई और सिर पर बैंड पहनें। यह याचिका न्यायमूर्ति सुरेश कुमार और न्यायमूर्ति अरुलमुरुगन की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई।

महाविकास अघाड़ी की बैठक

साथ लड़ेगी विस चुनाव जो गए वापस नहीं लेंगे

मुंबई के वाईबी चव्हाण सेंटर में बैठक हुई। इसमें सहयोगी रहे शामिल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाविकास अघाड़ी नेताओं की मुंबई के वाईबी चव्हाण सेंटर में बैठक हुई। इसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एससीपी) के नेता शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र की जनता को आम चुनाव में 31 सीटें जिताने पर धन्यवाद दिया।

पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि जिस तरह लोगों ने लोकसभा चुनाव में हमें वोट दिया। विधानसभा चुनाव में वैसा ही प्रेम मिलेगा और राज्य में सत्ता परिवर्तन होगा। उन्होंने कहा कि हम सभी लोकतंत्र को बचाने के लिए एक साथ आए हैं।

पीएम का धन्यवाद करता हूं: शरद

शरद पवार ने कहा कि जहां-जहां मोदी ने रोड शो और रैलियां की। उन सभी जगहों पर महाविकास अघाड़ी को फायदा हुआ है। मैं पीएम नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करना अपना कर्तव्य समझता हूं। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में पीएम मोदी की अधिक से अधिक सभाएं होनी चाहिए ताकि हम स्पष्ट बहुमत की तरफ बढ़ते रहें। वहीं, शरद ने पार्टी छोड़कर नेताओं की वापसी के सवाल पर कहा कि जो लोग छोड़कर गए उन्हें वापस पार्टी में शामिल नहीं किया जाएगा।

लड़ाई लोकतंत्र को बचाने की थी: ठाकरे

शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि भाजपा के खिलाफ कोई लड़ नहीं सकता। जनता ने उन्हें आईना दिखाया है। हम महाराष्ट्र के लोगों के आभारी हैं। ठाकरे ने कहा कि ये लड़ाई संविधान और लोकतंत्र को बचाने की थी। अब एनडीए सरकार कितने दिन काम करती है ये संदिग्ध है।

नागपुर में बेकाबू कार का कहर

सड़क किनारे खड़े 6 लोगों को कुचला, सभी अस्पताल में भर्ती

एजेंसी ▶▶ नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर में एक तेज रफ्तार स्कोडा कार ने सड़क के किनारे खड़े 6 लोगों को टक्कर मार दी। ये पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई।

घायलों को हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। शनिवार दोपहर एक तेज रफ्तार स्कोडा कार ने 6 लोगों को टक्कर मारी है। ये पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड भी हो गई। इसमें देखा जा सकता है कि कुछ लोग सड़क के किनारे खड़े हैं, तभी एक तेज रफ्तार कार आती है और उन्हें जोरदार टक्कर मारती है।

केडीके कॉलेज के पास का मामला

कार ड्राइवर गिरफ्तार

मामला नागपुर के केडीके कॉलेज के पास का है। इस घटना में 6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कार ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है।ड्राइवर शराब के नशे में था या नहीं, इसके लिए मेडिकल कराया जा रहा है। घटना के बाद नागपुर के नंदनवन पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एनडीए सरकार गलती से बनी, जल्द गिरेगी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का दावा है कि एनडीए सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी और ये कभी भी गिर सकती है। खरगे ने कहा कि भाजपा को अपने सहयोगियों को एकजुट रखने में काफी परेशानी हो रही है। बंगलूरू में मीडिया से बात करते हुए खरगे ने कहा कि एनडीए सरकार गलती से बनी। मोदी जी के पास जनादेश नहीं है, यह अल्पमत की सरकार है। यह सरकार कभी भी गिर सकती है।

वाराणसी में योगाभ्यास

वाराणसी। वाराणसी के नमो घाट पर शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले योग सत्र में शामिल लोग।

सड़क संपर्क, बिजली, खाद्य आपूर्ति तथा मोबाइल नेटवर्क बाधित

बारिश-भूस्खलन से 9 की मौत, 1200 पर्यटक फंसे

एजेंसी ▶▶ गंगटोक

उत्तरी सिक्किम के मंगन जिले में लगातार बारिश से बड़े पैमाने पर हुए भूस्खलन के कारण 15 विदेशी नागरिक सहित 1,200 से अधिक पर्यटक फंसे हैं।राज्य में 9 लोगों की मौत हो गई है।

संपत्तियों को नुकसान पहुंचा तथा कई क्षेत्रों में सड़क संपर्क, बिजली और खाद्य आपूर्ति तथा मोबाइल नेटवर्क बाधित हो गए। सिक्किम के पर्यटन एवं नागर विमानन विभाग के प्रधान सचिव सी एस राव ने एक बयान में कहा कि सड़क अवरुद्ध हो जाने से लगभग 1,200 घरेलू और 15 विदेशी पर्यटक (थाईलैंड के दो, नेपाल के तीन, बांग्लादेश के 10) मंगन जिले के लाचुंग में फंसे हुए हैं।

15 विदेशी नागरिक भी शामिल

सिक्किम में कुदरत ने बरपाया कहर

मुख्यमंत्री ने की उच्च स्तरीय बैठक

मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने स्थिति का जायजा लेने के लिए मिंटोकगांग में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। पर्वतीय राज्य बुरी तरह से प्रभावित है। अधिकारियों ने पर्यटकों से अपने-अपने स्थानों पर ही रहने तथा जोखिम मोल लेने से बचने को कहा है। अधिकारी ने कहा कि सभी फंसे हुए पर्यटकों के लिए राशन का पर्याप्त भंडार है। मौसम की स्थिति के आधार पर पर्यटकों को हवाई मार्ग से लाने के लिए केंद्र के साथ बातचीत की है। आवश्यक हुआ तो पर्यटकों को सड़क मार्ग से निकाला जाएगा। लोगों को निकालने मंगन में अधिकारियों के साथ समन्वय की बात कही है।

कई मकान जलमग्न, पुल भी ढहा

अधिकारी ने बताया कि जिले में भारी बारिश होने से भूस्खलन के कारण सड़कें अवरुद्ध हो गईं और कई मकान जलमग्न हो गए या क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि बिजली के खंभे बह गए. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सामान्य स्थिति बहाल करने तथा हमारे निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिक्रिया की रणनीति बनाने और समन्वय करने को लेकर अहम बैठक की। अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण गुरुवार को मंगन जिले में कई जगहों पर भूस्खलन हुआ और संगकालांग में पिछले साल अक्टूबर में निर्मित एक पुल ढह गया, जिससे उत्तरी सिक्किम में बड़ी संख्या में पर्यटक फंस गए। बांस का एक पुल भी टूट गया।

महाराष्ट्र के आईएएस की पहल

विजिटिंग कार्ड को बोने से उगेगा गेंदे का पौधा, आगंतुकों को देंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जलवायु परिवर्तन पर आज जागरूकता बढ़ी है। पर्यावरण संरक्षण को लिए लोग अलग-अलग उपाय ढूंढ रहे हैं। जैसे-जैसे धरती का तापमान बढ़ता जा रहा है लोगों के अंदर पेड़ पौधरोपण के महत्व को समझ रहे हैं।

एक आईएएस अधिकारी ने पेड़-पौधे लगाने से जुड़ी अनोखी पहल की शुरुआत की है। उन्होंने एक ऐसे विजिटिंग कार्ड की तस्वीर शेयर की है, जिसे मिट्टी में बोने से गेंदे के फूल का पौधा उग सकता है। महाराष्ट्र की सांगली, मिराज,

कुपवाड़ा नगर निगम के आयुक्त आईएएस शुभम गुप्ता ने एक विशेष विजिटिंग कार्ड की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की। विजिटिंग कार्ड में उनका नाम डेजिग्नेशन छपा हुआ है। शुभम गुप्ता ने पोस्ट पर लिखा कि अब जो भी मेरे ऑफिस आएगा। उसे तस्वीर में नजर आ रहा विजिटिंग कार्ड मिलेगा।

एमएफ में 8-4-3 का नियम तो खटाखट बढ़ेगा पैसा

- म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए यह एक लोकप्रिय स्ट्रैटेजी
- हर माह 21,250 निवेश करेंगे तो 8 साल में 33.37 लाख बनेंगे
- 21वें वर्ष तक आप 2.22 करोड़ रुपये बचाने में कामयाब होंगे
- धैर्य और अनुशासन के माध्यम से धीरे-धीरे धन अर्जित करें

निवेश करने जा रहे हैं तो यह जान लें कि 8-4-3 इंवेस्टमेंट रूल म्यूचुअल फंड में एक लोकप्रिय स्ट्रैटेजी है। यह नियम इस बात पर आधारित है कि समय और चक्रवृद्धि ब्याज निवेश में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस रणनीति में यह अनुमान लगाया जाता है कि निवेश सालाना किस दर से बढ़ेगा। इससे कम्पाउंडिंग की ताकत को समझने में मदद मिलती है और निवेशक आसानी से अपना पैसा बढ़ा लेता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

पैसा आज की सबसे बड़ी जरूत है। हर किसी को पैसा चाहिए। पैसा बढ़ाने का कोई शॉर्टकट नहीं है, लेकिन थोड़ी सावधानी के साथ निवेश किया जाए तो आप कंपाउंड का लाभ लेकर आसानी से कुछ ही समय में अच्छा पैसा बना सकते हैं और करोड़पति बन सकते हैं। हर कोई करोड़पति बनने की चाहत रखता है। इसे पर्सनल फाइनेंस में एक मील के पत्थर के तौर पर देखा जाता है। अक्सर लोग पूछते हैं क करोड़पति बनने के लिए क्या करना होगा? क्या 1 करोड़ रुपये जमा करने के लिए कसिी तय समय की जरूरत है? क्या इतनी रकम जोड़ पाना संभव है? इन सभी सवालों का जवाब 8-4-3 इंवेस्टमेंट रूल में है। दरअसल, किसी भी फाइनेंशियल टारगेट तक पहुंचने के लिए आपके हाथ में जरूरी समय होना चाहिए। इसके लिए तय समय तक एक निश्चित रकम का निवेश करने की जरूरत होगी। अनुशासन और चक्रवृद्धि की ताकत (कम्पाउंडिंग पावर) से समय के साथ अपनी बचत को दोगुना या तिगुना करना मुमकिन है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि म्यूचुअल फंड में 8-4-3 इंवेस्टमेंट रूल क्या है। निवेशक क्यों इसे निवेश की सबसे लोकप्रिय स्ट्रैटजी बता रहे है। यह नियम कैसे पैसा बढ़ाने में आपकी मदद कर सकता है।

क्या है 8-4-3 इंवेस्टमेंट रूल

म्यूचुअल फंड की दुनिया में 8-4-3 रूल बढ़ते निवेश में चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत को दर्शाने में मदद करता है। इसके जरिये एक करोड़ रुपये या दूसरे फाइनेंशियल टारगेट के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। 8-4-3 इंवेस्टमेंट रूल एक कॉन्सेप्ट है। इसका इस्तेमाल समय के साथ आपके निवेश को बढ़ाने में चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत को दिखाने के लिए किया जाता है। अगर हम इसे ध्यान से देखें तो यह कोई निवेश रणनीति नहीं है, बल्कि ग्रोथ की संभावित रफ्तार को समझने का एक सरल तरीका है। निवेश करने जा रहे हैं तो यह जान लें कि 8-4-3 इंवेस्टमेंट रूल म्यूचुअल फंड में एक लोकप्रिय स्ट्रैटेजी है। यह नियम इस बात पर आधारित है कि समय और चक्रवृद्धि ब्याज निवेश में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

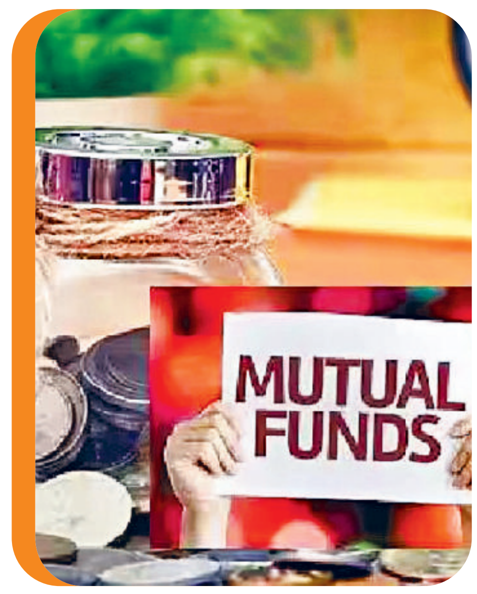

कैसे लागू होता है 8-4-3 का नियम?

पहले 8 सालों में आप अपने निवेश में स्थिर बढ़ोतरी देखते हैं। फिर अगले 4 सालों (वर्ष 9-12) में निवेश की ग्रोथ पहले 8 सालों के बराबर हो सकती है। यानी आपने पहले 8 सालों में जितना पैसा बनाया वह 4 साल में बनने लगता है। फिर अंतिम 3 सालों (वर्ष 13-15) में निवेश की बढ़ोतरी पिछले 4 सालों जितनी हो सकती है।

पूरा कॉन्सेप्ट ऐसे समझें

- निवेश में 8-4-3 रूल के असर को समझने के लिए एक उदाहरण लेते हैं। मान लेते हैं कि आप ऐसे किसी इंस्ट्रूमेंट में पैसा लगाते हैं, जिसमें 12 फीसदी सालाना चक्रवृद्धि ब्याज मिलता है। इसके जरिये हर महीने 21,250 रुपये का निवेश करके आप 8 साल में 33.37 लाख रुपये तक पहुंच सकते हैं। इसी तर्ज पर निवेश करते हुए अगले 4 साल में आप और 33 लाख रुपये अर्जित कर लेंगे। यानी पहले के मुकाबले इस बार आधा समय लगता है। बाकी 33.33 लाख रुपये सिर्फ तीन वर्षों में बचाए जा सकते हैं।
- इस तरह 15 साल के बाद आप 1 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएंगे। लगातार निवेश के साथ 21वें वर्ष तक आप 2.22 करोड़ रुपये बचा सकते हैं। यानी यह छह सालों में आपकी 1 करोड़ रुपये की राशि को दोगुना कर देगा।
- 22वें साल तक आप सिर्फ एक साल में 33 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। इसका श्रेय चक्रवृद्धि ब्याज को जाता है। ध्यान दें कि इस उदाहरण में वार्षिक चक्रवृद्धि ब्याज का इस्तेमाल किया गया है।

यह भी अहम

बदलती बाजार स्थितियों और रुझानों के साथ अपने निवेश को समायोजित करना महत्वपूर्ण है। यह गतिशील दृष्टिकोण जोखिमों को कम करने और अवसरों को भुनाने में मदद करता है। 8-4-3 नियम को समझने से विश्वसनीय दीर्घकालिक निवेशों के बारे में जानकारी मिलती है। इस नियम का पालन करने से जोखिम कम हो सकता है, महंगाई से बचाव हो सकता है और बाजार के अवसरों का लाभ उठाया जा सकता है। बाजार की स्थिति चाहे जो भी हो, धैर्य और अनुशासन के माध्यम से धीरे-धीरे धन अर्जित करना संभव है।

स्मॉल-कैप फंड में निवेशकों का भरोसा बरकरार, बन रहे रिकॉर्ड

- मई में 2,724 करोड़ का निवेश हुआ, जो अप्रैल में 2,208.70 करोड़ ज्यादा
- इक्विटी एमएफ में मई महीने में निवेश 84% तक बढ़ा
- इक्विटी में निवेश बढ़कर 34,697 करोड़ रुपये पहुंचा
- लोगों ने सेक्टोरल व थेमेटिक फंड्स में खूब निवेश किया
- इस दौरान सेक्टोरल/थेमेटिक फंड्स में 272% इनफ्लो बढ़ा
- हालांकि, डेट म्यूचुअल फंड में नेट इनफ्लो 78% हुआ कम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

इक्विटी म्यूचुअल फंड खासकर स्मॉल कैप फंडों में लोगों का उत्साह जारी है। तभी तो बीते मई महीने के दौरान इस निवेश में जोरदार बढ़त देखने को मिली। स्मॉल-कैप फंड में लगातार दूसरे महीने निवेशकों का रुझान बढ़ता दिखा। मई में 2,724 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो अप्रैल में 2,208.70 करोड़ रुपये से अधिक है। ईएलएसएस और फोकस्ड फंड को छोड़कर सभी इक्विटी कैटेगरी ने मई में पोजिटिव इनफ्लो हुआ। हालांकि, ओपन-एंडेड म्यूचुअल फंड में ओवरऑल इनफ्लो मई में 54% घटकर 1.11 लाख करोड़ रुपये रह गया, जबकि अप्रैल में यह 2.40 लाख करोड़ रुपये था। वहीं देखा जाए तो इक्विटी म्यूचुअल फंड भी मई में 34,697 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया है। यह आंकड़ा इससे पिछले महीने यानी अप्रैल के मुकाबले 83 फीसदी अधिक है। इससे पहले इसी साल अप्रैल महीने के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में 18,917 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

डेट फंड से पैसे निकाले : बीते महीने डेट म्यूचुअल फंड में नेट इन्फलो में अच्छी-खासी गिरावट देखी गई। अप्रैल में यह 1.89 लाख करोड़ रुपये पर था जो कि मई महीने में 78% गिरकर 42,294 करोड़ रुपये रह गया। शॉर्ट-ड्यूरेशन फंड, मीडियम-ड्यूरेशन फंड, डायनेमिक बॉन्ड फंड, क्रेडिट रिस्क फंड, गिल्ट फंड और फ्लोटर फंड में निवेशकों ने पैसा निकला। फ्लोटर फंड (546.41 करोड़) और क्रेडिट रिस्क फंड(540 करोड़) में सबसे अधिक निवेशकों ने पैसे निकाले।

एसआईपी ने बनाया रिकॉर्ड

सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश लगातार दूसरे महीने 20,000 करोड़ रुपये से अधिक रहा। एसआईपी के जरिए मंथली कांट्रिब्यूशन बढ़कर मई में 20,904 करोड़ रुपये हो गया। यह अप्रैल में 20,371 करोड़ रुपये था। इन स्कीम्स में मंथली निवेश लगातार दूसरे महीने 20,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

निवेशकों को मिला मौका

मई में आम चुनाव की प्रक्रिया चल रही थी। इस दौरान बीच-बीच में शेयर बाजार में करेक्शन हुआ। इस करेक्शन ने निवेशकों को बाजार में कुछ खरीदारी का मौका दिया। इसके अलावा, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में वापस आने की उम्मीद ने भी निवेशकों की खरीदारी को बढ़ावा दिया। आखिर कर एनडीए की सरकार भी बन गई।

अब तक का सबसे अधिक निवेश

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस साल मई महीने के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में अब तक का सबसे अधिक निवेश हुआ है। इसकी वजह न्यू फंड ऑफर (एफएफओ) और सेक्टोरल/थेमेटिक स्कीम में 272% की मजबूत वृद्धि देखी गई। इन स्कीम्स में मई में 19,213.43 करोड़ रुपये का इनफ्लो रहा। अप्रैल में यह 5,166.05 करोड़ रुपये था। मई महीने में एनएफओ के जरिए निवेश बढ़कर 10,140 करोड़ रुपये हो गया है। अप्रैल में 1,536 करोड़ से यह काफी अधिक है।

म्यूचुअल फंड स्कीम, मुनाफा देने में स्टॉक मार्केट को दे रही टक्कर

- सीधे स्टॉक मार्केट में निवेश की तुलना में सुरक्षित भी
- इक्विटी म्यूचुअल फंड में भी निवेश की कई कटेगरी
- लार्जकैप, मिडकैप व स्मॉलकैप फंड के जरिए निवेश
- रिटर्न देने में भी किसी से पीछे नहीं है एमएफ

योजना
बिजनेस डेस्क

आप भी निवेशक हैं या निवेश करने जा रहे हैं तो जरा ठहरिये। निवेश से पहले एक बार बाजार का रुख देख लें। अपनी रिस्क क्षमता और लक्ष्य का चुनाव कर लें। क्योंकि पैसा कमाने का कोई छोटा रास्ता नहीं होता है। हां अब धैर्य और प्लानिंग के साथ निवेश किया जाए तो आपको कुछ ही समय में पैसे वाला बना सकता है। इसलिए जरूरी है कि निवेश करते समय अलर्ट रहें, ताकि आपको नुकसान न हो। क्या आपको किसी स्कीम या विकल्प में पैसा लगाकर सिर्फ एक साल में 60 फीसदी या 70 फीसदी रिटर्न मिला है। जब इतने हाई रिटर्न की बात होती है मन में अक्सर स्टॉक मार्केट का ध्यान सबसे पहले आता है, लेकिन बहुत से निवेशक स्टॉक मार्केट में शामिल रिस्क को देखकर डर जाते हैं या उन्हें स्टॉक मार्केट की बहुत अच्छी जानकारी नहीं होती है। ऐसे में वे निवेश का फैसला नहीं ले पाते, लेकिन एक और विकल्प है, जो स्टॉक मार्केट की तुलना में काफी हद तक सुरक्षित माना जाता है और रिटर्न देने के मामले में भी कहीं से पीछे नहीं है। हम बात कर रहे हैं म्यूचुअल फंड बाजार की, जहां कई ऐसी स्कीम मौजूद हैं, जिनका एक साल का रिटर्न 65 फीसदी से 77 फीसदी रहा है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं म्यूचुअल फंड कर कुछ ऐसी स्कीम जो मुनाफा देने में स्टॉक मार्केट को भी कड़ी टक्कर दे रही हैं। इन योजनाओं में निवेश कर आप भी अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं और कम समय में ही अमीर यानी करोड़पति भी बन सकते हैं।

वर्ष में रिटर्न देने में टॉप स्कीम

- क्वांट मिडकैप फंड : 76.53%
- बंधन स्मॉलकैप फंड : 71.95%
- आआर्टीआई मिडकैप फंड : 71.80%
- एबीएसएल निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स : 71.09%
- क्वांट लार्ज एंड मिडकैप फंड : 69.62%
- आईटीआई स्मॉलकैप फंड : 67.98%
- आईसीआईसीआई प्रू भारत 22 एफओएफ : 67.32%
- क्वांट स्मॉलकैप फंड : 66.18%
- बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सी कैप फंड : 65.54%
- जेएम फ्लेक्सी कैप फंड : 65.34%

सीधे स्टॉक में पैसा लगाने से ज्यादा सुरक्षित

बाजार के जानकारों के अनुसार म्यूचुअल फंड में निवेश, सीधे स्टॉक मार्केट में निवेश की तुलना में एक सुरक्षित विकल्प माना जाता है। इक्विटी म्यूचुअल फंड में भी स्टॉक मार्केट की तरह ही अलग-अलग कैटेगरी हैं। मसलन लार्जकैप, मिडकैप या स्मॉलकैप फंड। जो निवेशक सीधे स्टॉक मार्केट में निवेश का रिस्क नहीं लेना चाहते हैं, लेकिन ज्यादा रिटर्न की इच्छा रखते हैं, उनके लिए म्यूचुअल फंड बेहतर विकल्प है। असल में किसी म्यूचुअल फंड स्कीम में अलग अलग कंपनियों के स्टॉक शामिल होते हैं। वहीं, कुछ स्कीम में अलग अलग सेक्टर से अलग अलग स्टॉक निवेश के लिए चुने जाते हैं।

फंड मैनेजर की देखरेख में होता है निवेश

म्यूचुअल फंड की एक और खासियत है कि इसमें कुशल फंड मैनेजर की देखरेख में निवेश किया जाता है। फंड मैनेजर अपनी स्टडी या रिसर्च के आधार पर किसी म्यूचुअल फंड के पोर्टफोलियो में शेयरों को शामिल करता है। उनका ध्यान मजबूत ग्रोथ वाली और मुनाफा कमाने वाली कंपनियों पर होता है, ताकि इसका फायदा स्टॉक में ग्रोथ के रूप में मिले। किसी एक स्टॉक में पैसा लगाने की बजाए फंड मैनेजर अलग-अलग सेक्टर के मजबूत फंडामेंटल वाले शेयरों का चयन करता है। इसमें एक और सुविधा है कि अगर एकमुश्त पैसा नहीं लगाना चाहते तो सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान के जरिए मंथली बेसिस पर निवेश कर सकते हैं।

लगातार बढ़ रही है पॉपुलैरिटी

म्यूचुअल फंड्स की लोकप्रियता निवेशकों में बढ़ रही है। एएमएफआई के आंकड़ों के मुताबिक मई 2024 में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश 84 फीसदी उछलकर रिकॉर्ड 34,670.9 करोड़ रुपये हो गया, जबकि अप्रैल में 18,888 करोड़ रुपये रहा। सेक्टोरल फंड्स में मंथली बेसिस पर 272 फीसदी इनफ्लो बढ़ा है। डेट म्यूचुअल फंड्स में 42,295 करोड़ का निवेश आया। म्यूचुअल फंड में न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) के जरिए 10,140 करोड़ का निवेश आया है। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का एयूएम मंथली बेसिस पर 2.9 फीसदी बढ़कर 58.91 लाख करोड़ हो गया है।

मई में यह रहा इनफ्लो

मई 2024 में इक्विटी कैटेगरी में फ्लेक्सी फंड्स में 3,155.07 करोड़ का इनफ्लो रहा। स्मालकैप फंड्स में 2,724.67 करोड़, मल्टीकैप फंड्स में 2,644.88 करोड़, मिडकैप फंड्स में 2,605.70 करोड़, लार्च एंड मिड कैप में 2,396.91 करोड़, वैल्यू/कॉन्ट्रा फंड में 1,404.34 करोड़, लार्ज कैप में 663 और डिविडेंड यील्ड फंड में 445.2 करोड़ का इनफ्लो हुआ।

इसलिए करें म्यूचुअल फंड में निवेश

आप किसी भी दिन कितने भी म्यूचुअल फंड खरीद और बेच सकते हैं, जबकि यह बैंक एफडी, पीपीएफ या बीमा को आप सरकारी छुट्टी या रविवार को नहीं खरीद बेच सकते हैं। म्यूचुअल फंड आपको कम निवेश में कई स्टाक और बांड लेने की सुविधा देता है। आप जिस म्यूचुअल फण्ड में निवेश करते हैं उस फण्ड में से किसी एक जगह पैसा नहीं लगाया जाता है।

अलर्ट इंश्योरेंस बीमा खरीदते समय अक्सर इसे निवेश समझ बैठते हैं, इसके कारण लंबी अवधि में काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है

बीमा और निवेश को नहीं करें घालमेल, वरना होगा नुकसान फायदे में रहना है तो निवेश व बीमा हमेशा अलग-अलग रखें

निवेश के लक्ष्य से भटकें नहीं, पैसा बढ़ाने के लिए हमेशा धैर्य रखें और आगे बढ़ते जाएं

वित्तीय प्लानिंग
बिजनेस डेस्क

इंश्योरेंस कवरेज यानी बीमा और निवेश को (घालमेल) करना ठीक नहीं है। ऐसा करने से आप अपने निवेश के लक्ष्य से भटक जाएंगे और काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। बीमा और निवेश के अपने अपने लाभ हैं। इसलिए दोनों को अलग-अलग ही रखें और अपनी जरूतों को पूरा करें। अक्सर लोग पॉलिसी खरीदते समय सबसे बड़ी भूल कर बैठते हैं वह है इंश्योरेंस प्लान में उसकी मेच्योरिटी वैल्यू या निवेश पर रिटर्न की तलाश करना। दरअसल, ऐसी सोच एक बड़ी गलतफहमी का नतीजा है, जो बड़ी संख्या में लोगों को रहती है। ये गलतफहमी है बीमा पॉलिसी को निवेश की तरह देखने की। बीमा खरीदने वाले मैच्योरिटी बेनिफिट और रिटर्न को एक्स्ट्रा बेनिफिट की तरह देखते हैं तो निवेश करने वाले इंश्योरेंस को अतिरिक्त लाभ मान लेते हैं, लेकिन सच यह है कि बीमा और निवेश में घालमेल करने की यह मानसिकता लंबी अवधि में आर्थिक तौर पर भारी नुकसान करा सकती है। इसलिए बीमा करवाते और निवेश करते समय यह ध्यान रखें।

बीमा को निवेश समझना क्यों गलत

जानकारों का मानना है कि सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि बीमा पॉलिसी को निवेश की तरह देखना गलत है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब आप अपने पैसे कहीं निवेश करते हैं, तो आप वहां से रिटर्न हासिल करने की उम्मीद करते हैं। इसी उम्मीद की वजह से लोग बीमा कंपनी को दिए गए प्रीमियम के बदले में रिटर्न या मेच्योरिटी बेनिफिट खोजने लगते हैं। इसी चक्कर में वे कम कीमत में ज्यादा कवरेज देने वाले टर्म प्लान को रिजेक्ट करके ऐसे एंडोमेंट प्लान को चुन लेते हैं, जिनमें उन्हें जीवित रहने पर सर्वाइवल बेनिफिट के तौर पर कुछ पैसे मिल जाते हैं। उन्हें लगता है कि टर्म प्लान खरीदने में कोई फायदा नहीं है, क्योंकि उसमें कोई सर्वाइवल बेनिफिट नहीं मिलता है। ऐसा सोचने वाले निवेशकों को यह ध्यान नहीं रहता कि एंडोमेंट पॉलिसी में उन्हें काफी ऊंचा प्रीमियम देने के बावजूद कम कवरेज से काम चलाना पड़ता है, जबकि प्योर टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी उन्हें बेहद कम प्रीमियम में अच्छा-खासा कवरेज देती है। टर्म इंश्योरेंस जीवन बीमा का सबसे सस्ता और सबसे अच्छा रूप है, क्योंकि जीवन बीमा का मकसद रिटर्न पाना नहीं, आर्थिक सुरक्षा हासिल करना है।

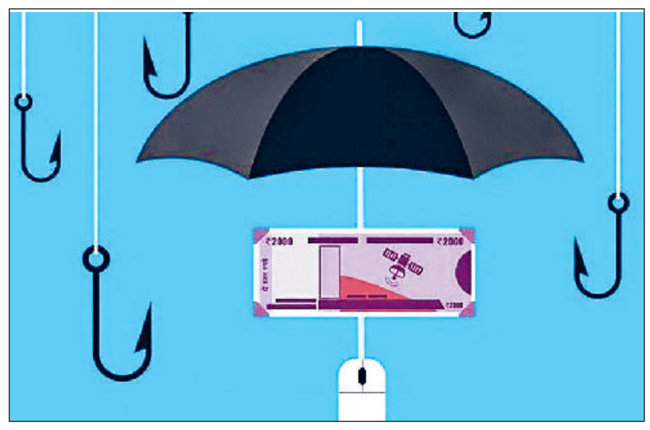

कैसे लें पूरा लाभ

अगर बीमा और निवेश को अलग-अलग रखना है, तो दोनों का पूरा लाभ लेने का सही तरीका क्या होगा? आखिर अगर आप एंडोमेंट प्लान के लिए ऊंचा प्रीमियन भरने को तैयार हैं, तो बेहतर होगा अगर आप उसी रकम को दो हिस्सों में बांट लें। एक हिस्सा टर्म प्लान के जरिए बड़ा इंश्योरेंस कवरेज खरीदने पर खर्च करें और बाकी रकम को किसी इक्विटी म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश करें। इस तरह आप उतनी ही रकम खर्च करके ज्यादा कवरेज हासिल कर लेंगे और निवेश की सही रणनीति अपनाकर ऊंचा रिटर्न भी ले पाएंगे।

इसे ऐसे समझें

अगर 30 साल का व्यक्ति अगर 65 साल की उम्र तक कवरेज देने वाले 1 करोड़ रुपये का टर्म प्लान खरीदना चाहे तो उसका सालाना प्रीमियम महज 12 हजार रुपये से शुरू होता है। जबकि एंडोमेंट प्लान में इतना ही कवरेज खरीदने के लिए उसे सालाना करीब 2.80 लाख रुपये का प्रीमियम देना पड़ेगा। इस प्लान में उसे 65 साल की उम्र में यानी 35 साल बाद 1 करोड़ रुपये का सम एश्योर्ड, 1.68 करोड़ रुपये का बोनस और 2.30 करोड़ रुपये का फाइनल बोनस एडिशन मिलाकर मैच्योरिटी बेनिफिट के तौर पर कुल 4.98 करोड़ रुपये मिलेंगे. जबकि 35 साल में उसने करीब 98 लाख रुपये प्रीमियम के तौर पर चुकाए होंगे. यानी अपने निवेश पर करीब 4 करोड़ रुपये का लाभ होगा। ये कैलकुलेशन एक प्रमुख बीमा कंपनी के एंडोमेंट प्लान कैलकुलेटर पर आधारित हैं।

टर्म प्लान + म्यूचुअल फंड का कंबिनेशन

अब जानते हैं कि 30 साल का वही निवेशक अगर सालाना 2.80 लाख रुपये की उसी रकम को टर्म प्लान और इक्विटी म्यूचुअल फंड में बांटकर निवेश करे, तो क्या होगा? क्या वो एंडोमेंट प्लान के मुकाबले ज्यादा कवरेज और रिटर्न दोनों हासिल कर सकता है? 30 साल का व्यक्ति चाहे तो करीब 20 हजार रुपये के सालाना प्रीमियम में ऑनलाइन पोर्टल्स के जरिए 2 करोड़ रुपये का टर्म प्लान खरीद सकता है। बाकी बचे 2.60 लाख रुपये अगर 21,666 रुपये के मंथली एसआईपी के जरिए हर साल ईएलएसएस में निवेश किए जाएं, तो 12 फीसदी के कंजर्वेटिव सालाना रिटर्न के आधार पर भी 35 साल में उसके निवेश की कुल वैल्यू 14.07 करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगी, जबकि इन 35 वर्षों के दौरान उसकी तरफ से निवेश की गई कुल रकम करीब 91 लाख रुपये होगी। यानी उसे अपने निवेश पर करीब 13 करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा होगा। वो भी एंडोमेंट प्लान के मुकाबले दोगुना इंश्योरेंस कवरेज खरीदने के बाद।

बेहतर कवरेज के साथ हाई रिटर्न

यह कैलकुलेशन किसी खास स्कीम के आधार पर नहीं, बल्कि ऑनलाइन इंश्योरेंस पॉलिसी बेचने वाले पोर्टल पर दिए शुरुआती प्रीमियम के मोटे अनुमान पर आधारित है। इसलिए पॉलिसी खरीदते समय वास्तविक रकम इससे थोड़ी-बहुत अलग हो सकती है। फिर भी टर्म प्लान और एंडोमेंट प्लान के प्रीमियम के बीच भारी अंतर तो बना ही रहेगा। एंडोमेंट प्लान का एक बड़ा नुकसान यह भी है कि भारी प्रीमियम की वजह से कई बार लोग जितना इंश्योरेंस लेना चाहिए, उतना नहीं खरीद पाते हैं, जिसका खामियाजा किसी अनहोनी की हालत में उनके परिवार को उठाना पड़ सकता है। इसीलिए सही रणनीति यही है कि बीमा और निवेश को अलग-अलग रखें, ताकि इंश्योरेंस में सबसे बेहतर कवरेज और इनवेस्टमेंट में हाई रिटर्न, दोनों का पूरा-पूरा फायदा ले सकें। निवेश का अंतिम फैसला करते समय इक्विटी फंड में इनवेस्टमेंट से जुड़े मार्केट रिस्क को भी जरूर ध्यान में रखें।

यूरो कप : मेजबान जर्मनी का जीत से आगाज, स्कॉटलैंड को 5-1 से रौंदा

एजेंसी ▶▶| म्यूनिख

फ्लोरियन विर्ट्ज और जमाल मुसियाला के पहले हाफ में किए गए गोल की मदद से जीत का मंच तैयार करने वाले मेजबान जर्मनी ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे स्कॉटलैंड को 5-1 से करारी शिकस्त देकर यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2024) में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। विर्ट्ज ने दसवें मिनट में जर्मनी के लिए पहला गोल किया जबकि मुसियाला ने 19वें मिनट में उसकी बढ़त दोगुनी कर दी। काई हैवर्ट ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में पेनल्टी को गोल में बदलकर मध्यांतर तक जर्मनी को 3-0 से आगे कर दिया। जर्मनी को डिफेंडर रयान पोर्टियस की गलती के कारण यह पेनल्टी मिली थी, जिन्हें रेफरी ने लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया था।

पेनल्टी को गोल में बदलकर मध्यांतर तक जर्मनी को 3-0 से आगे कर दिया। जर्मनी को डिफेंडर रयान पोर्टियस की गलती के कारण यह पेनल्टी मिली थी, जिन्हें रेफरी ने लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया था। इस कारण स्कॉटलैंड को दूसरे हाफ में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा था। मध्यांतर के बाद सब्सटीट्यूट निकोलस फुलक्रुग ने 68वें मिनट और एमरे कैन ने इंजरी टाइम में गोल करके जर्मनी की बड़ी जीत सुनिश्चित की। स्कॉटलैंड एंटोनियो रोडिगर के 87वें मिनट में किए गए आत्मघाती गोल से खाता खोल पाया।

मेसी के दो गोल से अर्जेंटीना ने ग्वाटेमाला को हराया

लैंडओवर। लियोनेल मेसी ने नवंबर के बाद अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में दो गोल करने के साथ एक में सहायक की भूमिका निभाई जिससे अर्जेंटीना ने 2024 कोपा अमेरिका कप फुटबॉल के अभ्यास मैच में ग्वाटेमाला को 4-1 से हराया। मेसी पूरे 90 मिनट तक मैदान पर रहे। जिससे गुरुवार को ग्रुप चरण में कनाडा के खिलाफ अपना अभियान शुरू करने से पहले अर्जेंटीना के हौसले बुलंद होंगे। विश्व और कोपा अमेरिका के मौजूदा चैंपियन के लिए लुटारो मार्टिनेज ने दो अन्य गोल किए। ग्वाटेमाला को मैच के चौथे मिनट में लिसेंड्रो मार्टिनेज के आत्मघाती गोल से बढ़त मिल गई थी लेकिन इसके आठ मिनट बाद ही मेसी ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। उन्होंने मैच के 77वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया।

खबर संक्षेप

किसी भी टीम को हरा सकता है अमेरिका

लॉडरहिल। अमेरिका के उप कप्तान आरोन जोन्स ने कहा कि अगर उनकी टीम उचित तरीके से और अपनी क्षमता के अनुसार क्रिकेट खेलती है तो वह दुनिया की किसी भी टीम को हरा सकती है। अमेरिका ने आयरलैंड के खिलाफ मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने के बाद टी20 विश्व कप के सुपर 8 में जगह बनाई। पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे अमेरिका ने ग्रुप ए में कनाडा को सात विकेट से और पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराया था।

यह मेरा आखिरी टी20 विश्व कप है : बोल्ट

तारोबा। न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनका

आखिरी वैश्विक टूर्नामेंट होगा। बोल्ट 2011 में पदार्पण करने के बाद से न्यूजीलैंड टीम के अहम सदस्य रहे है। उन्हें टी20 विश्व कप , एकदिवसीय विश्व कप और टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेलने का अनुभव है। उन्होंने ने 2014 से चार टी20 विश्व कप में भाग लिया है। बोल्ट ने युगांडा पर न्यूजीलैंड की नौ विकेट की जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं अपनी बात करूं तो यह मेरा आखिरी टी20 विश्व कप होगा। मुझे बस इतना ही कहना है।'

शिविर के लिए 40 खिलाड़ियों का चयन

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने रविवार से यहां भारतीय खेल प्राधिकरण के परिसर में शुरू होने वाले 63 दिन के राष्ट्रीय जूनियर शिविर के लिए 40 खिलाड़ियों का चयन किया है। भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने पिछले महीने यूरोप का दौरा किया था। इस दौरे में उसने बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ मैच खेले थे। यह शिविर कोच जनार्दन सीबी और हॉकी इंडिया के हाई परफॉर्मेंस निदेशक हरमन क्रुइस की देखरेख में आयोजित किया जाएगा।

पाकिस्तानी क्रिकेटरों के वेतन में होगी कटौती

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अपनी टीम के टी20 विश्व कप से जल्दी बाहर होने के बाद केंद्रीय अनुबंध की समीक्षा करके खिलाड़ियों के वेतन में कटौती कर सकता है। पाकिस्तान को विश्व कप में अमेरिका और भारत से हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह टूर्नामेंट के सुपर 8 में जगह नहीं बना पाया।

टी20 विश्व कप : 12वें बार अफ्रीकी टीम के खिलाफ मिली हार

सबसे बड़ा उलटफेर करने से चूका नेपाल, एक रन से जीता द.अफ्रीका

एजेंसी ▶▶| किंग्सटाउन

नेपाल जीत के बेहद करीब पहुंचने के बावजूद टी20 विश्व कप में सबसे बड़ा उलटफेर करने से चूक गया और दक्षिण अफ्रीका ने आखिर में एक रन से जीत दर्ज करके टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 115 रन ही बना पाई। उसकी तरफ से रीजा हेंड्रिक्स ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। नेपाल की तरफ से कुशाल भुर्तेल ने 19 रन देकर चार और दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए। नेपाल को मैच की अंतिम गेंद पर जीत के लिए दो रन की जरूरत थी। किशोर खिलाड़ी गुलशन झा तेजी से रन चुराने के प्रयास में रन आउट हो गए। इस तरह से नेपाल 7 विकेट पर 114 रन ही बना पाया। नेपाल के खिलाड़ी निराश थे क्योंकि उन्होंने आईसीसी के पूर्णकालिक सदस्य के खिलाफ 12 प्रयासों में पहली जीत दर्ज करने का सुनहरा अवसर गंवा दिया।

नेपाल 24 गेंद पर नहीं बना सका 22 रन

नेपाल को एक समय 24 गेंद पर 22 रन की जरूरत थी। उसे अंतिम तीन ओवर में जीत के लिए 18 रन चाहिए थे लेकिन उसने छह गेंद और एक रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए। इनमें से दो विकेट स्पिनर तबरेज शम्सी (चार विकेट) ने लिए। नेपाल को अंतिम ओवर में आठ रन चाहिए थे। ओटनील बार्टमैन के इस ओवर में गुलशन पहली दो गेंद पर रन नहीं बना पाए। इसके बाद उन्होंने चौका लगाया। जब नेपाल को तीन गेंद पर चार रन चाहिए थे तब गुलशन ने सोमपाल कामी के साथ दौड़ कर दो रन लिए। पांचवीं गेंद पर कोई रन नहीं बन पाया और अगली गेंद पर गुलशन रन आउट हो गए।

न्यूजीलैंड ने खोला खाता
युगांडा को नौ विकेट से हराया

टरुबा। टिम साउथी की अगुवाई में गेंदबाजों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने युगांडा को 88 गेंद शेष रहते हुए 9 विकेट से हराकर टी20 विश्व कप में अपनी पहली जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए युगांडा को 18.4 ओवर में 40 रन पर आउट कर दिया। युगांडा की तरफ से केनेथ वैसवा ने सर्वाधिक 11 रन बनाए। वह युगांडा की तरफ से दोहरे अंक में पहुंचने वाले एकमात्र बल्लेबाज रहे। न्यूजीलैंड की तरफ से तेज गेंदबाज साउथी ने चार रन देकर तीन विकेट लिए। उनके अलावा तेज़ गेंदबाज़ ट्रेंट बोल्ट (2/7), स्पिनर मिशेल सेंटनर (2/8) और रचिन रवींद्र (2/9) ने दो-दो विकेट लिए। न्यूजीलैंड ने 5.2 ओवर में एक विकेट पर 41 रन बनाकर जीत हासिल की। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे 15 गेंद पर चार चौकों की मदद से 22 रन बनाकर नाबाद रहे।

क्रिकेट

भारत और कनाडा के बीच मैच बारिश के कारण रद

दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला

- फ्लोरिडा में अब तक एक भी मैच नहीं हो सका
- भारत सात अंक के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर
- आज यहीं पाकिस्तान–आयरलैंड मुकाबला होगा

भाषा ▶▶| लॉडरहिल (अमेरिका)

गीली आउटफील्ड के कारण भारत का शनिवार को यहां कनाडा के खिलाफ टी20 विश्व कप का अंतिम ग्रुप मैच एक भी गेंद खेले बिना रद्द हो गया। दोनों टीमों को एक एक अंक मिला। भारत सात अंक से ग्रुप ए में शीर्ष पर रहा। अमेरिका (पांच अंक) ग्रुप से क्वालीफाई करने वाली दूसरी टीम रही। कनाडा तीन अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहा। खराब मौसम ने भारत की सुपर आठ के लिए अपनी तैयारी को मजबूत करने की उम्मीदों में बाधा पहुंचायी। लेकिन ग्रुप चरण के शानदार अभियान के बाद आत्मविश्वास से भरी टीम अगले चरण के लिये कैरेबियाई सरजमीं पर जायेगी। यह आत्मविश्वास मुख्य रूप से तीन ग्रुप मैच में तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन से मिला है जिसमें मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हार्दिक पंड्या और मोहम्मद सिराज ने मिलकर 20 विकेट चटकाये। निश्चित रूप से इन्हें नासाउ काउंटी स्टेडियम मददगार 'ड्रॉप इन' पिच मिली और अब आगामी मैचों में उन्हें वेस्टइंडीज में खेलने के लिए पारंपरिक पिचें मिलेंगी। पिच से निश्चित रूप से मदद मिली लेकिन भारतीय तेज गेंदबाजों ने भी तकनीकी समझ और परिस्थितियों को समझकर उनका फायदा उठाया। अर्शदीप से बेहतर कोई नहीं दिखा।

कप्तान रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव द्वारा रन जुटाना सकारात्मक रहा जिसके अलग कारण रहे। रोहित और सूर्यकुमार दोनों ने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। जिससे वे अब सुपर आठ में और बेहतर करना चाहेंगे। वहीं पंत ने दिल्ली कैपिटल्स की अगुआई करते हुए आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन दिखाया। पंत ने पूरे आत्मविश्वास के साथ यहां की परीक्षा में सफलता हासिल की। बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने कई शॉट खेले। विकेट के पीछे उनका प्रयास भी उतना ही अच्छा रहा। हार्दिक भी आईपीएल में मुंबई की कप्तानी के दौरान शांत रहने के बाद विश्व कप में मजबूत नजर आये। हालांकि उनकी बल्लेबाजी अब भी शीर्ष गियर में नहीं पहुंची है। लेकिन गेंदबाज के तौर पर उन्होंने अपनी गति और वैरिएशन से बल्लेबाजों को परेशान किया। पर सबकुछ अच्छा नहीं था। कुछ हद तक अक्षर पटेल को छोड़कर किसी भी स्पिनर को ग्रुप चरण में 'गेम टाइम' नहीं मिला।

महिला टी20 विश्व कप

दक्षिण अफ्रीका और भारतीय महिला टीम में वनडे जंग आज

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला टीमें रविवार को यहां जब पहले एकदिवसीय के साथ तीन सप्ताह तक चलने वाली सभी प्रारूपों की श्रृंखला शुरू करेंगी तो उनकी कोशिश अक्टूबर में होने वाले महिला टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करने की होगी।

टी20 विश्व कप का आयोजन बांग्लादेश में होगा। टी20 विश्व कप के वर्ष में 50 ओवर के मैच थोड़े असंगत लग सकते हैं, लेकिन यह लय हासिल करने के दृष्टिकोण से दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण हैं। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम इस जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर वनडे और टी20 श्रृंखला हार गई थी, लेकिन उसने जोरदार वापसी करते हुए हाल ही में बांग्लादेश को उसके घरेलू मैदान पर टी20 श्रृंखला में 5-0 से शिकस्त दी। टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस लय को बरकरार रखना चहेगी। मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि टीम ने अच्छी तैयारी की है और जीत के लिए जोर लगाएगी।

रूस-बेलारूस के खिलाड़ी तटस्थ दर्जे से खेलेंगे

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने शनिवार को पेरिस ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करने के लिए रूस के 14 और बेलारूस के 11 खिलाड़ियों को कुछ खेलों की पहली सूची में तटस्थ दर्जे के अंतर्गत हिस्सा लेने को मंजूरी दी। रूस और बेलारूस को यूक्रेन पर हमले के कारण पेरिस ओलंपिक में टीम स्पर्धाओं से प्रतिबंधित कर दिया गया है। रूस और बेलारूस के व्यक्तिगत खिलाड़ियों को अन्य खेलों की क्वालीफाइंग स्पर्धाओं में तटस्थ दर्जे में खेलने की अनुमति दी गयी है तथा उन्हें ओलंपिक में खेलने के लिए फिर आवेदन करना होगा। आईओसी ने पहले दौर में पांच खेलों साइकिलिंग, जिम्नास्टिक, ताइक्वांडो, भारोत्तोलन और कुश्ती में खिलाड़ियों पर फैसला किया। अन्य ओलंपिक खेलों के खिलाड़ियों की सूची कुछ दिन के अंदर आने की संभावना है।

भारतीय पुरुष तीरंदाजी टीम ने हासिल की शीर्ष वरीयता

एजेंसी ▶▶| अंताल्या

तरुणदीप राय, धीरज बोम्मदेवरा और प्रवीण जाधव की भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजी टीम ने आखिरी ओलंपिक क्वालीफायर में शनिवार को यहां शीर्ष वरीयता प्राप्त कर 24 टीमों के साथ एलिमिनेशन दौर में प्रवेश किया। भारतीय तिकड़ी कुल 2018 अंक हासिल कर तालिका में चीनी ताइपे (2008) और जर्मनी (1998) से आगे रही।

इस स्पर्धा में 46 टीमों ने प्रतिस्पर्धा की थी जिससे शीर्ष 24 ने एलिमिनेशन दौर में जगह पक्की की। एलिमिनेशन दौर अंतिम-32

ओलंपिक क्वालीफायर : 24 टीमों के साथ एलिमिनेशन दौर में पहुंचे

ड्रॉ की तरह खेला जाएगा। शीर्ष पर रहने के कारण भारत को अंतिम-16 में बाई मिल गई, जहां उसका सामना 17वीं वरीयता प्राप्त लक्जमबर्ग से होगा।

एलिमिनेशन राउंड में शीर्ष तीन रैंक वाले देशों को पुरुषों की रिकर्व टीम स्पर्धा में पेरिस ओलंपिक कोटा स्थान मिलेगा। भारत अगर शीर्ष तीन में रहता है तो उसका व्यक्तिगत कोटा टीम कोटा में अपग्रेड कर दिया जाएगा। धीरज ने पहले व्यक्तिगत कोटा हासिल किया था।

स्पिनर मुजीब टी20 विश्व कप से बाहर

ग्रॉस आइलेट। अफगानिस्तान के ऑफ स्पिनर मुजीब उर रहमान उंगली की चोट के कारण टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह बल्लेबाज हजरतुल्लाह जजई को टीम में शामिल किया गया है। तेईस वर्षीय मुजीब अफगानिस्तान की तरफ से टूर्नामेंट में केवल एक मैच खेल पाए थे। वह युगांडा के खिलाफ पहले मैच में खेलने के बाद अगले दो मैच में नहीं खेले थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बयान में कहा, 'आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की टूर्नामेंट की तकनीकी समिति ने मुजीब उर रहमान की जगह हजरतुल्लाह जजई को अफगानिस्तान की टीम ने रखने की मंजूरी दे दी है।'

टीम में तीन गुट, बाबर, अफरीदी और रिजवान कर रहे अगुवाई : सूत्र

गुटबाजी ने विश्व कप में किया पाकिस्तान का बेड़ा गर्क

एजेंसी ▶▶| कराची

पाकिस्तान के टी20 विश्व कप से जल्दी बाहर होने के लिए टीम के भीतर गुटबाजी और महत्वपूर्ण क्षणों में वरिष्ठ खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

इस लचर प्रदर्शन के बाद टीम के साथ ही पीसीबी में भी 'बड़े बदलाव' हो सकते हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों के मुताबिक, कप्तान के रूप में वापसी पर बाबर आजम के सामने सबसे बड़ी चुनौती टीम को एकजुट करने की थी लेकिन गुटबाजी के कारण वह ऐसा नहीं कर सके। शाहीन शाह

अफरीदी कप्तानी गंवाने और बाबर द्वारा जरूरत पड़ने पर उनका समर्थन नहीं करने से नाराज हैं जबकि मोहम्मद रिजवान कप्तानी के लिए विचार नहीं किए जाने से नाखुश हैं। टीम के सूत्र ने कहा, 'टीम में तीन गुट हैं, एक का नेतृत्व बाबर आजम कर रहे है तो वहीं दूसरे खेमे की अगुवाई अफरीदी और तीसरे की रिजवान कर रहे हैं। इमाद और आमिर की वापसी ने भ्रम बढ़ा दिया क्योंकि बाबर के लिए इन दोनों से कोई सार्थक प्रदर्शन प्राप्त करना मुश्किल था। इन दोनों ने फ्रेंचाइजी आधारित लीगों को छोड़कर लंबे समय से शीर्ष स्तर की घरेलू या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला था।' सूत्र ने कहा, ''ऐसे भी उदाहरण थे जहां कुछ खिलाड़ी एक-दूसरे से बात नहीं कर रहे थे और उनमें से कुछ ने टीम के तीनों खेमों की अगुवाई कर रहे खिलाड़ियों को खुश करने की भी कोशिश की।'

पीसीबी को थी जानकारी

पीसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अध्यक्ष मोहसिन नकवी को विश्व कप से पहले ही टीम की समस्याओं के बारे में अच्छी तरह से पता था। उनके करीबी और राष्ट्रीय चयनकर्ता वहाब रियाज ने उन्हें इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने कहा, 'नकवी ने सभी खिलाड़ियों के साथ अकेले में दो बैठकें की और निजी हितों की जगह विश्व कप जीतने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा था। उन्होंने उन्हें विश्व कप के बाद टीम में सभी गलतफहमियों को दूर करने का वादा भी किया था लेकिन बात नहीं बनी। मैं बाबर का बचाव नहीं कर रहा हूं, लेकिन एक कप्तान को क्या करना चाहिए जब आपका प्रमुख गेंदबाज कमजोर अमेरिका टीम के खिलाफ अंतिम ओवर में 15 रनों का भी बचाव नहीं कर सकता और फुल टॉस पर एक चौका और छह रन दे देता है।'

गौरिका ने जीता प्रो गोल्फ टूर का सातवां चरण

मैसुरु। भारतीय गोल्फर गौरिका बिश्नोई ने शनिवार को यहां तीसरे और अंतिम दौर के अंतिम तीन होल में बर्डी की हैट्रिक लगाकर हफ्ते के सर्वश्रेष्ठ चार अंडर 66 के कार्ड से हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर के सातवें चरण का खिताब जीत लिया। गौरिका दूसरे दौर के बाद संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर चल रही थीं। उन्होंने कुल एक अंडर 209 का स्कोर बनाया जबकि बीती रात शीर्ष पर रहने वाली खुशी खानिजाऊ (71) दबाव में आ गईं। खुशी ने कुल दो ओवर 212 का स्कोर बनाया

जिससे वह उपविजेता रहीं। गौरिका की 2024 सत्र में यह पहली जीत है। उन्होंने पिछले साल दो जीत दर्ज की थीं। 'अमेच्योर' गोल्फर मन्नत बराड़ तीन अंडर 67 के कार्ड से कुल चार ओवर 214 के स्कोर से विधात्री उर्स के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

जापान और इटली के प्रधानमंत्रियों संग हुई भारतीय पीएम की द्विपक्षीय बैठकें

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच जी-7 सम्मेलन से इतर हुई यह बैठकें

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली।

इटली के अपूलिया में आयोजित किए गए जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इटली और जापान के राष्ट्राध्यक्षों के साथ भी द्विपक्षीय बैठक हुई। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की बैठक में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सामरिक भागीदारी की समीक्षा की और वैश्विक मंचों से बहुपक्षीय कदमों पर सहयोग को मजबूत बनाने पर भी सहमति जताई है। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) का विषय भी वार्ता में शामिल रहा। साथ ही सामरिक भागीदारी में रक्षा और सुरक्षा जैसे विषय दोनों नेताओं की हिस्सा बने।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि दोनों नेताओं ने इस मुलाकात में एक खुले हुए और स्वतंत्र हिंद-प्रशांत को लेकर जारी प्रतिबद्धता से बने हुए साझा विजन पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने द्वितीय विश्व युद्ध में इतालवी अभियान में दिए गए भारतीय सैनिकों के योगदान को पहचान देने के लिए इटली की सरकार का धन्यवाद दिया। बायोफ्यूल संघ में जारी सहयोग का भी उल्लेख किया।

दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात बीते शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इटली की यात्रा के समापन के समय पर हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7 सम्मेलन में शिरकत करने के लिए उन्हें भेजे गए निमंत्रण के लिए इटली की प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया।

चीन के बीआरआई का जवाब आईएमईसी

गौरतलब है कि भारत और इटली के बीच आईएमईसी पर चर्चा चीन के बेल्ट एंड रोड कदम (बीआरआई) के जवाब में की जा रही है। जिसकी दुनिया में काफी आलोचना भी हो रही है। आईएमईसी रेल, सड़क, जहाजरानी नेटवर्क के जरिए सऊदी अरब, भारत, अमेरिका, यूरोप को जोड़ेगा। इससे एशिया, मध्य पूर्व और पश्चिम एक-दूसरे से जुड़ सकेगा। भारत और इटली के बीच आईएमईसी के विचार को लेकर पिछले साल नई दिल्ली में आयोजित किए गए जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर मजबूती मिली थी। दोनों नेताओं ने नियमित रूप से जारी उच्चस्तरीय राजनीतिक संवाद और भारत-इटली के बढ़ते हुए व्यापार, आर्थिक सहयोग को लेकर भी संतुष्टि जाहिर की है। स्वच्छ ऊर्जा, मैन्युफैक्चरिंग, स्पेस, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, टेलीकॉम, एआई और चुनौतीपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में दोनों पक्ष एक लचीली सप्लाई चेन स्थापित करने के लिए सहमत हैं।

सोशल मीडिया पर छाई 'मेलोडी'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जी-7 शिखर सम्मेलन को लेकर की गई इटली की यात्रा संपन्न हो गई है। लेकिन इसमें सोशल मीडिया से लेकर संचार के अन्य माध्यमों पर जिस विषय पर सर्वाधिक चर्चा हो रही है। वह है सम्मेलन के समापन अवसर पर भारत और इटली के प्रधानमंत्रियों द्वारा ली गई सेल्फी। जिसे इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने अपने एक्स' हैंडल पर 'हाय फ्रेंड्स, #फ्रॉम मेलोडी' लिखकर साझा किया है। ये सोशल मीडिया पर बेहद तेजी के साथ वायरल हो गई है और लोगों द्वारा इसे खूब पसंद किया जा रहा है।

आईओआर के लिए जरूरी भारत-जापान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा के बीच हुई बैठक में भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा कि एक शांत, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत और जापान के बीच मजबूत संबंधों की आवश्यकता है। दोनों देश रक्षा, तकनीक, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और डिजीटल तकनीक जैसे क्षेत्रों में काम करने जा रहे हैं। इसके साथ ही हम इंफ्रास्ट्रक्चर और सांस्कृतिक जुड़ाव के मामले में भी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की इच्छा रखते हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया, पीएम मोदी ने जापान के प्रधानमंत्री का चुनावों में मिली जीत और तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने पर दिए गए संदेश के लिए धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने भारत-जापान विशेष सामरिक और वैश्विक भागीदारी के दसवें वर्ष में प्रवेश और संबंधों में प्रगति को लेकर संतुष्टि जाहिर की।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत-जापान की नई प्रतिबद्धता से बढ़ सकती है चीन की टेंशन

रोम।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इटली में जी-7 समिति के दौरान जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा से मुलाकात की। इस दौरान भारत और जापान ने मिलकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा और शांति व समृद्धि के लिए अपनी नई प्रतिबद्धताएं तय कीं। पीएम मोदी ने कहा कि शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत तथा जापान के बीच मजबूत संबंध महत्वपूर्ण हैं। बता दें कि मोदी और किशिदा दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंध आगे बढ़ाने पर भी सहमत हुए।

चीन के लिए तनाव का है पीएम मोदी का बयानः मोदी का यह बयान क्षेत्र में चीन के आक्रामक व्यवहार तथा अपना वर्चस्व बढ़ाने की कोशिशों के बीच आया है। ऐसे में इसे चीन के लिए बड़े तनाव के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने कहा, हमारे देश रक्षा, प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं। हम बुनियादी ढांचे तथा सांस्कृतिक संबंधों में भी रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहते हैं।ह विदेश मंत्रालय ने दोनों नेताओं के बीच वार्ता के संबंध में जारी एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने फिर से चुने जाने पर किशिदा द्वारा दी गई बधाई के लिए उनका आभार व्यक्त किया और साथ ही कहा कि उनके तीसरे कार्यकाल में भी द्विपक्षीय संबंध अहम रहेंगे। दोनों नेताओं ने कहा कि वे अगले भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में चर्चा जारी रखेंगे।

गृहमंत्री शाह आज करेंगे समीक्षा बैठक

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों की चौकसी बढ़ी, अमरनाथ यात्रा, पीएम दौरे को लेकर अलर्ट पर एजेंसियां

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर में हाल के आतंकी हमलों के बाद राज्य में सुरक्षा एजेंसिया कड़ी चौकसी बरत रही हैं। एजेंसियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती जल्दी ही शुरू होने जा रही अमरनाथ यात्रा को सकुशल पूरा कराना है। इसके अलावा वहां अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव भी होने वाले हैं। कुछ दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्य के दौरे पर जाने की भी संभावना है।

होगी अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती

ऐसे में सुरक्षा बलों को व्यवस्था चाक-चौबंद करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है। इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह रविवार को एक समीक्षा बैठक करेंगे। अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित पूरा कराने के लिए बड़ी संख्या में अतिरिक्त सुरक्षा बल रानीखेत, गुवाहाटी, पटना और लखनऊ से भेजे गये हैं। माना जा रहा है कि राज्य में कुछ अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की जा सकती है।

वार्षिक कला उत्सव आयोजित..

जकार्ता। शनिवार को इंडोनेशिया के देनपसार, बाली में बाली कला उत्सव के उद्घाटन पर परेड के दौरान प्रदर्शन करती महिला नर्तकियां। बाली द्वीप वर्तमान में 15 जून से 13 जुलाई तक एक महीने तक चलने वाला वार्षिक कला उत्सव आयोजित कर रहा है।

नहीं थम रहा कोविड का प्रकोप

अमेरिका में अब कोरोना के नए वैरिएंट केपी-3 की एंट्री

एजेंसी ▸▸ वाशिंगटन

अमेरिका में कोरोना के मामलों में फिर से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्रों ने बताया कि देश में अब नया कोविड वेरिएंट (केपी-3 कोविड स्ट्रेन) सामने आया है।

इस वेरिएंट का नाम केपी-3 है जो अब अमेरिका में 25 फीसद से अधिक कोरोना पीड़ितों में पाया गया है। नया वेरिएंट पहले के जेएन-1 वेरिएंट से भी खतरनाक साबित हो रहा है। केपी-3 वेरिएंट ओमिक्रॉन से निकला है। विशेषज्ञों का कहना है कि वैक्सीन केपी-3 वैरिएंट (कोरोना न्यू वैरिएंट केपी-3) के खिलाफ कारगर साबित हो रहे हैं। कोरोना की रोकथाम के लिए कोरोना का टेस्ट, वैक्सीन लेना और सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों का पालन ही कोरोना के प्रकोप से बचाने में महत्वपूर्ण कदम माना गया है।

वहीं, व्यक्तिगत प्रयासों में मास्क पहनना, शारीरिक दूरी बनाए रखना और साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोना या हैंड सैनिटाइजर का उपयोग करना इसमें शामिल है।

दो बहनों पर युवक ने चलाई गोलियां, एक की हुई मौत

नई दिल्ली। अमेरिका के न्यू जर्सी में एक युवक ने पंजाब की दो बहनों को फायरिंग कर दी, जिनमें से एक की मौके पर मौत हो गई, जबकि दूसरी बहन घायल है। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। साथ ही पुलिस ने आरोपी युवक को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी का नाम गौरव गिल है, जो मूल रूप से जालंधर के नकोदर कस्बे का रहने वाला है।

साउथ कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का दावा

धरती पर छोटे हो सकते हैं दिन, कम हो रही है पृथ्वी के आंतरिक कोर के घूमने की गति

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

हम सभी जानते हैं कि 24 घंटे में एक बार दिन और एक बार रात होती है। वहीं दिन और रात को मिलाकर हमारा एक दिन पूरा होता है। वैज्ञानिकों ने पृथ्वी पर दिन की अवधि को लेकर बड़ा दावा किया है। एक शोध के मुताबिक धरती के आंतरिक कोर की घूर्णन गति लगातार कम हो रही है। इसका प्रभाव पृथ्वी की घूर्णन गति पर भी पड़ेगा और दिन की लंबाई छोटी हो जाएगी।

ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से लंबे हो रहे दिन

एक अन्य स्टडी में कहा गया था कि ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से पहाड़ों के ग्लैशियर और अंटार्कटिका की बर्फ तेजी से पिघल रह है और इसकी वजह से भी पृथ्वी का घूर्णन धीमा हो रहा है। इस वजह से दिन लंबे होते जा रहे हैं। रिसर्च में कहा गया था कि इस इफेक्ट को कम करने के लिए धरती की तरल वाली लेयर भी धीमी हो रही है। वहीं ठोस लेयर की गति तेज हो गई है। शोध में कहा गया था कि दिन की मियाद में कुछ लीप सेकंड ही जोड़े जा सकते हैं।

अबूझमाड़ में मुठभेड़, आठ नक्सली मारे गए, एक जवान शहीद

रायपुर। रायपुर स्थित मेकाहारा अस्पताल में पोस्टमार्टम करने के बाद माना में शहीद एसटीएफ जवान नितिश एक्का (27), जशपुर को अंतिम सलामी दी जाएगी। वहीं, मुठभेड़ में दो जवान घायल हुए हैं, जिन्हें मुठभेड़ स्थल के पास से रेस्क्यू कर हेलीकॉप्टर की मदद से रायपुर रेफर किया गया है। नक्सलियों के आधार इलाके में लगातार पुलिस के द्वारा नक्सल ऑपरेशन किया जा रहा है। जिससे अबूझमाड़ का यह इलाका नक्सलियों के कब्जे से मुक्त हो रहा है।

वायुसेना प्रमुख ने युवा अधिकारियों को प्रदान किए रैंक और विंग्स

वायुसेना की डिंडीगुल अकादमी से उत्तीर्ण हुए

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली।

भारतीय वायुसेना की हैदराबाद स्थित डिंडीगुल अकादमी में शनिवार को आयोजित की गई संयुक्त स्नातक परेड में 235 स्नातक फ्लाइट कैडेट सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा कर उत्तीर्ण हुए हैं। इसमें 22 महिला अधिकारी भी शामिल हैं। इन्हें वायुसेना की विभिन्न शाखाओं में कमीशन मिला है। वायुसेना ने बयान में बताया कि परेड समारोह में वायुसेनाप्रमुख एयर चीफ मार्शल वी. आर चौधरी ने फ्लाइट कैडेटों को राष्ट्रपति कमीशन प्रदान किया। प्रशिक्षण कमांड के प्रमुख एयर मार्शल नागेश कपूर और अकादमी के कमांडेंट एयर मार्शल एस. श्रीनिवास भी परेड के दौरान उपस्थित रहे। समारोह में भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल के क्रमशः 9-9 अधिकारियों और मित्र देशों के एक अधिकारी को भी उड़ान प्रशिक्षण के सफल समापन पर विंग्स से सम्मानित किया। वायुसेना के कहा कि यह पहली ऐसी संयुक्त स्नातक परेड थी, जिसमें चार साल पहले ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल हुए 25 कैडेटों को भी अधिकारियों के रूप में कमीशन दिया है। इनमें 5 को प्रशासन शाखा, 3 को रसद और 17 को वायुसेना की तकनीकी शाखा में कमीशन दिया गया। कैडेटों को समीक्षा अधिकारियों द्वारा प्रदान किए गए उनके रैंक और विंग्स से सम्मानित करना और बल के विमानों का फ्लाई पास्ट रहा। पिलाटस पीसी-7, एमके-11, किरण और चेतक हेलीकॉप्टर फ्लाई पास्ट का हिस्सा बने। अकादमी के कमांडेंट ने स्नातक अधिकारियों को देश की सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान की रक्षा करने की शपथ दिलाई।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालो को पुरस्कार प्रदान किए

समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए गए। फ्लाइंग शाखा में अधिकारी हैप्पी सिंह को पायलट कोर्स में समग्र योग्यता क्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर राष्ट्रपति की पट्टिका और वायुसेना प्रमुख की स्वार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। फ्लाइंग अधिकारी तौफीक रजा को ग्राउंड ड्यूटी ऑफिसर कोर्स में समग्र योग्यता क्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर राष्ट्रपति की पट्टिका से सम्मानित किया गया। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी.आर चौधरी ने अपने संबोधन में कमीशन प्राप्त करने वाले सभी अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आने वाले संघर्षों को कल की मानसिकता से नहीं लड़ा जा सकता। नए मानकों के निर्माता हमेशा पुराने मानकों के अनुयायियों पर भारी पड़ेंगे। आधुनिक युद्ध बहुआयामी हैं, यह निरंतर विकसित हो रहा है और जटिल तकनीक और उन्नत साइबर तकनीकों से तेजी से प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा, नेतृत्व के रूप में सभी को निर्णायक युद्ध जीतने के लिए प्रभावी रूप से तकनीक को अपनाने, अन्वेषण करने और उसका लाभ उठाने की आवश्यकता है। परेड समारोह का समापन दो पंक्ति में नव नियुक्त अधिकारियों द्वारा रविंद्रनाथ टैगोर के आनंदलोक के पारंपरिक स्वरों पर धीमी गति से मार्च करने के साथ अपने कनिष्ठों से मिली सलामी के साथ हुआ। इसमें सारंग हेलिकॉप्टर, सूर्य किरण एरोबेटिक टीम और सुखोई विमानों ने आकर्षक एरोबेटिक शो किया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109